जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 174 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 29 अप्रैल, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

14 साल के वैभव ने 35 बॉल में शतक ठोका

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 28 अप्रैल को आईपीएल का 47 वां मैच गुजरात टाइटंस व राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला गया, जिसमें 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के शतक की मदद से राजस्थान रॉयल्स को जीत मिली। चौदह साल के वैभव ने 17 गेंद पर पचास और 35 गेंद पर शतक लगा दिया। वे आईपीएल के इतिहास में सेंचुरी लगाने वाले सबसे युवा प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने 18वें सीजन में सबसे कम गेंदों पर अर्धशतक भी बनाया और सबसे कम गेंदों पर शतक लगाने वाले भारतीय भी बने। ***(विस्तृत समाचार खेल पृष्ठ पर)***

आईपीएल टिकटों की कालाबाज़ारी का मानवाधिकार आयोग ने प्रसंज्ञान लिया

जयपुर, 28 अप्रैल। राज्य मानवाधिकार आयोग ने एसएमएस स्टेडियम में आईपीएल मैच के टिकटों की कालाबाजारी को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही, आयोग ने मामले में पुलिस कमिश्नर से 30 अप्रैल तक तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने ये आदेश इस संबंध में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट पर प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। आयोग ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष का दायित्व बनता है कि वे मैच के टिकटों को पारदर्शी रूप

- **आयोग अध्यक्ष जस्टिस मूलचंदानी ने कहा, राजस्थान रॉयल्स का दायित्व बनता है कि मैच के टिकटों को पारदर्शी रूप में व्यवस्थित प्रक्रिया से विक्रय करें।**

से व्यवस्थित प्रक्रिया से विक्रय करते, जिससे क्रिकेट का लुत्फ उठाने वाले वास्तविक दर्शकों को टिकट उपलब्ध हो पाती।

आयोग ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के आयोजकों का दायित्व है कि जब वे राजस्थान शब्द का उपयोग अपनी टीम के लिए करते है तो इस बात का भी ध्यान रखें कि मैच के टिकटों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दर्शकों को उपलब्ध कराएं। आयोग ने आईपीएल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'संसद का विशेष सत्र बुलाने की जरुरत है'

विपक्ष ने सरकार पर दबाव बनाना शुरु किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रेल। कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष ने कश्मीर के पहलगाम में हुये आतंकी हमले से निबटने के लिये सरकार को पूरा समर्थन देने का वचन दिया है, जिस हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या कर दी गई थी। विपक्ष ने सरकार से कह दिया है कि सरकार जो भी कार्यवाही करना उचित समझती है, उसमें विपक्ष उसका पूरा सहयोग करेगा। वहीं, विपक्ष ने सरकार पर यह दबाव डालना भी शुरु कर दिया है कि वह संसद का आपातकालीन सत्र बुलाये, जिससे कि पहलगाम मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हो सके। संसद में सरकार विपक्ष के सभी प्रश्नों के उत्तर दे तथा बताये कि सरकार क्या कार्यवाही करने की योजना बना रही है।

कांग्रेस नेता तथा सांसद ने इस माँग को जारी रखते हुये कहा कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिये क्योंकि यह समय की आवश्यकता है।

इस माँग को आरजेडी के मनोज झा ने भी दोहराया है तथा सीपीआई ने भी सरकार को पत्र लिखकर संसद सत्र बुलाने की माँग की है।

कांग्रेस समान सोच वाले दलों से बात कर रही है तथा उनसे कह रही है कि वे इस मुद्दे को सरकार के समक्ष उठायें।

- **विपक्ष का तर्क है कि पहलगाम के आतंकी हमले का गहराई से मंथन करना चाहिए तथा विपक्ष यह जानना चाहेगा कि अब सरकार इस बारे में क्या कदम उठाने वाली है।**
- **विशेष सत्र की मांग की शुरुआत कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने की। इसके बाद आरजेडी के सांसद मनोज झा ने मांग का समर्थन किया। सीपीआई ने भी एक पत्र लिख कर विशेष सत्र आहूत करने पर जोर दिया।**
- **फिलहाल, कांग्रेस में भी कुछ फुसफुसाहट इस बात को लेकर है कि इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई गई, मोदी सरकार को आतंकवादी हमले का सामना करने के लिये आँख बंद करके समर्थन देने की, और पार्टी नेतृत्व ने गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग तक नहीं की तथा इस बात का भी खास विश्लेषण नहीं हुआ कि क्यों और कैसे सुरक्षा में चूक हुई।**
- **एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने यह भी कटाक्ष किया, कि क्या विपक्ष के रवैये में यह शिथिलता नैशनल हैरल्ड केस व रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चल रही जाँचों के कारण हुई, तथा पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को और क्षति न पहुँचे इसकी व्यवस्था कर रही है कांग्रेस, विशेष सत्र की मांग करके।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन देशों- क्रोएशिया, नॉर्वे तथा नीदरलैंड की यात्रा पर जा रहे हैं। वे 13 मई को जायेंगे तथा 17 मई को स्वदेश लौटेंगे। इस सिलसिले में, मीडिया के बड़े वर्ग से कहा गया है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एन.सी.ई.आर.टी. एक बार फिर खबरों में छायी

एन.सी.ई.आर.टी. ने सातवीं कक्षा की पुस्तकों में काफी पाठ्यक्रम बदल दिये

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रेल। एनसीईआरटी एक बार फिर खबरों में है। इस बार उसने कक्षा 7 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्य पुस्तक से मुगलों और दिल्ली सल्तनत से संबधित अध्याय हटा दिये हैं तथा 2025-26 के शैक्षिक सत्र के लिये प्राचीन भारतीय राजवंशों, महाकुम्भ तथा पवित्र धार्मिक स्थानों से जुड़ी नई सामग्री जोड़ दी है।

इतिहास की पुरानी पुस्तकें, 7 वीं शताब्दी से शुरु होकर मुगलों तथा दिल्ली के सुल्तानों, जैसे मध्यकालीन शासकों को कवर करती थीं। इसके विपरीत, नई पुस्तकें तीसरी से छठी शताब्दी ईसा पूर्व के बीच की अवधि तथा गुप्त काल पर रुक जाती हैं। नये अध्यायों का जोर मौर्य

- **पुस्तक में वो "चैप्टर" हटा दिये गये, जो मुगल व दिल्ली के सुल्तानों को वर्णित करते थे।**
- **जो चैप्टर जोड़े गये हैं, वो शुंग, सातवाहन, चोल, पन्ड्या तथा चेरा राज्यों के बारे में जानकारी देते हैं।**

साम्राज्य, अशोक का शासनकाल तथा प्राचीन भारत के राजनैतिक परिदृश्य पर है, जिसमें शुंग, सालवाहन, चोल, पन्ड्या तथा चेरा शामिल हैं।

नई पुस्तक में "देश पवित्र कैसे बनता है" शीर्षक से एक अध्याय जोड़ा गया है, जिसमें विभिन्न धर्मों -हिन्दू, बौद्ध, इस्लाम, ईसाई, यहूदी, पारसी और सिक्ख- की कुछ पवित्र बातें बताई गई हैं। इस पाठ्य पुस्तक में कुम्भ मेला पर जोर दिया गया है तथा इस साल के मेले में 66 करोड़ तीर्थ यात्रियों की व्यापक भागीदारी का विशेष उल्लेख किया गया है।

आगामी शैक्षिक सत्र में, विद्यार्थी "एक्सप्लोरिंग सोसायटी- इंडिया एंड बियॉन्ड" नामक "कन्सॉलिडेटेड" पाठ्य पुस्तक से पढ़ेंगे। पाठ्य पुस्तक का दूसरा भाग इस साल के अन्त में जारी होने की उम्मीद है। यह अनिश्चित है कि प्रथम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीकेयू ने नरेश टिकैत का कड़ा विरोध किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। भारतीय किसान यूनियन, जो भारत का सबसे बड़ा किसान संगठन है, ने संगठन के अध्यक्ष राकेश टिकैत के भाई नरेश टिकैत के उस बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने सिंधु जल संधि रद्द करने के लिए भारत

- **नरेश टिकैत भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के अध्यक्ष राकेश टिकैत के भाई हैं और उन्होंने सिंधु जल संधि रद्द करने के लिए भारत सरकार का विरोध किया था।**

सरकार की आलोचना की थी। संगठन ने कहा, यह जाँच की जानी चाहिए कि उन्होंने किसके इशारे पर यह बयान दिया है। संगठन के महासचिव मोहिनी मोहन मिश्रा ने कहा कि ऐसे बयान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आप व्यर्थ के जोशीले, भड़काऊ भाषण देने से बाज आएं?'

नवाज़ शरीफ ने छोटे भाई, पाकिस्तान के वर्तमान प्रधानमंत्री को मशविरा दिया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रेल। पहलगाम आतंकी हमलों के लिए पाकिस्तान के खिलाफ भारत की दंडात्मक कार्रवाई को लेकर चर्चाएं चरम पर हैं और कूटनीतिक खींचतान भी नए स्तर पर पहुँच गई है।

इसी बीच, नवाज़ शरीफ और शहबाज़ शरीफ-एक पूर्व प्रधानमंत्री और दूसरे वर्तमान प्रधानमंत्री, के बीच हुई बैठक भी कम महत्वपूर्ण नहीं है, क्योंकि बड़े भाई नवाज़ शरीफ ने शहबाज़ को भारत के खिलाफ अपनी बयानबाजी को कम करने की समझदारी भरी सलाह दी है।

नवाज़ शरीफ ने अपने भाई शहबाज़ को सतर्क रहने और बयानबाजी के सुर को काफी हद तक कम करने की सलाह दी है, ताकि भारत के लिए अत्यधिक आक्रामक कार्रवाई करना मुश्किल हो

- **नवाज़ शरीफ चाहते हैं, पाकिस्तान विनम्र, शांत व संयम वक्तव्यबाजी तक ही सीमित रहे, जिससे भारत को पाकिस्तान से पूरा युद्ध करने का बहाना न मिले।**
- **क्योंकि, पाकिस्तान अभी लम्बा युद्ध करने की स्थिति में नहीं है, न तो पाक की आर्थिक स्थिति इस रिस्क को उठाने के लिये तैयार है, न ही कोई ऐसा दोस्त है, जो पाकिस्तान की मदद के लिये उसके पक्ष में कूदे।**
- **लगभग यही स्थिति भारत की है, अमेरिका "टैरिफ युद्ध" में व्यस्त है और वह भारत-पाक युद्ध में पड़ने के बारे में ज्यादा उत्साही नहीं है। रूस जरुर भारत के पक्ष में कुछ बोल सकता है, पर, रूस भी यूक्रेन वॉर में इस तरह जकड़ा हुआ है कि खास मददगार साबित नहीं हो सकता।**

जाए। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने भी भारत के साथ एक चतुराई भरी रणनीति अपनाई है, यह कहते हुए कि भारत सैन्य रूप से पाकिस्तान में घुसपैठ करने की तैयारी में है।

एक असंभव स्थिति को संभालने के लिए हो रही चर्चाओं और प्रयासों के बीच, बाहरी ताकतें हमेशा की तरह भूमिका निभाने की कोशिश कर रही हैं। कुछ मुस्लिम देश इस टकराव को और अधिक उलझाने में लगे हुए हैं।

तुर्की ने इस टकराव में इस्लामी चेहरे के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। तुर्की ने अपने सैन्य विमान पाकिस्तान भेजे हैं और अपनी इस्लामी एकजुटता दिखाई है। हालांकि, तुर्की के पास इस दूरदराज के सैन्य मोर्चे पर प्रभाव डालने की सीमित क्षमता है। वह अपने सैन्य ठिकानों से इतनी दूर अपनी शक्ति का उपयोग करने की स्थिति में नहीं है, भले ही पाकिस्तान उसे हस्तक्षेप करने का मौका दे भी दे।

चीन भी इस टकराव में देर से ही सही, प्रवेश कर चुका है। हालांकि, उसने पाकिस्तान के पक्ष में खुलकर रुख नहीं अपनाया है, लेकिन उसने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। फिर भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाई कोर्ट प्रशासन से जवाब मांगा

जयपुर, 28 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने एडीजे भर्ती-2020 से जुड़े मामले में अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर राजस्थान हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल और रजिस्ट्रार परीक्षा से जवाब तलब किया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की खंडपीठ ने ये आदेश नरेन्द्र मोहन व अन्य की एसएलपी पर सुनवाई करते

- **एडीजे भर्ती-2020 से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पालना नहीं करने पर रजिस्ट्रार जनरल तथा रजिस्ट्रार परीक्षा से सुप्रीम कोर्ट ने जवाब तलब किया।**

हुए दिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि एडीजे भर्ती-2020 की लिखित परीक्षा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 17 नवंबर, 2022 को हाईकोर्ट को कहा था कि वह मामले में विशेष बेंच बनाकर मामले की सुनवाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश के स्वाभिमान को धक्का पहुँचा, तब मोदी बिहार में चुनावी भाषण दे रहे थेः खड़गे

कांग्रेस ने जयपुर संविधान बचाओ रैली के बाद आम सभा की

जयपुर, 28 अप्रेल। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जयपुर में संविधान बचाओ रैली को सम्बोधित किया और प्रधानमंत्री मोदी तथा भाजपा की कड़ी आलोचना की। खड़गे ने कहा, देश की बदकिस्मती है जब देश के स्वाभिमान को धक्का पहुंचा तब आप बिहार में चुनावी भाषण देने गए।

कांग्रेस ने सोमवार को जयपुर में संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया। रैली के बाद रामलीला मैदान में आयोजित सभा को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संबोधित किया तथा पहलगाम आतंकी हमले, संविधान, बेरोजगारी, मंहगाई, दलित पिछड़ा वर्ग पर अपना पक्ष रखा और नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा।

खड़गे ने कहा, "सर्वदलीय बैठक में सभी दलों के नेता आए, लेकिन दुख

- **पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी मेहनत और एकजुटता से काम करेगा तो साढ़े तीन साल बाद राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी।**

है कि पीएम मोदी उस बैठक में नहीं आए। बिहार दूर था क्या? सर्वदलीय बैठक में पीएम आते और योजना बताते। हमसे क्या मदद चाहिए।"

खड़गे ने पहलगाम आतंकी हमले के मुद्दे पर भी प्रधानमंत्री पर निशाना साधा और कहा, "आप (मोदी) 56 इंच की छाती की बात करते हो। अरे बाबा, कम से कम पहलगाम आतंकी हमले पर सर्वदलीय बैठक में बैठते तो हमें पता लगता कि क्या करने वाले हैं? हम सब पार्टियों के लोग थे, लेकिन आपने उसमें नज़र आने की कोशिश नहीं कीं। ऐसा तो प्रधानमंत्री का एटीट्यूड है।"

खड़गे ने संविधान के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा, "अंबेडकर ने संविधान बनाया। उसी कारण एक मामूली चाय बेचने वाला आदमी पीएम बन सकता है। मेरे जैसा मिल मजदूर का बेटा देश के विपक्ष का नेता बन सकता है। संविधान रहा तो ही आप पीएम बनेंगे, गृह मंत्री बनेंगे।

उन्होंने कहा, आज जितनी भी बड़ी स्कीम हैं, वो सब कांग्रेस की देन हैं। मोदी

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जयपुर में संविधान बचाओ रैली को सम्बोधित किया। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के मुद्दे पर प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। इस अवसर पर पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी रैली को संबोधित किया।

ने क्या दिया? मोदी ने महंगाई और बेरोजगारी दी है। मोदी 56 इंच की बात करते थे। अब मोदी की 56 इंच की छाती सिकुड़ गई है। हमारा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली मंदिर गया। उस मंदिर को इनके मूंछों वाले एक नेता ने गंगाजल से धुलवाया। तब हिंदू एकता की बात कहां गई?

खड़गे ने कहा, मोदी के 12 झूठ हैं? काला धन वापस लाने, हर खाते में 15 लाख डालने, हर साल 2 करोड़ नौकरी, पेट्रोल-डीजल सस्ता, गंगा को साफ, हर भारतीय को घर, किसानों को एमएसपी, महंगाई खत्म करने जैसे उनके सभी वादे झूठे हैं।

एआईसीसी महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट ने भी सभा को संबोधित किया और कहा कि देश में चुनाव आयोग कमजोर हो गया है। महाराष्ट्र में वोटर्स से ज्यादा वोट पड़े, इसे क्या कहा जाएगा? चुनाव आयोग क्या कर रहा था? आज संविधान पर हर तरफ से हमले किए जा रहे हैं। भाजपा, संविधान के प्रावधानों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

भोली भाली सूरत वाले होते हैं जल्लाद भी। –उर्दू कहावत

हमारी लड़ाई पाकिस्तान से है, भारतीय मुसलमानों से नहीं

22 अप्रैल 2025 को जिस निर्ममता और नृशंसता से आतंकवादियों ने पहलगाम, कश्मीर में घूमने गए 26 पर्यटकों की हत्या की, उसने पूरे देश को दहला दिया है। देशवासियों को इस बात ने और भी अधिक गुस्से में भर दिया है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछा और हिन्दू पुरुषों की पहचान करके उनकी हत्या की। अब तक आतंकवादियों को पकड़ा नहीं जा सका है जबकि सेना एवं अन्य सुरक्षा बलों ने पूरा जोर लगा रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह हुंकार भरी है कि आतंकवादी दुनिया के किसी भी कोने में छिपे हों, उन्हें ढूंढ कर निकाला जाएगा और ऐसी सजा दी जाएगी जिसकी कल्पना भी नहीं की होगी।

सर्वदलीय बैठक में सरकार द्वारा यह स्वीकार किया गया कि सुरक्षा प्रबंधन में कुछ चूक तो हुई है अन्यथा जिस स्थान पर दो-तीन हज़ार पर्यटक हों वहां कोई सुरक्षा बल मौजूद कैसे नहीं था। जिम्मेदारी तय होने पर दोषी के विरुद्ध कार्यवाही भी की जाएगी।

नागरिकों पर हमले की यह आतंककारी घटना 26 नवंबर, 2008 को मुंबई के ताज होटल में हुई घटना के बाद सबसे बड़ी घटना है। प्रारंभिक सूचनाओं से यह स्पष्ट है कि इस आतंकवादी घटना को पाकिस्तानी आतंकियों ने अंजाम दिया है।

संतोष की बात है कि सदैव की तरह देश की 142 करोड़ जनता पूरी तरह से सरकार के साथ है। सभी राजनीतिक दलों ने विभिन्न मतभेद होने के बावजूद, सरकार के साथ एक जुटता व्यक्त की है। सरकार से उन्होंने यह भी अपेक्षा की है कि सरकार इस निर्मम हत्याकांड का पूरी कड़ाई से और बहुत मजबूती से पाकिस्तान के विरुद्ध कार्रवाई करके, उसे सबक सिखाए।

सरकार ने अपनी ओर से एक बहुत बड़ा कदम उठाते हुए सिंधु जल समझौते को एक तरफा स्थगित कर दिया है। ऐसा 1960 के समझौते के बाद पहली बार हुआ है। जिस प्रकार के शब्दों का प्रयोग प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में किया है, उससे यह लगता है कि सरकार आर्थिक, कूटनीतिक और सैन्य सभी स्तर पर पाकिस्तान को उपयुक्त जवाब देगी। सभी राजनीतिक दलों ने सरकार को यह विश्वास दिलाया है कि वे, सभी सरकार की हर कार्यवाही उसके साथ हैं। जो भी कदम सरकार उठाएगी, उसमें उनका समर्थन है।

सरकार अपना उपयुक्त समय देखकर कार्रवाई करेगी। देश उसी की प्रतीक्षा कर रहा है।

पाकिस्तान से आए आतंकियों ने जिस प्रकार से धर्म के आधार पर पर्यटकों की हत्या की है, उसका स्पष्ट उद्देश्य यही था कि देश में हिंदू और मुसलमान के बीच में घृणा और तनाव उत्पन्न किया जाय। पाकिस्तान का उद्देश्य ही यह है कि भारत में अस्थिरता और अशांति फैले। पाकिस्तान को यह बात लगातार साल रही है कि कैसे भारत के हिंदू और मुसलमान शांति के साथ रहते हुए देश की प्रगति में बराबर का योगदान दे रहे हैं। यह भारतवासियों की परिपक्वता और समझदारी का ही परिणाम है कि उन्होंने पाकिस्तान के इस कुत्सित प्रयास को सफल नहीं होने दिया है।

इस दर्दनाक घटना के संबंध में कई वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं। जिन व्यक्तियों की हत्या हुई है, उनके परिजन यह बता रहे हैं कि किस प्रकार स्थानीय मुस्लिम लोगों ने उनकी जान को बचाया है। ऐसा करते समय उन्होंने अपनी जान की भी परवाह नहीं की। स्थानीय टैक्सी वाले, होटल वाले, खच्चर वाले एवं अन्य लोगों ने अनेक पर्यटकों की जान बचाई है।

एक बहुत ही मार्मिक वीडियो इस संबंध में चल रहा है जिसमें छत्तीसगढ़ के भाजपा पार्षद लक्की की पत्नी यह कहती है कि कैसे उनके बच्चों और परिवार की जान बचाने में स्थानीय टूरिस्ट गाइड नज़ाकत ने सहायता की। वह उनके छोटे बच्चों को अपनी गोद में लेकर जमीन पर लेट गया ताकि उन्हें बचाया जा सके। उसने तो यहां तक कहा कि यदि कोई गोली लगी भी, तो पहले उसे लगेगी, तब बच्चों तक पहुंचेगी। 27 वर्षीय मुस्लिम युवक द्वारा अपनी जान की बाजी लगाकर लक्की और उसके बच्चों को बचाने की घटना इंसानियत का अदभुत उदाहरण है। इसी प्रकार एक खच्चर वाले आदिल हुसैन ने पर्यटकों को बचाते हुए ने अपनी जान तक दे दी।

इस दर्दनाक घटना को, कुछ देश -विरोधी तत्व, हिंदू-मुस्लिम का रूप देने का प्रयास कर रहे हैं। कुछ लोगों ने देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत कश्मीरी युवकों को शहर से बाहर जाने का अल्टीमेटम दे दिया है। कुछ स्थानों पर उनके साथ मारपीट की भी घटनाएं हुई हैं। हिंदू रक्षा दल के नाम पर जो भी संगठन या दल इस प्रकार के कामों में लिप्त हो रहे हैं, वे परोक्ष रूप में पाकिस्तान के उन आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं, जिन्होंने देश में अस्थिरता एवं अशांति फैलाने के उद्देश्य से पहलगाम में इस घटना को अंजाम दिया है।

सांसद असदुद्दीन ओवैसी जैसे व्यक्ति, जो सामान्यतया सरकार के विरोध में बहुत कठोर बयान देते रहे हैं, उन्होंने भी इस आतंकवादी घटना को देश पर हमले के रूप में बताया है। यह बात सही भी है कि यह घटना केवल 26 पर्यटकों की हत्या तक सीमित नहीं है, इसका उद्देश्य देश के सांप्रदायिक सौहार्द्र की हत्या करना है। वे उस भावना को मारना चाहते हैं जो सभी धर्म के लोगों को एक साथ लेकर चलती है। सदियों से हिंदू और मुसलमान इस देश में पूरे भाईचारे के साथ रहते आए हैं। यही इस देश की पहचान और ताकत भी है। यदि हम इनमें दरार पैदा करने वाली ताकतों की मदद करेंगे, तो एक तरह से वह काम देश द्रोह जैसा ही होगा।

उल्लेखनीय है कि सभी मुस्लिम संगठनों ने, यहां तक कि मुल्लाओं और काज़ियों ने भी मस्जिदों से यही संदेश प्रसारित किया है कि पहलगाम की घटना देश पर हुआ हमला है और इसका सबको मिलकर मुकाबला करना है। संतोष की बात यह है कि कुछ सिरफिरे संगठनों की उत्तेजनात्मक गतिविधियों के बावजूद मुस्लिम नागरिक उत्तेजित नहीं हुए हैं।

इस घटना के बहाने जो लोग हिंदू-मुसलमान में नफरत पैदा करना चाह रहे हैं, उन पर सरकार को देशद्रोह का मुकद्दमा चलाना चाहिए।

इस घटना से सबसे बड़ा नुकसान तो कश्मीरी जनता को हुआ है, जहां पर्यटक पिछले कुछ वर्षों से बहुत बड़ी संख्या में आ रहे थे। गत दो-तीन सालों से लगभग 2 करोड़ पर्यटक प्रति वर्ष कश्मीर जा रहे थे। इनसे राज्य को लगभग पचास हजार करोड़ों की आय होती है। इससे न केवल स्थानीय नागरिकों को रोजगार मिला, उनकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर हुई है। हमें लगभग दो वर्ष पूर्व कश्मीर जाने का अवसर मिला था तो मैने यह महसूस किया था कि चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल की उपस्थिति के कारण, पर्यटकों को सुरक्षा का पूरा अहसास होता था। यह समझ से परे है कि, किस प्रकार पहलगाम की बाई -सरण घाटी जैसे महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल पर, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक उपस्थित थे, वहां पर कोई सुरक्षा बल क्यों नहीं थे?

यह संभव है कि पाकिस्तान के साथ आने वाले समय में तनाव और बढ़े और सरकार की ओर से पाकिस्तान को माकूल जवाब दिया जाए। इन परिस्थितियों में देश के अंदर एक जुटता और शांति बने रहना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे समय में भारतीय मुसलमान को शंका की दृष्टि से देखने की कार्रवाई करना और उन्हें कश्मीर की घटना के साथ जोडकर देखना, देश के हित के विपरीत काम करने जैसा ही होगा। ऐसा करके हम पाकिस्तान की ही मदद करेंगे। जिस उद्देश्य से आतंकियों ने इस घटना को किया है, उसमें अप्रत्यक्ष रूप से सहायता ही करेंगे।

वर्तमान समय में सब भारतीय नागरिकों का दायित्व है कि वह हिंदू-मुस्लिम सौहार्द्र को बढ़ाने में अपना सहयोग करें, ताकि मुसलमानों में कतई अलगाव का भाव उत्पन्न ना हो। जब हम कश्मीरी छात्रों को अपनी संस्थाओं से वापस कश्मीर जाने की बात कहेंगे तो उनमें एक प्रकार से हम यह भाव जाने-अनजाने में बिठा देंगे कि कश्मीर भारत का भाग नहीं है। यही हमारी सबसे बड़ी गलती होगी।

दिल्ली से घूमने गए एक पर्यटक अमरेंद्र सिंह जो मूलतः बिहार के हैं, ने अपनी फेसबुक पोस्ट पर लिखा कि जब इस आतंकवादी घटना के कारण उन्हें एक ही दिन में यात्रा समाप्त कर लौटना पड़ रहा था तो, कैसे वहां के टैक्सी और होटल वालों ने, शेष समय की बुकिंग के बावजूद भी कोई पैसा नहीं लिया और उसे वापस लौटा दिया। जब उन्हें पैसा देने की जिद की गई तो उन्होंने साफ कहा कि "जब आप कश्मीर में घूम ही नहीं पाए, तो हमें आपसे पैसा लेने का कोई हक नहीं है"। इस प्रकार की भावना केवल अच्छे इंसान की ही हो सकती है न कि पर्यटन के माध्यम से केवल पैसा कमाने की भावना वाले व्यक्ति की। उल्लेखनीय है कि पहलगाम की त्रासदी के बाद वहां से लौटने वाले व्यक्तियों के लिए कुछ एयरलाइंस ने अपना किराया 10 गुणा तक बढ़ा दिया था।

जिस प्रकार के स्वचालित हथियार आतंकियों के पास थे और जितना समय उन्हें मिला था, उसे देखते हुए इस घटना में मरने वालों की संख्या बहुत अधिक हो सकती थी। ऐसे समय में स्थानीय व्यवसायियों ने जैसे भी संभव था, पर्यटकों को वहां से सुरक्षित निकालने में अपनी जान को जोखिम में डालकर सहयोग किया। इसकी पुष्टि करने वाले कई वीडियो सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं।

हमारा दायित्व यह बनता है कि किसी भी समूह या सामाजिक मंच पर यदि कोई व्यक्ति भारतीय मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाने वाली कोई बात करे या इस घटना को हिंदू-मुसलमान की घटना बताने का प्रयास करे, तो उसका डटकर विरोध करना चाहिए। हमें उनके समक्ष उन घटनाओं का जिक्र करना चाहिए जिनका उल्लेख ऊपर किया गया है। ऐसा करके हम देश के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन बेहतर तरीके से कर पाएंगे।

यह कहने की आवश्यकता नहीं कि देश की प्रगति तेज गति से तब ही संभव है जब देश में शांति हो और परस्पर विश्वास का वातावरण हो। शत्रु देश पाकिस्तान, अपने मंसूबों में कामयाब होता दिखेगा, यदि हमारे यहां के कुछ भ्रमित संगठन उनके जाल में फंसकर विभिन्न प्रकार के सोशल मीडिया के माध्यम से मुसलमानों के प्रति नफरत उत्पन्न करने का काम करेंगे।

उल्लेखनीय है कि सभी मुस्लिम संगठनों ने, यहां तक कि मुल्लाओं और काज़ियों ने भी मस्जिदों से यही संदेश प्रसारित किया है कि पहलगाम की घटना देश पर हुआ हमला है और इसका सबको मिलकर मुकाबला करना है। संतोष की बात यह है कि कुछ सिरफिरे संगठनों की उत्तेजनात्मक गतिविधियों के बावजूद मुस्लिम नागरिक उत्तेजित नहीं हुए हैं। वे यह समझते हैं कि बहुत ही कम लोग अपने स्वार्थ के कारण ऐसा कर रहे हैं।

हम सबको यह समझना होगा कि भारत का मुख्य शत्रु पाकिस्तान है न कि कश्मीरी या भारत के अन्य भागों में रहने वाले मुसलमान। यह भावना जाने-अनजाने भी उनके मन में न आए, यह सुनिश्चित करना हम सबका कर्तव्य है।

अब तो देश को यही प्रतीक्षा है कि सरकार किस प्रकार से पाकिस्तान की इस नापाक हरकत का मुंह तोड़ जवाब देती है। इसी सरकार ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनी इच्छा शक्ति के बल पर, पहले भी 2016 में उड़ी में सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में बालाकोट में एयर स्ट्राइक की थी।

छोटे-मोटे आर्थिक स्वार्थ को त्याग कर, हमें पाकिस्तान से सभी प्रकार के संबंध विच्छेद करने होंगे, चाहे वे खेलने के संबंध में हो अथवा व्यापार के। देश चाहता है कि आतंकवाद के जनक पाकिस्तान को इस बार अच्छी तरह सबक सिखा ही दिया जाय।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

देश को प्रगति पथ पर अग्रसर रहना है तो प्रथम अनिवार्य शर्तें हैं सामाजिक शांति-सद्भाव-सौहार्द्र व वैज्ञानिक सोच-शिक्षा

महावीर सिंह

हमारे देश के संविधान में अल्पसंख्यक शब्द का उल्लेख नही हुआ है। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 के अनुसार निम्न 6 समुदायों को धार्मिक अल्पसंख्यक माना है;–मुस्लिम, बौद्ध, जैन, ईसाई, सिख व पारसी। इसी कानून में, अल्पसंख्यकों की दूसरी पहचान मातृभाषा के आधार पर भाषाई अल्पसंख्यक के आधार पर बताई है।

संविधान का अनुच्छेद 30, धार्मिक व भाषाई अल्पसंख्यकों को अपनी इच्छानुसार शैक्षिक संस्थान बनाने व चलाने का अधिकार देता है। राज्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ भेदभाव नहीं कर सकता है। समानता के सिद्धांत के तहत सभी धर्म वालों को संरक्षण देने का दायित्व सरकारों का है।

सामान्यतया भारत में बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक आपस में अत्यंत सौहार्द्रपूर्ण माहौल में रहते है। एक-दूसरे से मिलते है, एक साथ त्योंहार-उत्सव मनाते है, बधाईयां देते है, गम के मौकों पर मिलते है। एक-दूसरे के साथ व्यापार व वित्तीय सम्बन्ध है। ईसाई, पारसी, बौद्धों के आपसी या बहुसंख्यकों के साथ टकराव के कोई मामले सुने ही नहीं जाते। सिखों व हिंदुओं में सामान्यतः टकराव के अवसर आते नहीं। 30,40 साल पहले, सिख व बहुसंख्यक समुदायों में टकराव की एक-दो अप्रिय घटनाएं हुई हैं। यदाकदा कुछ दिग्भर्मित लोग विदेशी उकसावों के कारण या आपराधिक कारणों से कुछ छोटे-मोटे तनाव के बिंदु पैदा कर देते है। सामान्यतः त्योहारों के अवसर पर बहुत छोटी-छोटी बातों को लेकर दोनों ओर के उग्र स्वभाव वाले लोग, अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए तनाव की स्थिति बनाते है। धार्मिक जुलूस, मूर्ति विसर्जन-ताजियों-पैगम्बर साहब के जन्म दिन आदि के जुलूस, किस रास्ते से जाएगा इसे प्रतिष्ठा का बिंदु बनाया जाता है। तनाव पैदा करने वालों द्वारा अपनाए जाने वाले कुछ ओर नुस्खे -- कोई अपवित्र वस्तु मंदिर मस्जिद में डाल कर या केवल अफवाह फैलाकर, किसी अन्य समुदाय के पवित्र माने जाने वाले पशु की कुर्बानी की अफवाह फैलाकर, किसी धार्मिक किताब को अपवित्र करना-बेअदबी करना-उसके पन्ने फ़ाड़ कर सड़कों पर बिखेरना आदि। यह काम दोनों तरफ के विघ्न सन्तोषी लोग करते है।

मंदिर-मस्जिद के सामने अनावश्यक अधिक ठहराव, अत्यधिक शोर के साथ ढोल नगाड़े बजाना, अजान के लिए जोर से लाउडस्पीकर बजाना या न बजाने देने का दुराग्रह, आपत्तिजनक नारे लगाना, अभद्र तरीके से नाचना, किसी ऐसे तंग रास्ते से जुलूस निकालने की हठ धर्मिता करना जहां अप्रिय घटना को कंट्रोल करने में कठिनाई हो आदि से भी तनाव पैदा होता है जो कभी भी बड़ा रूप ले सकते है।

गौ हत्या तनाव का अन्य अनावश्यक मुख्य मुद्दा। धर्मस्थलों के पुरातन व वर्तमानं मालिकाना हकों के विवाद भी हिंदू और मुसलमानों के बीच संवेदनशील व तनाव का कारण बनते है। धार्मिक मठाधीशों व क्षुद्र मानसिकता के नेताओ की सांप्रदायिक उन्माद और भड़काऊ बयानबाजी के कारण भी त्योहारों व अन्य अवसरों पर तनाव पैदा होरा है। निहित स्वार्थों वाले लोगों द्वारा, आम आदमी को कई तरह के प्रलोभनों से उकसा कर लोगों द्वारा दंगे करवाए जाते हैं। हिन्दू हो या मुसलमान दोनों ओर कुछ लोग रात और दिन ऐसे नारे, सम्बोधन शब्द गढ़ने में लगे रहते है जिन से सामाजिक शांति को पलीता लगता रहे --भारत माता की जय या जय श्रीराम बुलवाकर किसी का देश प्रेम जांचना, बात-बात पर रामजादे-हराम जादे, पाकिस्तान चले जाओ, इनसे मत खरीदो, उनसे खरीदो, वो कलमा पढ़वाकर कर पहचान करते है तो तुम हनुमान चालीसा पढ़वा कर टेस्ट लो, इत्यादि अवांछित जुमले बोलना, बुलवान। इस्लाम धर्म की किताबों में स्त्रियों का समान करने के उल्लेख है किंतु हिंदु देवियों जैसा स्तुति वाला स्थान नहीं है। हम क्यों किसी के राष्ट्र प्रेम की जांच भारत माता की जय या जय श्री राम बुलवाकर ही करें? जय भारत, जय हिंदुस्तान भी तो बोला जाता है।

कुछ सच्चे-झूठे, स्वघोषित व्याख्याकार लोग स्त्रियों के कपड़ों, आने-जाने, लोगों से मिलने-जुलने आदि पर पाबंदियों के फतवे जारी करते है कुछ लोगों को हिजाब को ही मुद्दा बनाने में आनन्द आता है, वोट के लिए? कुछ जगह जहां कानूनी दायरे में व्यक्ति की पहचान जरूरी वहां हिजाब हटाना जरूरी है, यह मुसलमानों को भी समझना होगा।

समुदाय, धर्म के आधार स्त्रियों पर अनावश्यक पुरातन पाबंदियां लगाने का प्रयास करते है उन देशों को आर्थिक रूप से मूल्य चुकाना पड़ता है। उन देशों की स्त्रियों का वहां की अर्थ व्यवस्था, विज्ञान व तकनिकी प्रगति में उनकी संख्यानुसार के अनुसार पर्याप्त योगदान नही दे पाती है।

क्या स्त्रियों के सम्बंध में इस प्रकार के प्रतिगामी निर्णय जैसे कि किसी भी समुदाय की लड़कियां -स्त्रियां क्या पहनें, कितने बच्चे पैदा करे आदि तय करने का अधिकार राज्य व धार्मिक मठाधीशों द्वारा तय किया जाएगा या उनके द्वारा पोषित कुछ सेनाओं, गुंडा तत्वों द्वारा किया जाएगा?

धार्मिक जुलूसों के रूट्स को तय कर पालना करवाना, जिन लोगों से शांति भंग करने की आशंका हो उन्हें चिन्हित कर शांति कायम रखने के लिए पाबंद करना और इन को कड़ाई से लागू करने, अफवाहें फैलाने वालों पर कठोर कानूनी प्रावधानों का उपयोग करने व हर हालत में शांत कायम रखने का कर्तव्य स्थानीय प्रशासन का होता है। उन्हें यह कार्य बिना किसी प्रकार के बड़े से बड़े बाहरी या भीतरी दबाव के करना चाहिए। कई दफा असक्षम व सिफरसी अधिकारी बाहरी हस्तक्षेप के सामने झुक जाते है और तनाव की, दंगों की स्थितियां उतपन्न हो जाती है।

भारत के मुसलमान उतने ही देश प्रेमी हैं जितने दूसरे भारत के नागरिक है। किसी एक नागरिक को दूसरे नागरिक के देशप्रेम की जांच का अधिकार नहीं। भारतीय मुसलमानों के पास आजादी के समय भारत या पाकिस्तान चुनने का अधिकार था। यह लोगों को यहां, अपनी जड़ों-परिवेश-भाई चारे के सौहार्द्रपूर्ण माहौल से प्रेम करते थे और सँविधान में दिए संरक्षण के आश्वासनों के कारण ही इन्होंने भारत को अपना देश चुना था। भारत में हिंदुओं और मुसलमानों की धार्मिक और सांस्कृतिक आस्थाएं, मान्यताएं, मूल्य अलग अलग है और यह मतभेदों का प्रमुख मुद्दा है। दोनों समुदायों के अग्रणी लोग अपनी सुविधानुसार व हितों के अनुसार अलग दृष्टिकोण और व्याख्याएं करते है।

हिन्दू धर्म में किसी एक ही व्याख्या पर आग्रह या दुराग्रह की भावना, स्थान नहीं है। यहां ईश्वरतवः प्राप्ति का, एक ही और यही एक मार्ग है ऐसा भाव कभी रहा ही नही। हिन्दू धर्म अत्यन्त प्राचीन धर्म है। इसमें, अनेक व्याख्याओं पर बहु पक्षो के तर्क-वितर्क चलते रहे है और अब भी चल रहते है। अनेक व्याख्याओं को स्वीकार किया जाता रहा है। इस्लाम धर्मावलंबियों को धर्मग्रन्थों के सम्बंध में इस प्रकार की सद्भाव वाली बहु व्याख्या भावना विकसित करनी होगी। धार्मिक गन्थों की व्याख्या उल्लेमाओं के सीमित समूह के अतिरिक्त भी लोग कर सकें, यह भाव विकसित करना होगा। शायद भारतीय इस्लाम में अभी तक, इस की कमी रही है।

इस्लाम में आस्था रखने वाले बुद्धजीवियों, कलाकारों, लेखकों को कुरान, हदीस आदि की, शास्त्रों के अनुरुप किन्तु प्रचलित व्याख्याओं से भिन्न प्रकार से व्याख्या करने का खुला, भयरहित वातावरण नहीं मिलता जो मिलना चाहिए। सामान्य मुसलमान को भिन्न-भिन्न व्याख्याएं पढ़ना और उन पर खुली बहसें करने के अवसर मिलने चाहिए जो वर्तमान में सुनना दुर्लभ सा है। कोई हिम्मत करता भी है तो उसे अनेक भय दिखाकर चुप करा दिया जाता है। इस्लाम मानने वालों को और मुख्यतः बुद्धिजीवियों, कलाकारों, विद्यार्थियों, समाज चिंतकों के द्वारा उग्रवादियों, आतंकवादियों का पुरजोर तरीके से, हर सम्भव प्रकार से खुलकर विरोध करना चाहिए, चाहे 5,5,10,10 के समूह ही क्यों न हो। मीडिया को भी ऐसे समूहों को तरजीह देनी चाहिए, जिसका वर्तमान में अत्यंत अभाव दिखता है।

हिन्दू उग्रवादियों संगठनों से भी अपेक्षा है कि वे समझें कि 20 करोड़ मुस्लिम भी उतने ही अच्छे है जितने दूसरे हिंदुस्तानी नागरिक है। भारत का संविधान, किसी अतिवादी संगठन को उनके देश प्रेम पर अंगुली उठाने की अनुमति नहीं देता है। मुठ्ठीभर दिग्भर्मित उग्रवादी लोग मुस्लिमों में भी मिलते है तो हिंदुओं में भी मिल जाते है जो बार-बार एक फुसरे पर संदेह वाले ताने कसते है- नारे लगाते है, मोब्लिंचिंग करते है। हिन्दू कट्टरपंथी-उग्रवादी संगठन मुसलमानों को विभिन्न प्रकार से द्वितीय श्रेणी के नागरिक होने का एहसास करवाने का पुरजोर प्रयास करते रहते हैं। यह सब ऐसे कृत्य है जो समाज को अपरिवर्तनिय तरीके से विभाजित करते है। यह अत्यंत घातक हो सकते है।

आम नागरिक की तो, नई-पुरानी सभी सरकारों से यह अपेक्षा रही है कि देश सँविधान के अनुसार चले। किसी धार्मिक सम्प्रदाय के पूर्णतः धार्मिक मसलों में सरकारें पक्ष लेती या कोई दुराग्रह आधारित कार्य करते नहीं दिखनी चाहिए। अतिवादी संगठन चाहे मुस्लिमों के हों, चाहे हिंदुओं के उनसे बराबर की सख्ती से निपटना चाहिए। यह सरकार का काम नहीं है कि किसी धर्म विशेष के जुलूसों पर फूल वर्षाए या कोई विशेष रियायतें दें।

सरकारों से एक, दो प्रश्न भी--जो मंत्री लोग, जो पार्टियों के बड़े पदाधिकारी आए दिन हिन्दू-मुसलमान के नाम पर भ्रामक बयान देते हैं, उनको अपने पदों पर क्यों बनाए रखा जाता है?

एक पूर्व राजनयिक के विचार सुने, उनका यहां उल्लेख आवश्य करूंगा--- पाकिस्तान तो भारतीय समाज में हिन्दू-मुसलमान में विभाजित करना ही चाहता है किंतु भारतीय टीवी चैनल्स, कुछ अतिवादी घटिया राजनेताओं व धर्मों के स्वघोषित व निहित स्वार्थ वाले मठाधीशों की बेसिर-पैर की उलूल-जुलूल बातों पर अवांछित डिबेट चलाते रहते है। यह अपरोक्ष रूप से पाकिस्तान के पक्ष का एजेंडा बन जाता है। बहुत से विद्वानों के अनुसार हमारे टीवी चैनल्स पर बहुत सी बार पाकिस्तान को लेकर निरर्थक बहस चलाई जाती है। ऐसे बहस की जाती है मानो जो कुछ सरकार को नही मालूम वह इन्हें पता है। देशों के बीच के मसलों का फैसला टीवी बहसों से नहीं होता।

अंत में पहलगांव हिंसा के बाद पूरे देश में हो रहे विरोध प्रदर्शनों में कुछ अत्यंत शुभ संकेत भी उभरे है। 25 अप्रेल 2025 को जुम्मे की नवाज के बाद अनेक स्थानों पर मुस्लिम भाईयों ने पाकिस्तान की नापाक हरकत का काली पट्टी बांधकर खुलकर विरोध किया। इन प्रदर्शनों में कई नामचीन मुस्लिम पॉलिटिशियन्स भी देखे गए। शुभ अतिशुभ संकेत। यह सिलसिला थमना नही चाहिए। आपसी समझ, संवाद, सहयोग से ही दोनों समुदायों के बीच शांति और सौहार्द बढ़ेगा। सँविधान में अधिकार है तो धारा 51 में नागरिकों के कर्तव्य भी उल्लेखित है। दोनों पर समान रूप से विचार होगा तो शांति-सद्भाव कायम रहेगा। आतंकवादी, उग्रवादी किसी भी धर्म के हों, बिना भेद भाव के सख्ती से निपटना ही सही रास्ता होगा।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

नोखा कस्बे में पेयजल संकट गहराया, पानी सप्लाई व्यवस्था चरमराई

निजी ट्यूबवेल मालिकों ने पानी टैंकर की कीमतें दोगुनी कर दी, स्थानीय लोगों ने रोष जताया

■ सर्व समाज संघर्ष समिति ने प्रदर्शन कर एसडीएम के माध्यम से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

नोखा, (निसं)। नोखा कस्बे में पेयजल संकट गहरा गया है। जलदाय विभाग की पानी सप्लाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। इस कारण लोगों को निजी टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। हाल ही में निजी ट्यूबवेल मालिकों ने पानी टैंकर की कीमतें दोगुनी कर दी हैं। पहले जहां एक टैंकर 250-300 रुपए में मिलता था, वहीं अब इसकी कीमत 500-600 रुपए हो गई है। इस मुद्दे को लेकर सर्व समाज संघर्ष समिति ने प्रदर्शन किया। समिति ने एसडीएम के माध्यम से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

यह मामला नगरपालिका के एक नोटिस से जुड़ा है। कुछ दिन पहले नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी ने एसडीएम के मौखिक आदेश पर निजी ट्यूबवेल मालिकों को नोटिस जारी किए थे। मगर तीन दिन बाद ही प्रशासन ने इन नोटिस को स्थगित कर दिया। इसके बाद ट्यूबवेल मालिकों ने टैंकर की कीमतें बढ़ा दी। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि अधिकतर निजी ट्यूबवेल सरकारी मानकों को पूरा नहीं करते। न तो ड्राइवरों के पास लाइसेंस है और न ही वाहनों का बीमा या फिटनेस सर्टिफिकेट है। इससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। गर्मी के मौसम में जहां सरकार गरीब परिवारों को मुफ्त पेयजल टैंकर उपलब्ध कराती है, वहीं नोखा में लोगों को महंगे दामों पर पानी खरीदना पड़ रहा है। कंटीजेंसी प्लान में आवंटित बजट का भी पेयजल के लिए कोई उपयोग नहीं हो रहा है।

ज्ञापन में मांग की है कि इस भीषण गर्मी के मौसम में निजी पेयजल ट्यूबवेल संचालकों द्वारा बढोतरी की गई दरें जल्द से जल्द कम व वाजिब दर निर्धारित किए जाने हेतु पाबन्द किया जाए। सभी निजी पेयजल टैंकरों के ड्राइवरों के ड्राइविंग लाईसेंस सहित संबंधित समस्त कागजातों की पूर्ण जांच करवाई जाए और निजी ट्यूबवेल के लिए निर्धारित सभी मापदण्डों की पालना करवाई जाए। नोखा कस्बे के प्रत्येक गरीब परिवार के लिए निशुल्क पेजयल पानी टैंकर की समुचित व्यवस्था करवाई जाए। जलदाय विभाग में लम्बे समय से हो रहे भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए और सालों से जमे बैठे ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड किया जाए और नोखा शहर क्षेत्र में नियमित पेयजल सप्लाई हेतु कार्मिकों की लॉगबुक का निरीक्षण कर पानी सप्लाई बरती जा रही अनियमितताओं के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में बताया कि हमारी चार सूत्री मांगों पर सहानुभूति पूर्वक एक सप्ताह के भीतर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करवाएं, अन्यथा मजबूरन हमें जन आन्दोलन, अनिश्चितकालीन धरना एवं प्रदर्शन करने को मजबूर होना पड़ेगा।

चौतीना कुआं के हर घर में उल्टी-दस्त के रोगी

■ घरों में लोग पानी की टंकी का पानी दिखा रहे हैं, जिसमें झाग ही झाग दिख रहा है, यही पानी लोग पीने को मजबूर हैं

बीकानेर, (निसं)। नहरबंदी के बीच अब गंदे पानी की शिकायतें बढ़ने लगी हैं। बदबूदार पानी और उसमें पीलापन आ रहा है। चौतीना कुआं में ये समस्या लंबे समय से बनी हुई है। पहले खुलासा हुआ था कि सांखला फाटक के पास एक नाले से लाइन लीकेज है, जो नाले से होकर आ रही है। ठीक किया मगर अब वापस पानी गंदा आ रहा है।

दो दिन से मोहल्लेवासियों ने एईएन को बुलाया, मगर टीम मौके पर ही नहीं गई। चौतीना कुआं के हर घर में उल्टी, दस्त और पेट में ऐंठन की शिकायतें सामने आ रही है। घरों में लोग पानी की टंकी का पानी दिखा रहे हैं जिसमें झाग ही झाग दिख रहा है। यही पानी लोग पीने को मजबूर हैं। ये समस्या कई महीने पुरानी है। तमाम शिकायतों के बाद जलदाय विभाग जागा और सामने आया कि सांखला फाटक से कुछ दूरी पर एक नाले से पाइप लाइन गुजर रही है। लाइन में लीकेज था इसलिए नाले का गंदा पानी लोगों के घरों तक पहुंच रहा था। जब लोगों ने हल्ला मचाया तो सच्चाई सामने आई। अब वापस वही हालात हो गए। ऊपर से पीएचईडी पर सप्लाई करने का दबाव है तो वहां भी से कुछ पानी ठीक नहीं आ रहा। ऐसे में अस्पतालों में पेट दर्द, उल्टी दस्त के रोगी पहुंच रहे हैं। कायदे से अब तक विभाग एक दिन छोड़कर जलापूर्ति कर रहा है तो पानी अच्छे से फिल्टर होना चाहिए।

निवर्तमान पार्षद आनंद सिंह सोढ़ा का कहना है कि तीन दिन से चौतीना कुआं में लोग बेहाल हैं। पीएचईडी के एईएन रवि चौधरी को तीन दिन से मौके पर बुला रहे हैं, मगर वे आज की कल कर रहे हैं। लगता है अब दफ्तर पर ताला ही डालना पड़ेगा। लोग मर रहे हैं और अभियंताओं को मौका मुआयना करने की फुर्सत ही नहीं। वैसे ही लोग कटौती शुरू होने से दुखी हैं। ऊपर से गंदा पानी सप्लाई हो रहा है। यहां जेलवेल टंकी से सप्लाई होती है।

राशिफल मंगलवार 29 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, कृत्तिका नक्षत्र सायं 6:47 तक, सौभाग्य योग दिन 3:53 तक, बालव करण प्रातः 7:21 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से सायं 5:32 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सायं 6:47 तक रहेगा। आज चन्द्र दर्शन दक्षिण श्रृंगोन्नति, शिवाजी जयन्ती, श्री परशुराम जयन्ती है। आज अगस्तस्य अस्त रात्रि 10:26 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:09 से 10:47 तक, लाभ अमृत 10:47 से 2:02 तक, शुभ 3:39 से 5:17 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 6:54

मेष
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना बनेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में संदेश प्राप्त होंगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

सार-समाचार

ट्रक की टक्कर से दो युवकों की मौत

करौली, (निसं)। करौली-हिंडौन सड़क मार्ग स्थित पांचना पुल पर ट्रक कि टक्कर से मोटरसाईकिल सवार दो युवकों कि मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने घटनास्थल पर प्रदर्शन किया। इससे सड़क पर वाहनों कि लंबी कतारें लग गई। बिरवास गांव के समय सिंह जाटव और सोनू सिंह राजपूत करौली कि ओर आ रहे थे। तेज रफ्तार ट्रक हिण्डौन की ओर जा रहा था। पांचना पुल पर ट्रक ने मोटरसाईकिल को टक्कर मार दी। हादसे कि सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुँचे। समय सिंह को करौली अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोनू सिंह के शव को लेकर परिजनों और ग्रामीणों ने देर रात्रि को घटनास्थल पर पहुंचे और प्रदर्शन किया। इससे सड़क पर वाहनों कि लंबी कतार लग गई। उपजिला कलेक्टर प्रेमराज मीना ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इसमें मृतकों के परिजनों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता, एक परिजन को सरकारी नौकरी और आरोपी ट्रक ड्राइवर की गिरफ्तारी की मांग कि। प्रशासन ने मांगों को उच्च स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया है। पुलिस ने दोनों के शवों का रविवार को प्रात पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेकर मामले कि जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

करौली, (निसं)। करौली में रविवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। गंगापुर मार्ग स्थित डफलपुर मोड़ पर एक बेकाबू ट्रैक्टर ने पैदल जा रहे राहुल बैरवा को टक्कर मार दी। हादसे में पानी के टैंकर सहित ट्रैक्टर पलट गया। ट्रैक्टर पर सवार राज बैरवा भी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को करौली जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने राहुल को मृत घोषित कर दिया। राज की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जयपुर रेफर किया गया।जानकारी में सामने आया कि कुड़गांव निवासी राहुल पुत्र मीठालाल बैरवा अपने खेत की ओर जा रहा था तभी हादसा हो गया। पुलिस ने रात्रि को शव को पोस्टमार्टम कक्ष मे रखवाकर सोमवार प्रातः पोस्टमॉर्टम की कार्यवाही कराई। कुड़गांव थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना से परिजनों और ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

आशीष का चयन, किया स्वागत

हिण्डौन सिटी, (निसं)। समीपवर्ती गांव गढ़ी पट्टी के मूल निवासी आशीष जगरबाड़ के भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन होने पर क्षेत्र में हर्ष और उल्लास की लहर दौड़ गई। पहली बार गांव लौटने पर फैलीपुरा, टोडूपुरा, कटकड़ मोड़, गुर्जर गांवड़ा, गांवड़ा मीना और गढ़ी पट्टी में पंच-पटेलों ने साफा व माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। राष्ट्रीय आदिवासी मीना महासभा के प्रदेश प्रवक्ता हेमराज जगरबाड़ ने बताया कि आशीष ने दिल्ली से आईआईटी की पढ़ाई पूरी की और तुरंत अमेरिकी कंपनी क्वालकॉम, नोएडा में एसोसिएट इंजीनियर के रूप में प्लेसमेंट हासिल किया। नौकरी के दौरान केवल दो महीने की तैयारी के लिए समय निकालकर, दिन में तीन-तीन घंटे पढ़ाई कर, मात्र 22 वर्ष की आयु में पहले ही प्रयास में यूपीएससी परीक्षा पास कर बनने का गौरव हासिल किया। आशीष के पिता उत्तम सिंह, उत्तम क्लासेस, जयपुर के डायरेक्टर हैं। वे अट्ठाईसा क्षेत्र से पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने साक्षात्कार तक का सफर तय किया, लेकिन चयन नहीं हो सका। उन्होंने राजस्थान प्रशासनिक सेवा में सहकारी पद पर दो वर्ष तक नौकरी की, फिर कोचिंग संस्थान शुरू किया। आशीष ने अपने पिता के अधूरे सपने को साकार किया। उनकी मां उर्मिला देवी गृहिणी हैं, जबकि बहन संजना जगरबाड़ इंजीनियर हैं।आशीष की इस उपलब्धि से क्षेत्र की युवा प्रतिभाओं को प्रेरणा मिली है। उनकी सफलता ने साबित कर दिया कि कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

पहलगाम शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। भारत विकास परिषद की स्थानीय शाखा की ओर से कस्बे के गंगाजी गोला स्थित आदर्श विद्या मंदिर परिसर में पहलगाम आंतकी हमले में शहीद हुए निर्दोष पर्यटकों को श्रद्घांजलि दी गई।शाखा संयोजक संस्कार रोहित सिंघल ने जानकारी देते हुए बताया कि शाखा की ओर से गंगाजी गोला स्थित आदर्श विद्या मंदिर परिसर में श्रद्घांजलि सभा की गई। सभा में पहलगाम आंतकी हमले में शहीद हुए निर्दोष पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई, जिसमें गायत्री मंत्र का पाठ कर शहीद हुए पर्यटकों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष मनीष मित्तल ने इस घटना की कडी निन्दा करते हुए कहा कि शाखा भुसावर इस आंतकी हमलें में शहीद हुए पर्यटकों की दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करता है और उनके परिजनों को इस दुख की घडी में सांत्वना व्यक्त करता है। इस मौंके पर प्रांतीय प्रकल्प प्रभारी अंशु मित्तल, शाखा अध्यक्ष मनीष मित्तल, सचिव डा. विजय पहाडिया, कोषाध्यक्ष राजेश गोयल, हेमन्त पाण्डेय, ताराचंद गोयल, दिलीप सिंघल, अमित सिंघल, रवि सिंघल, आदि मौजूद रहे।

गिव अप अभियान की समीक्षा की

भुसावर/भरतपुर, (निसं)।उपखण्ड भुसावर क्षेत्र में संचालित उचित मूल्य की दुकानों का प्रवर्तन निरीक्षक विजय कुमार मीणा द्वारा निरीक्षण किया गया। जहां राजस्थान सरकार द्वारा चलाये जा रहे गिव अप अभियान को लेकर समीक्षा की गई। प्रवर्तन निरीक्षक विजय कुमार मीणा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा से नाम हटवाने के लिए गिव अप अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत भरतपुर जिले में जिला रसद अधिकारी पवन अठावाल के नेतृत्व में सैकडों अपात्र परिवारों को नोटिस जारी किए गए हैं जिनसे अब वसूली की जाएगी। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरन्तर वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि अन्तिम पंक्ति में खड़े लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाए ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सके। खाद्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत अपात्र परिवारों को अपना नाम स्वेच्छा से हटाने के लिए गिव अप अभियान प्रारम्भ किया गया है।

प्रधानाचार्यों की बैठक

भरतपुर, (निसं)। डॉ यशपाल - उर्मिलेश आर्य आदर्श विद्या मन्दिर बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जवाहर नगर में आदर्श विद्या मन्दिर समिति भरतपुर द्वारा संचालित आदर्श विद्या मन्दिरों के प्रधानाचार्यों की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें 26 प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। बैठक में विद्या भारती राजस्थान के संगठन मंत्री गोविन्द कुमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिशु वाटिका के महत्व पर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विद्या भारती संस्थान जयपुर के प्रान्त निरीक्षक अरुण कुमार दुबे, आदर्श विद्या मन्दिर समिति भरतपुर के अध्यक्ष डॉ योगेन्द्र भानु व्यवस्थापक मल्ल सिंह, कोषाध्यक्ष अमित कुमार अठावाल जिला सचिव सन्तोष कुमार कटारा ने संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ यशपाल - उर्मिलेश आर्य आदर्श विद्या मन्दिर बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जवाहर नगर भरतपुर उप समिति के अध्यक्ष हेमराज गोयल जिला संस्कार केन्द्र प्रमुख चैतन्य प्रकाश अठावाल जिला कार्यालय सचिव कृष्ण कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपा

भरतपुर, (निसं)। समता आंदोलन भरतपुर की ओर से संभागीय आयुक्त को प्रधानमंत्री के नाम पहलगांव कश्मीर में आतंकियों द्वारा निरपराध पर्यटकों की हत्या किए जाने के विरोध में ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में मांग की गई कि आतंकियों के विरुद्ध सख्त से सख्त करवाई की जावे एवं आतंकवादियों की जननी पाकिस्तान की सर जमीन को समाप्त किया जाए। हम समतावादी लोग इस दुख की घड़ी में देश के साथ खड़े हैं एवं जिन परिवारों ने अपने परिजनों को खोया है उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। संकट की इस घड़ी में हम समतावादी आपके द्वारा इस आतंकवादी व उसको सहारा देने वाली शक्तियों के विरुद्ध उठाए गए प्रत्येक प्रयास के लिए आपके साथ हैं। कृपया संपूर्ण राष्ट्र की आकांक्षा वआदर का ध्यान रखते इंतजार ना करें। चिंता व चेतावनी से बढ़कर आपके द्वारा आतंकवाद को मिट्टी में मिलाने का हम पूर्ण समर्थन करते हैं। हर इंसान एक समान एक, एक राष्ट्र एक जान ,मेरा भारत महान" के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समर्पित आंदोलन का प्रत्येक समतावादी तन मन धन से भारत राष्ट्र को समर्पित है। इस अवसर पर समता आंदोलन के संभागीय अध्यक्ष हेमराज गोयल, संभागीय शैक्षिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, जिला अध्यक्ष केदारनाथ पाराशर ,शहर अध्यक्ष सुनील बंसल ,कौशलेश शर्मा,अशोक कुमार शर्मा सारस ,बालकृष्ण बंसल वार्ड अध्यक्ष, दुष्यंत पाराशर, अनिल कुमार भारद्वाज, देवेंद्र मोहन तिवारी ,हरिओम हरि, मुरारी लाल शर्मा,ईश्वरी प्रसाद प्रसाद शर्मा, कौशलेश शर्मा ,परशुराम शर्मा आदि अनेक समतावादी समता आंदोलन के सदस्य मौजूद रहे

सोशल मीडिया पर अभियान चलाकर जुटाया सहयोग

हिण्डौन सिटी, (निसं)। करौली विधानसभा की ग्राम पंचायत खीप का पुरा की ढाणी सावरे का पुरा में विगत दिनों अज्ञात कारणों से आग लग जाने के कारण कई घर जल गये थे। जिनका रहने,खाने-पीने,ओढ़ने-बिछाने एवं दैनिक उपयोग में काम आने वाली सामग्री सहित अन्य सामान जल गया था। जिसकी सूचना लगते ही करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने 2 लाख 50 हजार एवं खीप का पुरा सरपंच बबलू जाटव ने एक लाख रुपये ग्रामीणों को सहायता राशि दी गई ।

सामाजिक कार्यकर्ता मदन मोहन भास्कर ने जानकारी देते हुआ बताया कि नुक़सान ज़्यादा होने की स्तिथि

- **2 लाख 27 हजार रुपये एवं 27 क्विंटल गेहूं ग्रामीणों को किये सुपुर्द**

सोशल मीडिया पर अभियान चलाकर सहयोग जुटाया।

देखकर सोशल मीडिया पर अभियान चलाने की हुई जिसमें जन सहयोग से 2 लाख 27 हजार रुपये एवं 27 क्विंटल गेहूँ एकत्रित किये गये।पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी तारा चंद जाटव ने बताया कि सर्व समाज के सहयोग से सहयोगकर्ताओं, दानदाताओं और भामाशाहों के सहयोग से जो रुपये और अनाज जुटाया गया उसे पाँच सदस्यीय कमेटी का गठन कर उनको सुपुर्द कर दिया गया । प्रशासन द्वारा बनाई गई फर्द रिपोर्ट के अनुसार जिसका जितना नुक़सान हुआ उसी के अनुसार उसे सहयोग राशि और अनाज का वितरण स्थानीय ग्रामीणों की कमेटी के द्वारा किया जायेगा।सोशल मीडिया पर अभियान चलाकर सहयोग प्राप्त करने में डॉ. अंबेडकर सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति गंगापुर के अध्यक्ष मदन मोहन जाटव एवं उनकी समस्त टीम, डॉ. अम्बेडकर जयंती समिति मिल्कीपुरा, रारोदिया का पुरा, शेरपुर सरपंच लाखन सिंह जाटव, ताराचंद जाटव, सतीश कुमार जाटव सहायक राजस्व लेखा अधिकारी, गोपाल फोजी,मदन मोहन भास्कर, रिंकू जाटव खेड़ी हैवत, देशराज आदि का विशेष योगदान रहा। इसी गांव की बेटी की 30 अप्रैल की शादी थी जिसमें शादी का पूरा सामान जल जाने के कारण बहुत परेशान था। जिसे देखकर एम वी स्टोर के मालिक छल्लेश्वर हिंडोनिया ने शादी के लिए सम्पूर्ण राशन सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई गइ।

सहयोग करने वाले रामबाबू ठेकेदार, रामप्रसाद ठेकेदार करसौली, हट्टीराम ठेकेदार,धर्म सिंह ठेकेदार बनकी, छल्लेश्वर हिंडोनिया, अश्वनी पार्षद, गोपाल फोजी, अमरसिंह ठेकेदार साई मोटर्स धंधावली, मेघसिंह ठेकेदार आलावाड़ा, शेरपुर सरपंच लाखन सिंह जाटव, खेमसिंह ठेकेदार, ओमप्रकाश करसोलिया, डॉ. अंबेडकर सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति गंगापुर सिटी, डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह समिति मिल्कीपुरा, रारोदिया का पुरा सहित दो सौ से ज़्यादा लोगों ने सहायता की। सभी सहयोगव कर्ताओं, दान दाताओं,भामाशाहों की ग्रामीणों और सर्व समाज के लोगों ने सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

ज्ञापन सौंपा

करौली, (निसं)। दलित महिला चिकित्सक को न्याय दिलाने की मांग को लेकर सर्व समाज के लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन पे'ाकर चिकित्सक पर हो रहे अत्याचार के दोषियो के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की।

सामाजिक कार्यकर्ता भूरसिंह चैधरी, विपिन शर्मा,पूर्व पार्षद राजेन्द्र सारस्वत, ललित हरदैनिया, फूलचंद जाटव,सुरेश मिस्त्री के साथ कई अन्य लोगो ने जिला कलक्टर को ज्ञापन सौपकर बताया कि डॉ. वंदना पिछले तीन वर्षो से रोधई सीएससी पर कार्यरत है जिसको सीएमएचओ कार्यालय का लिपिक ईमरान खान द्वारा वदनियती से उसे हर तरह से प्रताडित किया जा रहा है चिकित्सक द्वारा पूर्व मे भी जिला कलेक्टर को लिखित में शिकायत प्रस्तुत कि गई कार्यवाही के भय से एलडीसी को बचाते हुए सीएमएचओ डॉ. दिने'ा मीणा द्वारा जॉच कमेटी आने से पूर्व उन्हे एपीओ कर दिया है उन्होने बताया कि महिला चिकित्सक इतनी मजबूर है कि या तो चिकित्सक इनकी मं'ाा को पूरी करे अन्यथा उनसे प्रताडित होकर आत्महत्या जैसी परिस्थिति सामने ला दी है उन्होने कहा कि मुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधिकारी का भी आतंक पूरी तरह से फैला हुआ है जिनकी कोई शिकायत करने तक को तैयार नही है।

तीन सदस्यीय राज्य स्तरीय जांच टीम करौली पहुंची

करौली, (निसं) एक महिला चिकित्सक से सुविधा शुल्क लेने और अस्मत मांगने सहित प्रताड़ित करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है जिस मामले की एक ओर तो राज्य स्तरीय गठित तीन सदस्सीय टीम करौली पहुंचकर जांच कर रही है तो दूसरी ओर शहर के सामाजिक लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर दलित महिला चिकित्सक पर हो रहे अत्याचार के दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है।

ज्ञात रहे की करौली जिले के मंडरायल उपखंड क्षेत्र के रोधई सीएचसी पर कार्यरत दलित महिला चिकित्सक ने गत दिनो करौली जिला कलेक्टर एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग भरतपुर के संयुक्त निदेशक को लिखित में शिकायती पत्र के माध्यम से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश मीणा एवं एक लिपिक ईमरान खान पर अनर्गल परेशान करने और प्रताड़ित करने एवं सुविधा शुल्क मांगने के अलावा अस्मत मांगने की जानकारी दी गई जिस महिला चिकित्सक का शिकायती पत्र फेसबुक और सोशल मीडिया पर वायरल होने से मामला ओर गंभीर बन गया जिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला चिकित्सा संघ के अध्यक्ष डॉ बी एल मीणा की अध्यक्षता में रविवार को सामान्य चिकित्सालय मे बैठक आयोजित हुई थी जिस बैठक में सीएमएचओ डॉक्टर दिनेश चंद मीणा भी उपस्थित थे जिनसे चिकित्सा संघ अध्यक्ष सहित पदाधिकारीयो, चिकित्सकों ने मामले से अवगत कराते हुए कार्यवाही की मांग की गई जिस सूचना पर सीएमएचओ ने तुरंत कार्यवाही करते हुए कार्यालय के ईमरान खान और राहुल मीणा को एपीओ करते हुए निदेशक कार्यालय के लिए कार्य मुक्त भी कर दिया इस मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य स्तरीय तीन सदस्सीय कमेटी बुधवार को करौली पहुंची इस कमेटी में निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के आदेश पर मुख्यमंत्री निशुल्क दवाई योजना के नोडल अधिकारी डॉ रामबाबू जायसवाल, एनएचएम मुख्यालय कीएसएनओ डॉक्टर किरण नागपाल, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं कोटा जॉन संयुक्त निदेशक डॉक्टर एमपी सिंह शामिल है जांच दल के डॉक्टर रामबाबू जायसवाल से मोबाइल पर हुई वार्ता में उन्होंने कहा कि रोधई सीएससी पहुंचकर शिकायतकर्ता महिला चिकित्सक सहित स्टाफ के बयान लिए गए हैं।

इसके अलावा मंडरायल अस्पताल के चिकित्सकों के भी बयान लिए गए इसके बाद दोपहर करौली सीएमएचओ कार्यालय पहुंचकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित लिपिक ईमरान खान एवं राहुल मीणा के भी बयान लिए गए उन्होंने कहा कि अभी जांच जारी है रोधई में ठाामीणों के भी बयान लिए गए हैं अब मामले का विश्लेषण किया जा रहा है उसके बाद ही सत्यता की जांच रिपोर्ट तैयार होगी इधर शहर के सामाजिक लोगों ने जिला कलेक्टर को सौपे ज्ञापन में खुलासा करते हुए बताया कि जिस सीएमएचओ के खिलाफ शिकायत है उसी ने अपना बचाव करने की खातिर कार्यालय के दो कार्मिकों को एपीओ कर दिया है।

कार्मिकों ने सौंपा ज्ञापन

करौली, (निसं)। करौली में मनरेगा कर्मचारियों ने ग्रामीण विकास संघ राजस्थान के बैनर तले एक दिवसीय प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने जिला परिषद कार्यालय परिसर में धरना देकर मुख्य कार्यकारी अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संघ के प्रतिनिधि मनोज और अजय सिंह ने प्रमुख मांगों की जानकारी दी। इनमें संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण शामिल है। सेवा अवधि के अनुसार स्थायी नियुक्ति की मांग की गई है। सचिव नियम 2022 के तहत नियुक्तियों का क्रियान्वयन भी मांगों में शामिल है। 31 मार्च 2025 तक कार्यरत कर्मचारियों को एक वर्ष का एग्रीमेंट और उसके बाद नियमित नियुक्ति की मांग रखी गई है।

कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार और ग्रामीण विकास विभाग लंबे समय से लंबित मांगों पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। कई बार निवेदन और पत्राचार के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

परिंडे लगाए

करौली, (निसं)। चैनपुर महात्मा गाँधी विद्यालय के स्टाफ और आयुर्वेद चिकित्सक ने किया पौधारोपण और परिंदों को शीतल पेय के लिए परिंडे लगाने के बाद नियमित शुद्ध पानी सिंचित करने की जिम्मेदारी स्टाफ द्वारा ली गई हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश बैरवा ने बताया कि 50 पौधें लगाए गए जिनमें अधिकांश औषधि उपयोगी पौधें लगाए गए हैं।

'आपणी सड़क' पुस्तक का विमोचन

भरतपुर, (निसं)। पॉलिटेक्निक कॉलेज में राज्य सरकार से सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं रखरखाव में पारदर्शिता लाने तथा तकनीकी विद्यार्थियों को प्रायोगिक अनुभव से जोडने के उद्देश्य से सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं तकनीकी शिक्षा निदेशालय के संयुक्त तत्वाधान में संचालित सडक गुणवत्ता निरीक्षण यात्रा सोमवार को जिले में पहुंची। यह यात्रा प्रदेश के सभी 33 जिलों से होते हुए बुद्ध पूर्णिमा के दिन श्रीगंगानगर में संपन्न होगी। भरतपुर इस यात्रा का 20 वां पड़ाव रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण) जसवंत लाल खत्री ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ की। इस अवसर पर आपणी सडक नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम राज्य सरकार से सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं रखरखाव में पारदर्शिता लाने तथा तकनीकी विद्यार्थियों को प्रायोगिक अनुभव से जोड़ने के उद्देश्य से सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं तकनीकी शिक्षा निदेशालय के संयुक्त तत्वाधान में संचालित सड़क गुणवत्ता निरीक्षण यात्रा सोमवार को जिले में पहुंची। यह यात्रा प्रदेश के सभी 33 जिलों से होते हुए बुद्ध पूर्णिमा के दिन श्रीगंगानगर में संपन्न होगी। भरतपुर इस यात्रा का 20 वां पड़ाव रहा। कार्यक्रम की

सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण) खत्री ने पौधारोपण किया।

शुरुआत मुख्य अतिथि सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण) जसवंत लाल खत्री ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ की।

इस अवसर पर आपणी सड़क नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम मैं अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुरेंद्र कुमार, राजकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य महेंद्र शर्मा, अधीक्षण अभियंता गुणवत्ता नियंत्रण भरतपुर सुरेंद्र शर्मा, अधीक्षण अभियंता व्रत भरतपुर आरजी मीणा, अधिशासी अभियंता गुणवत्ता नियंत्रण खंड भरतपुर रविंद्र सिंह सहित अन्य तकनीकी अधिकारी एवं प्रवक्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षकों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया इस दौरान सड़क सुरक्षा दोष निवारण अवधि और गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया की जानकारी दी। बाद में विद्यार्थियों को सार्वजनिक निर्माण विभाग की टीमों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में भेजा, जहां उन्होंने सड़क की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। प्रत्येक टीम में अधिशासी अभियंता तकनीकी विशेषज्ञ और पॉलिटेक्निक के विद्यार्थी सम्मिलित थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया।

सार-समाचार

फिरोती के मामले में चार गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। पुलिस ने अपहरण और फिरौती के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में एक महिला समेत चार आरोपियों को पकडा गया है। आरोपियों ने 16 अगस्त 2024 को एक व्यक्ति का अपहरण किया। उसे नंगा कर मारपीट की। पीडित से 5 हजार रुपए की फिरौती वसूली। इसके बाद उसे छोड दिया। पीडित ने गंगापुर सिटी सदर थाने में मामला दर्ज कराया था। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जयपुर की वैशाली बेनीवाल उर्फ टीना (30), डीग से अनिल कुमार (31), पीलौदा से आजाद अहमद (23) और राजकुमार मीना (25) को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में थानाधिकारी बनी सिंह के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक रामबाबू, कॉन्स्टेबल राजमल, कॉन्स्टेबल तेजराम और महिला कॉन्स्टेबल मीराबाई की टीम शामिल रही। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजोरा और वृत्ताधिकारी संतराम मीना ने कार्रवाई का सुपरविजन किया।

सम्मान संगोष्ठी का हुआ आयोजन

करौली, (निसं)। भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी की अध्यक्षता में संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता विकास बारेठ एवं कार्यक्रम संयोजक पूर्व जिला अध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा रहे। कार्यक्रम कि शुरुआत भारत माता, श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रपट पर दीप प्रचलित कर कि गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विकास बारेठ ने अपने उद्बोधन में कहां की भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को कांठोस शासन में लगातार उपेक्षा और विरोध का सामना करना पड़ा। 1951 में कांठोस द्वारा हिंदू कोड बिल का समर्थन किए जाने पर उन्होंने देश के पहले कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया जो कांठोस के खिलाफ उनके विरोध का प्रमाण है वहीं भाजपा ने बाबा साहब की सामाजिक न्याय और शक्ति करण के विचारों को अपनाया मोदी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस तथा 14 अप्रैल को समरसता दिवस घोषित किया इसही ओर बाबा साहब की याद में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कि सरकार ने डॉ. अंबेडकर से जुड़ी पांच प्रमुख स्थानों को विकसित किया जिन्हें पंच तीर्थ कहा गया। इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रहलाद सिंहल, जिला महामंत्री धीरेंद्र बैसला, विधानसभा संयोजक योगेश शर्मा उर्फ योगी,लोकसभा प्रत्याशी इंदुदेवी,सभापति प्रतिनिधि सुशील शर्मा, फूलचंद जाटव, हट्टी राम बैरवा,सुरेश शुक्ला,अशोक वर्मा,विद्या वैष्णव,आशीष जैन,तेजेंद्र सिंह जादौन, नितेश महावर,विक्की गुरु,पंकज अठावाल,कपिल मित्तल,गोपाल शर्मा,कान्हा व्यास,उत्तम सिंह जादौन, पुष्पेंद्र बंसल,अजय पाल,बृजेश गुरु,मुकेश सोनी,मदन मोहन स्वामी, जगदीश शर्मा, दयाल गुर्जर आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शहनाज व साजिद फिर बनेंगे प्रधान

कामां, (निसं)। पूर्व मंत्री जाहिदा खान की बेटी शहनाज खान कामां पंचायत समिति की प्रधान और बेटा साजिद खान पहाड़ी पंचायत समिति के प्रधान थे। राजस्थान में सरकार बदलने के बाद दोनों को निलंबित कर दिया गया था। निलंबन आदेश को राजस्थान उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। न्यायालय ने 6 मई 2024 को निलंबन आदेश पर रोक लगा दी थी। इसके बाद भी दोनों को चार्ज नहीं दिया गया था। इस पर न्यायालय में अवमानना याचिका दायर की गई थी। सोमवार को सुनवाई से पहले रविवार को कामां प्रधान शहनाज खान और पहाड़ी प्रधान साजिद खान के निलंबन आदेश को स्थगित करते हुए न्यायालय में जवाब प्रस्तुत किया गया। राजस्थान उच्च न्यायालय के अधिवक्ता समर सिंह ओला ने बताया कि शहनाज खान को विभागीय आदेश राजकाज 5950981 दिनांक 5 मार्च 2024 के तहत निलंबित किया गया था। इसके खिलाफ शहनाज खान और जलीश खान ने एस.बी. सिविल रिट याचिका संख्या 5029/2024 दायर की थी। इसी मामले में साजिद खान और जलील खान ने भी याचिका संख्या 2977/2024 दाखिल की थी। उच्च न्यायालय ने 6 मई 2024 को आदेश जारी कर शहनाज खान के निलंबन आदेश के प्रभाव और क्रियान्वयन को रिट याचिका के निस्तारण तक स्थगित कर दिया है। न्यायालय के आदेश की पालना में शहनाज खान के विरुद्ध जारी निलंबन आदेश को आगामी आदेशों तक स्थगित कर दिया गया है। इसी प्रकार पंचायत समिति पहाड़ी के प्रधान साजिद खान को विभागीय आदेश राजकाज 5604624 दिनांक 12 फरवरी 2024 के तहत निलंबित किया गया था। साजिद खान ने भी अपने निलंबन के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। न्यायालय ने 6 मई 2024 को आदेश जारी कर साजिद खान के निलंबन आदेश के प्रभाव और क्रियान्वयन को भी रिट याचिका के निस्तारण तक स्थगित कर दिया है। पूर्व मंत्री जाहिदा खान ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने तानाशाही दिखाते हुए निलंबन किया था। उच्च न्यायालय ने 6 मई 2024 को निलंबन आदेश पर रोक लगा दी थी। इसके बाद भी सरकार के दबाव में चार्ज नहीं दिया गया था। जाहिदा खान ने कहा कि न्याय मिलने में समय जरूर लगा लेकिन सत्य की जीत हुई है।

वयोवृद्ध भामाशाह का अभिनंदन

गंगापुर सिटी, (निसं)। अग्रवाल समाज समिति द्वारा विधवा सहायतार्थ लक्की कूपन ड्रॉ का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला में किया गया। समाज के वयोवृद्ध 102 वर्षीय कन्हैया लाल कुनकटा ने पहला ड्रॉ निकाला। इस अवसर पर पूर्वी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र गुट्टा, प्रदेश प्रवक्ता महेंद्र गर्ग और जिलाध्यक्ष गोविंद प्रसाद बरनाला समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। ड्रॉ में कुल 101 इनाम रखे गए। इनमें एक एलईडी टीवी, दो वाशिंग मशीन, पांच माइक्रोवेव, दस मिक्सी, ग्यारह पंखे और इक्कीस ग्राइंडर शामिल थे। कार्यक्रम में भामाशाहों का सम्मान किया गया। साथ ही विधवा महिलाओं को मई माह की पेंशन का वितरण भी किया गया। समिति के प्रचार प्रसार मंत्री वेदप्रकाश मंगल ने बताया कि 344 कूपन बेचकर विधवा सहायता राशि एकत्रित की गई। इस राशि से 140 विधवा महिलाओं को प्रतिमाह 500 रुपए दिए जाएंगे।

श्रद्धांजलि आज

करौली, (निसं)। भारत के प्रमुख पर्यटक स्थल जम्मू कश्मीर के पहलगाम में सह परिवार घूमने गए देश विदेश के पर्यटकों की गत 22 अप्रेल को खूबसूरत वादियों को लहू लुहान करते हुए परिजनों के समक्ष आतंकवादियों के द्वारा 27 पर्यटकों की धर्म पूछ कर नृपशंस हत्या कर दी गई। जिससे देश के आम नागरिकों में भारी आक्रोश है जिसको लेकर आज करौली मे श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन किया जायेगा।

वार्डों के परिसीमांकन के निर्देश

करौली, (निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी नीलाभ सक्सेना ने बताया है कि नगरपालिका सूरोठ में वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार वार्डों के गठन एवं परिसीमांकन के निर्देश दिये गये है। स्वायत्त शासन विभाग के उक्त पत्र के अनुसार नगरपालिका सूरौठ में वार्डो की कुल संख्या 20 निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि 5 मई तक जन साधारण द्वारा आपत्तियॉ प्रस्तुत की जा सकती है। जिला कलेक्टर ने बताया कि उक्त अवधि कर समाप्ति के पश्चात किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

आम सूचना हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि मेरा मुवक्किल श्रीमती सवित्री पत्नी विष्णु एवं श्रीमती अनारवती पत्नी बंटी एक संपत्ति, एक भूखण्ड (प्लॉट) जो कि पट्टा विलेख संख्या 21698 के अंतर्गत स्थित है वार्ड नं. 05, नीमघाटा मोहल्ला, कस्बा डीग, तहसील डीग, जिला डीग, राजस्थान-321203, प्रारंभ में, नगर पालिका मण्डल, डीग, जिला भरतपुर, राजस्थान द्वारा पट्टा विलेख संख्या 21698 श्री दामोद्र लाल सैनी पुत्र श्री कल्लन के पक्ष में दिनांक 19.09.2022 को जारी किया गया था, जिसे उप पंजीयक कार्यालय डीग में दिनांक 02.11.2022 को पंजीकृत किया गया। इसके पश्चात, उक्त भूखण्ड का विक्रय विलेख श्री दामोद्र लाल सैनी ने श्रीमती शकुंतला पत्नी विष्णु कुमार के पक्ष में दिनांक 24.07.2024 को निष्पादित किया, जो कि उप पंजीयक कार्यालय डीग में उसी दिनांक को पंजीकृत हुआ। तत्पश्चात, श्रीमती शकुंतला ने उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख श्रीमती सवित्री पत्नी विष्णु एवं श्रीमती अनारवती पत्नी बंटी के पक्ष में दिनांक 12.02.2025 को निष्पादित किया, जो दिनांक 12.02.2025 को उप पंजीयक कार्यालय डीग में पंजीकृत हुआ। अब उपरोक्त संपत्ति से संबंधित मूल पट्टा विलेख संख्या 21698, जो दिनांक 19.09.2022 को जारी एवं दिनांक 02.11.2022 को पंजीकृत हुआ था गुम/खो गया है। तथा चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से ऋण ले रही हैं। अतः यह सार्वजनिक रूप से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति या संस्था को इस संपत्ति की स्वामित्व स्थिति या इस ऋण प्रक्रिया से संबंधित कोई आपत्ति हो, किसी व्यक्ति / संस्था या प्राधिकरण को उपरोक्त संपत्ति, उसके स्वामित्व या गुम हुए दस्तावेज के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिवस के भीतर लिखित रूप में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा बाद गुजरने याद कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी व सो सूचित रहें।
मुकुंद पंचारिया (एडवोकेट)
पता- 711, सातवी मंजिल, एलीमेंट्स मॉल, डीसीएम, अजमेर रोड़, जयपुर
मो. 7793033590, 9829290229
दिनांक : 28.04.2025

चालीस हजार की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

सामलाती जमीन के बंटवारे की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की एवज में रिश्वत मांगी थी

देवगढ़, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने सोमवार को दौलपुरा के पटवारी देवराज सिंह को 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सामलाती जमीन के बंटवारे की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के एवज में रिश्वत मांगने की शिकायत मिलने के बाद की गई है।

एसीबी के सूत्रों के अनुसार, परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि पटवारी देवराज सिंह जमीन के बंटवारे की कार्यवाही करने के लिए 40 हजार रुपये की अनुचित मांग कर रहा है। शिकायत का सत्यापन करने पर यह सही पाई गई, जिसके बाद एसीबी ने जाल बिछाया और एएसपी हिम्मत सिंह चारण के नेतृत्व में एसीबी की टीम ने देवगढ़ में स्टेडियम के पास पटवारी देवराज सिंह को रिश्वत लेते हुए धर दबोचा। आरोपी देवराज सिंह मूल रूप से डीग जिले के अकबरपुर, फौजपुर गांव का निवासी है। एसीबी ने आरोपी पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उसे हिरासत में ले लिया है। एएसपी हिम्मत सिंह चारण ने बताया कि मामले में आगे की कार्रवाई में पूछताछ और जांच जारी है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने दौलपुरा के पटवारी देवराज सिंह (गोले में) को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

बजरी से भरे दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

निवाई, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। सदर पुलिस थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशों के तहत अवैध बजरी खनन व परिवहन की रोकथाम को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्रसिंह भाटी व पुलिस वृत्ताधिकारी मृत्युंजय मिश्रा के पर्यवेक्षण में गठित टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए गांव सुनारा में अवैध बजरी खनन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। उन्होंने बताया कि चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली को गांव सुनारा में छोड़कर फरार हो गए।

जेवरात लूटे

उदयपुर, (निसं)। मजदूरी कर घर लौट रही महिला के साथ मारपीट कर बदमाश जेवरात लूट ले गए। पीड़ित रतनी पत्नी बाबूलाल ने अज्ञात दो बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

जेईई-एडवांस्ड के लिये आवेदन प्रक्रिया जारी

कोटा, (निसं)। आईआईटी कानपुर की ओर से आयोजित की जा रही जेईई-एडवांस्ड के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। अब तक करीब 1.20 लाख स्टूडेंट्स ने ही रजिस्ट्रेशन किए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 2 मई है।एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि आईआईटी कानपुर ने सोमवार को रजिस्ट्रेशन में स्टूडेंट्स को आने वाली परेशानियों को देखते हुए इश्यू ट्रेकर जारी किया है।

सवारियों से भरी पिकअप पलटी, 13 घायल

- दो गंभीर घायल को जोधपुर रेफर किया

पाली। जिले के रोहट क्षेत्र के मुलियावास-जेतपुर सड़क मार्ग पर सोमवार को सवारियों से भरी पिकअप पलटने से 13 जन घायल हो गए, जिनमे से दो गंभीर घायलों को जोधपुर रेफर किया गया है।

पाली के आशापुरा नगर में सामाजिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद खुटानी, लांबडा के एक ही परिवार के लोग पिकअप में सवार होकर अपने गांव लोट रहे थे। मुलियावास से जेतपुरा के बीच गाड़ी का टायर फट गया जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद शोर सुनकर स्थानीय ग्रामीण बचाव के लिए पहुंचे। हादसे में 13 लोग घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए बांगड़ अस्पताल लाया गया, जिनमें से दो गंभीर घायलों को इलाज के लिए जोधपुर रेफर किया गया। हादसे की सूचना मिलने पर उपखण्ड अधिकारी विमलेन्द्र राणावत, पुलिस उप अधीशक अस्पताल पहुंचे और जानकारी ली।

सिलेण्डर से आग लगी, दूल्हा व मां सहित पांच जने झुलसे

झुलसे लोगों को लूणकरणसर के सरकारी हॉस्पिटल लेकर गए, जहां से दो को पीबीएम हॉस्पिटल भेजा

- शादी वाले घर में बान की रस्म के लिए महिलाएं बैठी थी, चाय बनाते समय सिलेण्डर भभक गया
- बताया जा रहा है कि सिलेंडर से गैस लीक हो रही थी। जैसे ही चाय बनाने के लिए आग लगाई, वैसे ही सिलेंडर ने आग पकड़ ली

बीकानेर, (निसं)। जिले के लूणकरणसर में शादी वाले घर में सिलेंडर से आग लग गई। आगजनी की घटना में दूल्हे सहित उसकी मां और तीन महिलाएं झुलस गई। दो को गंभीर हालत में पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर ले जाया गया, जिसमें दूल्हे की मां भी शामिल है।

जानकारी अनुसार लूणकरणसर के वार्ड 11 में किसान ओंकारनाथ के घर में उनके बेटे और दो बेटियों की शादी की रस्में चल रही थी। तीनों की शादी 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन होनी है। घर में बान भरने रस्म के लिए महिलाएं एकत्रित थी। महिलाओं के लिए चाय बनाने की तैयारी चल रही थी। तभी अचानक एलपीजी सिलेंडर ने आग पकड़ ली। आग फैलती गई और मौके पर बैठी महिलाओं को चपेट में ले लिया। आग में दूल्हे की मां मोहिनी देवी भी चपेट में आ गई। उनके अलावा तुलछी देवी, सरस्वती और माली और दूल्हा भी झुलस गया।

परिवार और आस-पड़ोस के लोग झुलसे लोगों को लूणकरणसर के सरकारी हॉस्पिटल लेकर गए, जहां से माली और मोहिनी को प्राथमिक इलाज के बाद बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल के लिए रेफर किया गया। दोनों 50 प्रतिशत से ज्यादा झुलसी है। बताया जा रहा है कि सिलेंडर से गैस लीक हो रही थी। जैसे ही चाय बनाने के लिए आग लगाई, वैसे ही सिलेंडर ने आग पकड़ ली और तेजी से चारों तरफ फैल गई। मौके पर एक बारगी अफरा-तफरी मच गई।

नकदी लूटी

उदयपुर, (निसं)। ऋषभदेव हाइवे पर बाइक सवार तीन बदमाश स्कूटी सवार के साथ मारपीट कर नकदी व मोबाइल लूट ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपालगढ़ भरतपुर हॉल खेरवाड़ा निवासी हेमेन्द्र आचार्य पुत्र गोपाल आचार्य ने बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया है। पीड़ित ने बताया कि 27 अप्रैल रात में मैं स्कूटी पर ऋषभदेव से वापस खेरवाड़ा लौट रहा था।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय द्वारा ई-निविदा क्रमांक 1022 दिनांक 25.04.2025 के तहत Supply, Installation and Maintenance of Generators for Five Year at MGSU, Bikaner हेतु निविदा जारी की गई है, जिसका एनआईबी GSU2526A0006 यूबीएन GSU2526SLOB00007 है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in एवं स्टेट पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/1419 सम्पदा अधिकारी

राष्ट्रीय बीज परियोजना
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय

F. No. :- ()/NSP/SKRAU/NIT/2025-26/425 Date :- 26/04/2025

कृषि भूमि कास्त बाबत निविदा सूचना 04/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय बीज परियोजना, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के 3 बीकेएम व 1 बीएसएम, विश्वविद्यालय बीज फार्म, बीछवाल को "जहाँ हैं जैसे हैं" की स्थिति में वर्ष 2025-26 (खरीफ 2025 व रबी 2025-26) के लिये कास्त बाबत वार्षिक अनुबन्ध पर देने के लिए निविदाए आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बंधित विस्तृत जानकारी वेब साईट www.raubikaner.org, http://sppp.rajasthan.gov.in व राष्ट्रीय बीज परियोजना कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। NIB :- SKA2526A0006, UBN :- SKA2526WSOB00014

राज.संवाद/सी/25/1411 अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज)

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा0 अभि0 विभाग, खण्ड धौलपुर

मचकुण्ड चौराहा जी0टी0रोड धौलपुर, फोन नं0 05642-220728 ई-मेल ee.dho.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 222-30 दिनांक :- 17.04.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 26 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड के अधीन विभिन्न कार्यों की उपरोक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्न यू.वी.एन. के अनुसार www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.rajwater.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउन लोड भी किये जा सकते है।

एन.आई.वी.नं. PHE2526A0538
यू.वी.एन. PHE2526WSOB1281

(आशाराम मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा0 अभि0 विभाग, खण्ड धौलपुर

DIPR/C/5496/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED PROJ. DIVISION KARAULI HQ TODABHIM

(email :- eecsnpkaroli@gmail.com)

NOTICE INVITING BID

Bid for various work in Proj Division Karauli is invited from interested bidder up to 01.05.2025 other particular of the bid may be visited on the procurement portal sppp.raj.nic.in of the state.

NIB CODE:- PHE2526A0599

S.N.	NIT NO.	UBN NO
1	50/2025-26	PHE2526WSOB01425

Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Proj. Division Karauli HQ Todabhim

DIPR/C/5598/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD PROJECT DIVISION (BUILDING) KOTA

No-13 Date: 16.04.2025

Notice Inviting Bid (NIT No 01/2025-26)

Bids for Building work at Kota are invited from interested bidders upto 06.00 PM of 30.04.2025 (Monday) Other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs 124.00 Lac.

Executive Engineer
PWD Project Div(Build.) Kota

DIPR/C/5476/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जल संसाधन कालीसिंध परियोजना खण्ड, झालावाड

No. 69-89 Date: 16/04/2025

ई-निविदा सूचना संख्याः 02 वर्ष 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से नवीनतम पंजियन नियमो के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु जल संसाधन विभाग में पंजीकृत संवेदको से निविदा आंमत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	धरोहर राशि 1/2 प्रतिशत	निविदा शुल्क	कार्य अवधि
1	Construction of Interlocking Road and CC road at Rehabilitation Colony Misroli in Tehsil Aklera under Parwan Major Multipurpose Irrigation Project Jhalawar	147.78 Lacs	295560/-	73890/-	5000/-	06 Months
2	Construction of School building for village Borkhedi under Parwan Major Multipurpose Irrigation Project Tehsil khanpur Dist. Jhalawar	134.31 Lacs	268630/-	67160/-	5000/-	12 Months

निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से डाउन लोड एंव अपलोड की जायेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेवसाईट www.dipr.rajasthan.gov.in & www.waterresources.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है तथा निविदा दिनांक 17.04.2025 प्रातः 9.30 बजे से दिनांक 29.04.2025 सांय 6.00 बजे तक www.eproc.rajasthan.gov.in से डाउन लोड की जा सकती है/देखी जा सकती है। इसके अतिरिक्त निविदा प्रपत्र sppp.raj.nic.in से भी डाउनलोड़ की जा सकती है।

UBN No.- WRD2526WSOB00060, WRD2526WSOB00061

(महेन्द्र सिंह) अधिशाषी अभियन्ता
जल संसाधन कालीसिंध परियोजना खण्ड झालावाड

DIPR/C/5399/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग, खण्ड केकडी

बघेरा रोड पी0एच0ई0डी0 कोलानी केकडी

कमांकः अअ / खण्ड-केकडी/2025-26/376-400 दिनांकः- 22/04/2025

निविदा सूचना

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु नियमानुसार सक्षम श्रेणी में राज्य सरकार / केन्द्र सरकार में पंजीकृत संवेदकों जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हों से ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। इच्छुक संवेदकों द्वारा निविदा फॉर्म ऑन लाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 01.05.2025 तक सांय 6:00 बजे तक डाउनलोड की जाकर उसी दिन 6:00 बजे तक ऑन-लाईन अपलोड की जा सकती है। धरोहर राशि, टेण्डर फीस, व Tender Processing Fee (MD, RISL) की राशि ई-चालान के माध्यम से ऑन लाईन जमा करवाना है। कार्यालय में प्रथम लिफाफा दिनांक 02.05.2025 को सुबह 11.00 बजे खोला जावेगा।

ऑन लाईन निविदा प्रक्रिया में वे ही संवेदक भाग ले सकेंगे जिनके पास डिजिटल हस्ताक्षर होने के साथ ही उक्त वेब साईट पर पंजीकृत होंगे। निविदा प्रपत्र www.sppp.rajasthan.gov.in साईट पर देखें जा सकते है। निविदा से संबंधित विवरण http://www.eproc.rajasthan.gov.in वेबसाइट पर देखे जा सकते है।

1	निविदा संख्या	09/2025-26
2	कार्य का नाम	खण्ड केकडी के अधीन विभिन्न सिविल कार्य ।
3	अनुमानित लागत	200.00 लाख
4	धरोहर लागत	400000.00
5	निविदा डाउनलोड करने की अन्तिम तिथी	01.05.2025 को 6.00 बजे तक
6	निविदा खोलने की (प्रथम लिफाफा खोलने की तिथी)	02.05.2025 को सुबह 11.00 बजे

निविदा को एस.पी.पी. पोर्टल पर आई.डी. नम्बर निम्नानुसार है।

NIB Code	PHE2526A0662
NIT No	UBN Number
09/2025-26	PHE2526WSRC01569

अधिशाषी अभियन्ता
जनं स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
खण्ड केकडी

DIPR/C/5719/2025

कार्यालय नगरपरिषद करौली (राज0)

Phone no. 07464-294024 Email id np.karauli@yahoo.com

क्रमांकः 292 दिनांकः 25.04.2025

ई - निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली मय डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरियड (कार्य दोष निवारण अवधि) के शहर करौली के नगरपरिषद क्षेत्र करौली में परकोटा अन्दर व परकोटा बाहर समुचित व सुचारू विद्युत व्यवस्था हेतु वार्षिक कार्य अनुबन्ध पर (ARC) निम्न कार्य कराना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.raj.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कुल निविदा कार्य	परकोटा अन्दर एलईडी0 लाईट व फेज बायर कार्य	परकोटा बाहर एलईडी0 लाईट व फेज बायर कार्य
निविदा की लागत	46.13 लाख	49.84 लाख
धरोहर राशि	अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक (आयुक्त नगरपरिषद करौली के नाम से जरिये डी0डी0)	
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने / डाउनलोड की तारीख	26.04.2025 समय 2:00 पीएम से 10.05.2025 समय 6:00 पीएम तक	
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	10.05.2025 समय 6:00 पीएम तक	
भौतिक दस्तावेज प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	12.05.2025 समय 01:00 पीएम तक	
ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर तकनीकी बिड की खोलने की तिथि	12.05.2025 समय 03:30 (दोपहर)	
निविदा शुल्क	1000/- रूपयें प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक (आयुक्त नगरपरिषद करौली के नाम से जरिये डी0डी0)	
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500/-रूपये प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक (MDRISL JAIPUR के नाम से जरिये डी0डी0)	
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in	
कार्य दोष निवारण (डिफेक्ट लाईबिलीटी पीरियड)	36 माह	36 माह
कार्य की समयावधि	12 माह	12 माह
UBN. -	DLB2526WSRC02913	DLB2526WSRC02914

राज.संवाद/सी/25/1407 सभापति आयुक्त

Office of the Superintendent Engineer Cum Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 129 Date :- 25/04/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No. : 03/2025-26

Bids for anicut, pakka checkdam work Project MJSA 2.0 Phase 1 Block - Shri Mahaveerji of estimated value INR 141.11 Lacs [01 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 25-05-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.

NIB CODE :- WSC2526A0078,
UBN No. :- WSC2526WSRC00143

Raj.Samwad/C/25/1409 Superintending Engineer and Project Manger

---

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त-धौलपुर

क्रमांकः 174-187 दिनांकः- 16.04.2024

निविदा सूचना संख्या : 02/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला धौलपुर में बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा संख्या 15.01/2025-26 की 133 बजट घोषणा के तहत पक्की सड़क निर्माण हेतु (दोष निवारण अवधि 5 वर्ष सहित) उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in" एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है ।

Package No.	NIB NO.	UBN No.
समोला पोखर से खरगपुर रोड़ तक पक्की सड़क		

अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त धौलपुर

DIPR/C/5393/2025

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण

मू-तल, पर्यटन भवन, संजय मार्ग (विधायकपुरी थाने के सामने), खासा कोठी, जयपुर-302001,
Tel:-0141-2615648/40, E-Mail : rhppa.jaipur@gmail.com

ई-निविदा सूचना संख्या 04/2025-26

निम्नलिखित कार्यो के लिए अनुभवी कंसलटेंट फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Tender for Consultancy Services for- Preparation of Detailed Project Report for Development of Maharana Pratap Tourist Circuit at various locations in the state of Rajasthan. UBN/RFP:- HPP2526RFP0002	90.00 Lakh	3 Months

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक निविदादाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

राज.संवाद/सी/25/1418 मुख्य कार्यकारी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)

पता :- सी0ए0डी0 सर्किल, दशहरा ग्राउण्ड, कोटा
ई-मेल :- nnksouth@gmail.com website : www.Kotamc.org

क्रमांकः- ननिको(द.)/गौशाला./2025/917-26 दिनांकः- 24.04.2025

-:: ई-निविदा सूचना ::-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, कोटा दक्षिण की गौशाला बंधा धर्मपुरा एवं कायन हाउस किशोरपुरा में चने का खारा (भूसा) बारीक कटिंग वाला आपूर्ति कार्य हेतु अनुमानित व्यय राशि रूपये 25.00 लाख की ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा में भाग लेने हेतु निर्धारित अमानत राशि, निविदा शुल्क व प्रोसेसिंग शुल्क निगम की वेबसाईड www.kotamcsouth.org पर online जमा करवाया जाना है। ई-निविदा सूचना निगम वेबसाइट www.kotamc.org / www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी तथा बिड प्रपत्र भी डाउनलोड किये जा सकते है और eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन ई-निविदा अपलोड की जा सकती है एवं निगम पार्किंग के बेसमेंट में गौशाला अनुभाग में निविदा शुल्क/अमानत राशि/एम.डी.,आर.आई.एस.एल शुल्क की जमा रसीद एवं अपेक्षित दस्तावेज जमा किए जा सकते है। नियत समय तक प्राप्त ई-निविदा की तकनीकी बिड को दिनांक 07.05.2025 को ऑनलाईन खोला जावेगा।

NIB Code - DLB2526A0718
UBN No. - DLB2526GLRC0216

उपायुक्त
नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/1446

कार्यालय नगर निगम, जोधपुर (दक्षिण)

पोलोटेक्निक कॉलेज, रेजीडेन्सी रोड़, जोधपुर tel 02912651464 fax 2651466

क्रमांक :-एफ-17/1456 दिनांक :- 25.04.2025

-:: वाहन पार्किंग ठेका ::-
-:: ई-नीलामी सूचना ::-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम जोधपुर दक्षिण के क्षेत्राधिकार में निम्न पार्किंग स्थानों की ई-नीलामी की जानी है। जिसका सम्पूर्ण विवरण निम्नानुसार है:- UBN-DLB2526SLOB02970

क्र.स	विवरण	ई-नीलामी धरोहर राशि	न्यूनतम सरकारी बोली	बोली प्रारम्भ करने की तिथि	बोली लगाने की अंतिम तिथि
1	रावण का चबूतरा मैदान, मैन रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर पार्किंग नीलामी	2,20,000/- (दो लाख बीस हजार रूपये)	22,00,000/- (बाईस लाख रूपये)	13.05.2025 सुबह 10:00 से	13.05.2025 शाम 6:00 बजे तक
2	कल्पतरू शॉपिंग सेन्टर के सामने, जोधपुर	1,25,000/- (एक लाख पच्चीस हजार रूपये)	12,50,000/- (बारह लाख पचास हजार रूपये)	13.05.2025 सुबह 10:00 से	13.05.2025 शाम 6:00 बजे तक

01. निलामी भागीदारी शुल्क - 1,000/- प्रति पार्किंग प्रति भागीदारी, अप्रतिदेय (NON REFUNDABLE)
02. ई-निलामी धरोहर राशि एवं भागीदारी शुल्क जमा कराने की दिनांक 28.04.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 13.05.2025 को दोपहर 02.00 बजे तक।
03. ई-निलामी के अन्तिम 15 मिनट में बोली आने पर ई-निलामी समय अवधि में प्रत्येक बार स्वतः ही 30 मिनट की वृद्धि हो जायेगी।
04. किसी प्रकार की तकनिकी समस्या अथवा जानकारी हेतु श्री रामेश्वर जी, प्रोग्रामर दूरभाष नम्बर 9929653166 पर सम्पर्क कर सकते है। ई-नीलामी की प्रक्रिया विस्तृत शर्तों एवं पार्किंग की जानकारी नगर निगम जोधपुर दक्षिण की वेबसाईट http://lsgrajasthan.gov.in/mcjs एवं lsgeauction.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

आयुक्त
नगर निगम, जोधपुर दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/1460

GOVERNMENT OF RAJASTHAN
DEPARTMENT OFMINES AND GEOLOGY

Email: biddingcell@rajasthan.gov.in

NOTICEINVITING BID (NIB) Date of NIT:16-04-2025

In exercise of the powers conferred by Section 10B,Section 11 read with Section 10B and Section 11 of the Mines and Minerals (Development and Regulation) Act, 1957, its subsequent amendments and in accordance with the Mineral (Auction) Rules, 2015 as amended from time to time notified there under, the Government of Rajasthan has notified the following major mineral blocks for the purpose of grant of Mining lease and Composite license& hereby invites bids in digital format only from eligible bidders through electronic auction.

The details of major mineral blocksand last date of submission of bid are summarized below: -

S No	Name of Block	ML/CL	Mineral	Attempt of Auction	Start Date of Sale of Tender Document on MSTC	Last Date of Sale of Tender Document on MSTC website	Bid Due date and time
1.	Mandai-IV Block, District Jaisalmer (51577, 51584)	CL	Siliceous Earth	Second	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
2.	Mandai-V Block, District Jaisalmer (51578, 51585)	CL	Siliceous Earth	Second	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
3.	Gourum Khan Ki Dhani (South) Block District Jaisalmer (3238, 3241)	ML	Limestone	Second	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
4.	Jiraj Ka Toba-Asu Tar (Main) Block District Jaisalmer (3466, 3468)	ML	Limestone	Second	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
5.	Joga-I Block (JO-I), District Jaisalmer (51580, 51587)	ML	Limestone	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
6.	Joga-III Block (JO-III), District Jaisalmer (51581, 51588)	ML	Limestone	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
7.	Joga-IV Block (JO-IV), District Jaisalmer (51582, 51589)	ML	Limestone	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
8.	Parewar-A Block District Jaisalmer (53765, 53773)	ML	Limestone	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
9.	Parewar (SN-I) Block District Jaisalmer (53766, 53774)	ML	Limestone	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
10.	Parewar (SN-III) Block District Jaisalmer (53767, 53775)	ML	Limestone	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
11.	Parewar (SN-IV) Block District Jaisalmer (53768, 53776)	ML	Limestone	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
12.	Khabhiya Block District Jaisalmer (53769, 53777)	ML	Limestone	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
13.	KhabhiyaEast Block District Jaisalmer (53770, 53778)	ML	Limestone	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
14.	Nimana-Duniya Extension Block District Kota (53771, 53779)	ML	Limestone	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
15.	Tadas Block-I District Nagaur (2595, 2597)	ML	Limestone	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
16.	Tadas Block-II District Nagaur (2596, 2598)	ML	Limestone	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
17.	Chatwara Block, District Jalore(51579, 51586)	CL	Fluorite	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
18.	Gararіya Block District Banswara (52024, 52028)	CL	Manganese	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
19.	West of Samodi Block District Bhilwara (52025, 52029)	CL	Copper-Lead-Zinc	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
20.	Shahpura Block District Beawar (52026, 52030)	CL	Copper & Associated Gold	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
21.	Kuratiyan Block District Beawar (52027, 52031)	CL	Copper	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)
22.	Chauth Ka Barwara Block District Sawai Madhopur (3237, 3240)	CL	Lead-Zinc	First	16-04-2025	01-05-2025upto 2400 Hrs (IST)	21-05-2025upto 1300 Hrs (IST)

The mineral concession of the blocks will be granted in accordance with the Honourable Supreme Court's order dated May 9, 2024, in Writ Petition (Civil) No. 4677/1985, M.C Mehta vs Union of India & ORS with writ petition (s) (civil) no. 202/1985, T N Godaverman v/s Union of India & ORS or any subsequent order issued in these petitions, if applicable.

The interested and eligible bidders, upon registration on MSTC website <http://www.mstcecommerce.com/auctionhome/mlcln/index.jsp> will obtain login ID and Password. After successful registration, the eligible bidder can purchase the Tender Document online on payment of the tender fee of INR Rs. 2,00,000/- (Indian Rupees Two Lakh) and can participate in the e-auction process.

If a bidder had already purchased the tender document during the first attempt of auction for a specific block, then in the second attempt of auction, the tender document will be available for download to that same bidder only for the same block, upon payment of a non-refundable Tender Document fee of INR 25,000/- (Indian Rupees Twenty-Five Thousand Only).

The GST at the rate of 18% is applicable on the purchase of tender document. The GST applicable is to be submitted by the prospective bidder itself and the copy of receipt is to be attached with the technical bid. The prospective bidder shall be solely responsible for remitting the GST as per applicable law and statutory liability in this regard will be responsibility of prospective bidder and no liability whatsoever shall be borne by the DMGR/MSTC.

Detailed terms and conditions, deadlines etc. for participation in the electronic auction are provided in the Tender Document. The Model Tender Document and the Mineral Block Summary is available free of cost in electronic form and can be downloaded from the website of MSTC Ltd, <https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/mlcln/index.jsp>; and Department of Mines & Geology <www.mines.rajasthan.gov.in> for the purpose of information only. Timelines, notifications, updates and other details for the e-auction process are available on the website of <https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/mlcln/index.jsp>.

Any revision, clarifications, addendum, corrigendum, time extensions, etc. to the above tender documents will be hosted on websites <https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/mlcln/index.jsp>; and <www.mines.rajasthan.gov.in>only and no separate notifications shall be issued in the press.

Director
Department of Mines & Geology

DIPR/C/5351/2025

पूर्व मंत्री महेश जोशी को मिली को चार दिन की अंतरिम जमानत

- 900 करोड़ के जल जीवन मिशन घोटाले में ईडी ने किया था गिरफ्तार
- धर्म पत्नी के निधन पर कोर्ट ने 4 दिन की अंतरिम जमानत की मंजूर

जयपुर। जल जीवन मिशन घोटाले में गिरफ्तार पूर्व मंत्री महेश जोशी की पत्नी के निधन होने पर कोर्ट ने उन्हे चार दिन की अंतरिम जमानत दी है। गौरतलब है कि पूर्व मंत्री महेश जोशी को प्रवर्तन निदेशाल (ईडी) ने 9 सौ करोड़ जल जीवन मिशन के आरोप में 24 अप्रेल को गिरफ्तार किया था। जिसकी रिमांड अवधि सोमवार को खत्म होने वाली थी। रिमांड अवधि के दौरान ही उनकी पत्नी कौशल जोशी ने सोमवार को जयपुर के मणिपाल हॉस्पिटल में उपचार दौरान दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि महेश जोशी को पीएमएलए मामलों की विशेष अदालल में पेश किया गया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने उन्हे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था। इसी दौरान मणिपाल हॉस्पिटल में उपचार दौरान उसकी पत्नी कौशल जोशी ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर महेश जोशी के वकील ने कोर्ट में उनकी अंतरिम जमानत याचिका लगाई। कोर्ट ने सुनवाई के बाद उनकी चार दिन की अंतरिम जमानत मंजूर कर ली।

कोर्ट से चार दिन की अंतरिम जमानत मिलने के बाद पूर्व मंत्री महेश जोशी को कुछ घंटे जयपुर कारागाह में गुजारने पड़े। जिसके बाद दोपहर 3 बजे महेश जोशी स्टेशन रोड स्थित अपने निवास पर पहुंचे। जिसके पश्चाम लगभग साढ़े 4 बजे चांदपोल मोक्षधाम में उनकी पत्नी कौशल जोशी का अंतिम संस्कार किया गया।

बताया जा रहा है कि कौशल जोशी काफी लंबे समय से किडनी की बीमारी से परेशान थी और किडनी फेलियर होने के कारण उन्हे कुछ दिनों पहले ब्रेन हेमरेज हो गया था। जिसके बाद उनका उपचार मणिपाल हॉस्पिटल में चल रहा था। इससे पूर्व किडनी और दूसरे ऑर्गन्स की परेशानी के कारण काफी लंबे समय तक वो सवाई मानसिंह अस्पताल में भी भर्ती रहीं थी। जहां पर उनका काफी लंबा उपचार चला।

बताया जा रहा है कि केंद्र सरकार की हर घर नल पहुंचाने वाली वाली जल जीवन मिशन में वर्ष 2021 में श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी और मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र दिखाकर जलदाय विभाग से करोड़ों रुपए के चार टेंडर लिए थे। श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी ने फर्जी कार्य प्रमाण पत्रों से पीएचडी की 68 निविदाओं में भाग लिया था। उनमें से 31 टेंडर में एल-1 के रुप में 859.2 करोड़ रुपए के टेंडर हासिल किए थे। जिसके पश्चात करोड़ो के घोटाले का खुलासा होने के बाद एसीबी ने कई भष्ट्र अधिकारियों को दबोचा था। जिसके बाद ईडी ने केस दर्ज कर महेश जोशी और उनके सहयोगी संजय बड़ाया सहित अन्य के ठिकानों पर दबिश दी थी।इसके बाद सीबीआई ने 3 मई 2024 को केस दर्ज किया। ईडी ने अपनी जांच पूरी कर 4 मई को सबूत और दस्तावेज एसीबी को सौंप दिए थे। जेजेएम घोटाले में अब तक पीयूष जैन, पदम चंद जैन, महेश मित्तल और संजय बड़ाया की गिरफ्तारी हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने की जनसुनवाई

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई करते हुए आमजन की परिवेदनाओं को आत्मीयता के साथ सुना और अधिकारियों को परिवेदनाओं के निस्तारण के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। प्रत्येक फरियादी की समस्या को सुनना और उसका निस्तारण सुनिश्चित करना हमारी सरकार का मूलमंत्र है।

मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण कर आमजन को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित भी रहे। जनसुनवाई के दौरान जयपुर निवासी रामसिंह राजोरिया ने मुख्यमंत्री को चावल के एक दाने पर उकेरी अयोध्या स्थित रामलला मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। शर्मा ने राजोरिया की माइक्रो आर्ट की प्रशंसा की।

आईपीएल मैचों के कीमत से अधिक रुपये के टिकट बेचने वाले गिरफ्तार

- आरोपियों के पास से मिले 1 लाख 20 हजार रुपये कीमत की टिकट

जयपुर। जवाहर नगर थाना पुलिस ने आईपीएल मैचों के कीमत से अधिक रुपए के टिकट बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 टिकट जिनकी कीमत एक लाख बीस हजार रुपए एवं एक कार सहित स्कूटी बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जवाहर नगर थाना पुलिस ने आईपीएल मैचों के कीमत से अधिक रुपए के टिकट बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जवाहर नगर थाना पुलिस ने आईपीएल मैचों के कीमत से अधिक रुपए के टिकट बेचने वाले आरोपी पुलकित गोयल (36) निवासी जनता कॉलोनी आदर्श नगर व राघव खन्ना (34) निवासी जवाहर नगर को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से राजस्थान रॉयल्स व गुजरात टाइल्स के होने वाले वाले मैच के टिकट 12 हजार के टिकट 15 हजार रुपए बरामद किए गए है,जिसे आरोपित ब्लेक से बेच रहे थे। गिरफ्तार से पूछताछ में सामने आया कि संदीप नाटानी से 12 हजार रूपये प्रत्येक टिकट के हिसाब से खरीद कर तीन हजार रुपये प्रत्येक टिकट पर मुनाफा कमा कर 15 हजार रुपये बेचना स्वीकार किया है।

क्यों घटता जा रहा है राज्य भण्डारण निगम का लाभ

वर्ष 2018-19 में लाभ 108 करोड़ था, जो वर्ष 2022 में मात्र 9 करोड़ और 2023 में 12 करोड़ ही रहा

जयपुर। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार के 5 सालों ने राजस्थान राज्य भण्डारण निगम (राजस्थान स्टेट वेयर हाउस कॉरपोरेशन) को कंगाली की हालत में लाकर छोड़ दिया था। वर्ष 2018-19 में निगम का लाभ 108 करोड़ रुपए था, जो वर्ष 2022 में मात्र 9 करोड़ और 2023 में 12 करोड़ रुपए ही रहा। निगम के गोदामों की उपयोगिता भी 89 प्रतिशत से गिरकर 38 और 44 प्रतिशत ही रह गई। यह चौकाने वाले आंकड़े भण्डारण निगम की कार्यकारी निदेशक स्मिता सरीन की ओर से 24 अप्रैल 2025 को जारी प्रेस नोट में सामने आये हैं।

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	लाभ (करोड़ में लगभग)	उपयोगिता (%)
1.	2018-19	108	89%
2.	2019-20	114	85%
3.	2020-21	87	87%
4.	2021-22	20	70%
5.	2022-23	9	38%
6.	2023-24	12	44%

- कार्यकारी निदेशक स्मिता सरीन का कहना है कि, ''फ़रवरी 2023 में भण्डारण निगम ने प्रदेश में 97 भंडारगृहों में से 16 भंडारगृह पर 10 वर्ष तक संग्रहण के लिए राजस्थान स्टेट बेवरेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड और राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल को किराये पर देने के लिए एक अनुबंध किया था, जो कि कुल भण्डारण क्षमता 17.20 लाख मैट्रिक टन का मात्र 3.86 प्रतिशत हिस्सा है।''

कार्यकारी निदेशक स्मिता सरीन की ओर से कहा गया है कि, वेयर हाउस कॉरपोरेशन को राज्य अथवा केंद्र सरकार से कोई सब्सिडी या अनुदान नहीं मिलता है। इसलिए भण्डारण निगम का संचालन वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन एक्ट-1962 के तहत व्यापारिक पद्दित के अनुसार वाणिज्यिक हितों को ध्यान में रखते हुए किया जाता हैं।

उन्होंने बताया कि, पिछले दिनों एक समाचार पत्र में भ्रामक और सारहीन खबर प्रकाशित हुई। जबकि तथ्य यह हैं कि, फ़रवरी 2023 में राजस्थान राज्य भण्डारण निगम ने प्रदेश में 97 भंडारगृहों में से 16 भंडारगृह पर 10 वर्ष तक संठाहण के लिए राजस्थान स्टेट बेवरेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड और राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल को किराये पर देने के लिए एक अनुबंध किया था। वर्तमान में निगम की कुल भण्डारण क्षमता 17.20 लाख मैट्रिक टन है, जिसमे से मात्र 3.86 प्रतिशत जगह इन दोनों संस्थाओ को दी गयी थी। इस अनुबंध के मुताबिक बेवरेज कॉर्पोरेशन को 44747 तथा गंगानगर शुगर मिल को 21753 मैट्रिक टन भण्डारण क्षमता उपलब्ध करवाई थी, जो कि फलौदी, राजसमंद, कुचामनसिटी, नागौर, उदयपुर, नोहर, सवाईमाधोपुर, प्रतापगढ़ , सूरतगढ़ , जोधपुर (मंडोर), जोधपुर (बासनी), बांसवाड़ा, ब्यावर और नीमकाथाना में थी।

सरीन का कहना है कि बालोतरा में 3600 मैट्रिक टन क्षमता के लिए स्टेट बेवरेज कॉर्पोरेशन और गंगानगर शुगर मिल के साथ अनुबंध किया था, परन्तु यह जगह अभी भी इन दोनों को आवंटित नहीं की गई है, क्योकि किसानो से समर्थन मूल्य पर खरीदी गई 2400 मैट्रिक टन तिलहन यथा मूंगफली और अन्य उपज संठाहित की गई है। इसके अलावा शेष 1200 मैट्रिक टन जगह ही किसान, व्यापारी और नैफेड के लिए आरक्षित की गई है।

इसी प्रकार ब्यावर में भी 6300 मैट्रिक टन में से 4500 मैट्रिक टन क्षमता ही इन दोनों संस्थाओ को दी गई थी, यहाँ भी 1800 मैट्रिक टन जगह पर नैफेड द्वारा किसानो से समर्थन मूल्य पर खरीदी गई मूंगफली की उपज रखी हुई है। सवाईमाधोपुर में भी 14590 मैट्रिक टन भण्डारण क्षमता में से मात्र 19 प्रतिशत जगह इन दोनों संस्थाओ के लिए आरक्षित की गई थी। शेष 11890 मैट्रिक टन क्षमता में से 470 भण्डारण क्षमता का उपयोग प्राइवेट व्यापारियों/ट्रेडर्स और किसानो द्वारा किया जा रहा है।

देवनानी ने राज्यपाल कटारिया को विधान सभा की डायरी भेंट की

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चन्द कटारिया का सोमवार को विधानसभा पहुँचने पर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। देवनानी ने कटारिया को राजस्थान विधान सभा में नवाचारों का एक वर्ष पुस्तक, विक्रम संवत 2082 की विधान सभा डायरी, विधान सभा के वॉल व टेबल कैलेण्डर और विधान सभा दूरभाष निर्देशिका भेंट की। देवनानी ने कटारिया का दुपट्टा पहनाकर अभिनन्दन किया।

देवनानी और कटारिया की राजस्थान विधान सभा सहित अनेक बिन्दुओं पर लगभग आधे घंटे तक चर्चा हुई। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चन्द कटारिया ने राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष देवनानी द्वारा भारतीय वर्ष के अनुसार डायरी प्रकाशन की सराहना करते हुए इसे युवा पीढी को तिथियों की जानकारी से अवगत कराने वाली अभिनव पहल बताया। देवनानी ने कहा कि विधान सभा का यह प्रकाशन अन्य राज्य विधानसभाओं के लिए भी अनुकरणीय है। देवनानी ने कटारिया को बताया कि महापुरुषों के स्मरण को बनाये रखने के लिए विधान सभा दैनन्दिनी में महापुरुषों के चित्रों को शामिल किया गया है।

पतंजलि विवि.और वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विवि.के बीच एमओयू

- कृषि, अनुसंधान और नवाचार को मिलेगा बल, उद्यमिता को मिलेगी नई उड़ान
- समझौता ज्ञापन से छात्रों के लिए नए अवसरों के द्वार खुले

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार और वीर माधोसिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय, देहरादून के बीच आज शैक्षिणक एवं अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण एवं उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस समझौते के तहत योग विज्ञान, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, संबद्ध एवं अनुप्रयुक्त विज्ञानों तथा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी के एकीकरण के माध्यम से कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त प्रशिक्षण, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। विशेष रूप से, पतंजलि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि क्षेत्र में किए गए अनुसंधान कार्यों को किसानों तक पहुँचाने के उद्देश्य से उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय परिसरों में किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे।

इस समझौते के अंतर्गत अकादमिक, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में सहयोग,कौशल विकास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन तथा प्रौद्योगिकी नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर बल दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समुदायों के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे।

इस द्विपक्षीय समझौते के तहत दोनों विश्वविद्यालय मिलकर समकालीन विषयों पर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक पाठ्यक्रम, संयुक्त अनुसंधान और प्रकाशन कार्य, विशेषज्ञ सलाह, संयुक्त कार्यशालाएँ, सेमिनार और सम्मेलन आयोजित करेंगे। साथ ही,संयुक्त पाठ्यक्रमों का संचालन, अध्ययन सामग्री का आदान-प्रदान, अस्पताल प्रबंधन से जुड़े कार्यक्रम, विशिष्ट विषयों पर शोध और रिपोर्टों का प्रकाशन भी किया जाएगा। सांस्कृतिक आदान-प्रदान,खेल प्रतियोगिताएँ और सोशल आउटरीच गतिविधियाँ भी इस सहयोग का हिस्सा होंगी। विद्यार्थियों के लिए छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रमों (स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम) के माध्यम से प्रशिक्षण,इंटर्नशिप और अनुसंधान के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

समझौता ज्ञापन के इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल,परीक्षा नियंत्रक प्रो. अरविंद कुमार सिंह तथा उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव,परीक्षा नियंत्रक डॉ. वीके पटेल और वित्त नियंत्रक विक्रम सिंह जंतवाल सहित दोनों विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने इस समझौते को शिक्षा और शोध के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल बताया और भविष्य में इसे और विस्तार देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

परशुराम ज्ञानपीठ में मूर्ति प्रतिष्ठा पूजन का श्री गणेश

जयपुर। विप्र फाउंडेशन के नव निर्मित श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का तीन दिवसीय अक्षय अनुष्ठान सोमवार से प्रारंभ हो गया। पहले दिन जहां यजमान के रूप में पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व डीजीपी ओमेंद्र भारद्वाज, विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम गुरुजी, केंद्रीय परियोजना समिति के चेयरमैन महावीर प्रसाद शर्मा, सीए सुनील शर्मा मुंबई, नवीन जोशी जोधपुर, सतीश शर्मा संगठन महामंत्री, इंदू शेखर शर्मा भरतपुर, राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र हर्ष प्रमुख थे। पंडित धीरज शर्मा के आचार्यत्व में हुए इस अनुष्ठान के दौरान दिनभर भवन अवलोकन करने वालों का भी तांता लगा रहा। इनमें भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद सीपी जोशी, तेलंगाना से भाजपा के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, आदि अनुष्ठान की व्यवस्थाओं में जुटे हुए थे।

'इसोफेगल स्टेंटिंग चिकित्सा प्रक्रिया मरीजों के लिए जीवनरक्षक'

जयपुर। इसोफेगल स्टेंटिंग एक चिकित्सा प्रक्रिया है, जिसमें भोजन की नली में एक पतला, लचीला स्टेंट डाला जाता है ताकि वह संकुचन या रुकावट की स्थिति में भी खुला रह सके। यह तकनीक विशेष रूप से उन मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकती है जिन्हें भोजन निगलने में कठिनाई हो या जिनकी नली में ट्यूमर या चोट के कारण रुकावट हो। इस पर बताते हुए, नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर के गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी कंसलटेंट डॉ.अभिनव गुप्ता कहते हैं कि इसोफेगल स्टेंटिंग न सिर्फ भोजन निगलने में सहूलियत देती है, बल्कि कुछ जटिल मामलों में यह जान बचाने वाली भी हो सकती है। भोजन की नली में रुकावट या संकुचन के कई कारण हो सकते हैं, जैसे: इसोफेगल का कैंसर, स्कार टिशू फाइब्रोसिस के कारण सिकुड़न, चोट या अन्य चिकित्सीय जटिलताएं। नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर में हाल ही में 90 साल के बुज़ुर्ग को बार-बार निमोनिया होने की वजह से इमरजेंसी में भर्ती करना पड़ता था। उन्हें सांस लेने में बहुत ज्यादा तकलीफ हो रही थी, जब उनकी एंडोस्कोपी की गई, तो पता चला कि उनकी भोजन नली में कैंसर है।

डॉ.अभिनव गुप्ता

जिस वजह से भोजन नली में एक छेद हो गया था, जो फेफड़ों से जुड़ गया था। इसी कारण उन्हें बार-बार निमोनिया हो रहा था। इस मरीज के भोजन नली में एक स्टेंट डाला। स्टेंट की मदद से भोजन नली की रुकावट और छेद को बंद कर दिया गया। इसके बाद मरीज को वेंटिलेटर से हटा दिया गया और अब वे अपने मुँह से खाना खा पाते हैं।इसी तरह के एक मामले में 60 वर्षीय महिला नारायणा जयपुर में जो की कीमो पर थी, इसोफेगल कैंसर से ग्रसित थी और काफी समय से वह सांस की समस्या, निगलने में कठिनाई और भूख कम लगना जैसे कई मुश्किलों का सामना कर रही थी। एंडोस्कोपी की जांच में भोजन नाली काफी सुकड़ पाई गयी और हमने इसमें इसोफेगल स्टेंटिंग करके मरीज़ को भोजन नली को ठीक किया गया, साथ ही खाने की नली में जो छेद था, वह स्टेंट की मदद से ढक भी कर दिया। अब वो कीमो या रेडिएशन थेरेपी फिर से ले सकती है। इन परिस्थितियों में, वह दोनों मरीज अब आराम से खाना और तरल पदार्थ ले पा रहे हैं, और खाने की नली में जो छेद था, वह स्टेंट की मदद से ढक गया है, जिससे फेफड़ों में बार-बार इंफेक्शन और निमोनिया की समस्या भी समाप्त हो गई है। डॉ. गुप्ता के मुताबिक, यह केस बताता है कि कैसे सही समय पर की गई स्टेंटिंग एक बुज़ुर्ग मरीज़ के लिए लाइफ-सेविंग साबित हो सकती है। नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर के गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी कंसलटेंट डॉ. अभिनव गुप्ता कहते हैं कि इसोफेगल स्टेंटिंग से यदि फेफड़ों और नली के बीच असामान्य संपर्क हो तो स्टेंट से उसे बंद किया जा सकता है। इसोफेगल स्टेंटिंग आज की आधुनिक गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी में एक बहुमूल्य तकनीक बन चुकी है। न सिर्फ यह मरीजों की दैनिक जीवन की समस्याएं हल करती है, बल्कि कुछ मामलों में यह उनकी जान भी बचा सकती है।

खड़गे ने स्वयं को ज्योतिर्लिंग बताकर हिन्दुओं की भावनाओं को पहुंचाई ठेस : मदन राठौड़

- आज खतरे में संविधान नहीं, खतरे में गांधी परिवार का अस्तित्व : मदन दिलावर
- कांग्रेसियों के मन-मस्तिष्क में नकारात्मकता, वो नहीं बोल सकते सकारात्मक बातें : जोगाराम पटेल
- संविधान बचाओ का नारा देने वाली कांग्रेस पार्टी संविधान को रौंदने वाली सबसे बड़ी दोषी : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान को हिन्दू समाज की भावना को ठेस पहुंचाने वाला बताया। राठौड़ ने कहा कि खरगे ने स्वयं को 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग मल्लिकार्जुन करार दिया है, यह हिन्दू समाज का अपमान है, मैं इसकी कडी निंदा करता हूं। खरगे एक तरफ तो देश की संसद में मल्लिकार्जुन कहने पर नाराजगी व्यक्त करते है, वहीं दूसरी ओर जनसभा में स्वयं को ज्योतिर्लिंग बता रहे है। हिन्दू समाज इसे बर्दास्त नहीं करेगा।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल रविवार को प्रेस से रूबरू हुए।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस की संविधान बचाओ यात्रा एक ढ़ोंग है और कांग्रेसी नेता नौटंकी कर रहे है। देश में आपातकाल लगाकर संविधान की हत्या करने वाली कांग्रेस आज इसकी रक्षा के लिए यात्रा निकाल रही है। संविधान को तोड़ने वाली, संविधान का अपमान करने वाली और संविधान रचियता का अपमान करने वाली कांग्रेस पार्टी आज वोटबैंक के चलते इस तरह कीनौटंकी कर रही है। आपातकाल ही नहीं, शाहबानो प्रकरण में भी सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस ने संविधान बदल दिया। आश्चर्य की बात है कि संविधान की हत्या और अपमान करने वाले लोग संविधान की रक्षा का स्वांग रच रहे है, यह तो वैसे ही जैसे चोर ही शोर मचा रहा हो।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश में 93 बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त करके लोकतंत्र की हत्या करने का अपराध किया है। आपातकाल लगाकर संविधान को दरकिनार करके इंदिरा गांधी जो कहेगी वो ही संविधान है जैसा माहौल बना दिया। कितने आश्चर्य की बात है कि संविधान के टुकड़े-टुकड़े करने वाले लोग, संविधान को रक्तरंजित करने वाले लोग संविधान यात्रा निकाल रहे है। यह तो वैसा ही है जैसे बिल्ली 100 चूहे खाकर हज को जा रही हो। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि जो देश के संविधान तक को नहीं मानते, वो संविधान के लिए बोलने के लिए अधिकृत नहीं है। संविधान की हत्या करने वाले कांग्रेसियों को आज गांधी परिवार खतरे में नजर आ रहा है। राहुल गांधी और सोनिया गांधी जमानत पर चल रहे है और उनको बचाने के लिए कांग्रेसी देश की जनता को गुमराह कर रहे है। कांग्रेसियों के मन-मस्तिष्क में नकारात्मक बातें भरी हुई है, ऐसे में वो सकारात्मक नहीं बोल सकते। कांग्रेस पार्टी एक परिवार की गुलामी से उभर ही नहीं पा रही।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने जयपुर के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे सहित अन्य नेताओं की मौजूदगी में आयोजित संविधान बचाओ रैली पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि संविधान बचाओ का नारा देने वाली कांग्रेस पार्टी संविधान को रौंदने वाली सबसे बड़ी दोषी है। बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ओर जहां पूरा देश पहलगाम आतंकी हमले को लेकर शोकाकुल है और एकजुटता का परिचय दे रहा है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता इस हमले को लेकर केन्द्र सरकार के साथ होने की बात करते हैं लेकिन रैली में जाकर आतंकी हमले के बहाने निम्न स्तर की राजनीति करने में जुटे हैं। लोकसभा याचिका समिति के अध्यक्ष एवं सांसद सीपी जोशी ने जयपुर में संविधान बचाओं रैली के दौरान कांग्रेस नेताओं द्वारा की गई बयानबाजी की कड़ी भर्तसना करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी का तथाकथित संविधान बचाओ अभियान न तो संविधान की रक्षा के लिए है और न ही लोकतंत्र के लिए, यह केवल बौखलाहट में स्वयं का राजनीतिक अस्तित्व बचाने की एक नाकाम कोशिश है।

सहकारिता विभाग में एक निरीक्षक एवं एक सहायक रजिस्ट्रार निलम्बित

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक के निर्देश पर सहकारिता विभाग के एक निरीक्षक एवं सहायक रजिस्ट्रार को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है। निरीक्षक एवं सहायक रजिस्ट्रार के विरूद्ध एफआईआर दर्ज होने के बाद त्वरित रूप से यह कार्यवाही की गई है। इस सम्बन्ध में दो अलग-अलग आदेश जारी किए गए हैं।

रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रधान कार्यालय, जयपुर में पदस्थापित निरीक्षक जितेन्द्र चौधरी के विरूद्ध शराब के नशे में अपनी गाड़ी से रास्ता अवरूद्ध किया जाकर राहगीरों व पुलिस अधिकारियों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने तथा राजकार्य में बाधा पहुंचाने के संबंध में प्रथम सूचना रिपोर्ट 26 अप्रेल को कानोता थाने में पंजीबद्ध हुई है। ऐसे में उनके विरूद्ध सी.सी.ए. नियमों के अंतर्गत अनुशासनात्मक कार्यवाही किया जाना प्रस्तावित है। निलम्बन काल में जितेन्द्र चौधरी का मुख्यालय अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, बीकानेर किया गया है।

इसी प्रकार, क्रय-विक्रय सहकारी समितियां, श्रीमाधोपुर के मुख्य कार्यकारी के पद पर कार्यरत सहायक रजिस्ट्रार हरिराम चौधरी के विरूद्ध भी उक्त प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। अत: राज्य सरकार द्वारा चौधरी को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है। इस सम्बन्ध में संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड़ द्वारा आदेश जारी किया गया है। निलम्बन काल में हरिराम चौधरी का मुख्यालय कार्यालय रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, जयपुर रहेगा।

सात माह के मासूम को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुड़ाया, दो जने गिरफ्तार

पुलिस टीमों ने करीब 500 से अधिक सीसीटीवी की फुटेज खंगालकर आरोपियों को पकड़ा

अजमेर, (कासं)। आदर्श नगर थाना क्षेत्र से सात माह के मासूम बच्चे के अपहरण का मंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने चौबीस घंटे के अंदर मासूम को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुड़ा लिया। पुलिस मामले में दो अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। मासूम का पांच लाख में चुराने का सौदा तय किया था, ताकि ऊंची कीमत पर बच्चे को बाहर बेचा जा सके। पुलिस मामले को मानव तस्करी से जोड़ते हुए जांच कर रही है। एसपी राणा ने मासूम बच्चे को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया।

एसपी वंदिता राणा व पुलिस टीम ने मासूम बच्चे को मां को सौंपा।

- अपहरणकर्ताओं ने मासूम का पांच लाख में सौदा तय किया था, ऊंची कीमत पर जिले से बाहर बेचने की फिराक में थे बदमाश

जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि आदर्श नगर थाना क्षेत्र से ऊंची कीमत पर बेचने की फिराक में आरोपियों ने मासूम का अपहरण महज पांच लाख रुपये में करने का सौदा तय किया था। एसपी राणा ने बताया कि शनिवार अलसुबह करीब 3:30 बजे मोटरसाइकिल पर सावार दो युवक आए और झोपड़ीनुमा घर में परिजन के साथ सो रहे दो भाइयों का अपहरण किया, लेकिन बड़े भाई के रोने और शोर मचाने पर आरोपी उसे वहीं छोड़कर छोटे भाई को लेकर फरार हो गए।

सीसीटीवी फुटेज खंगाले:- एसपी राणा ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए एएसपी हिमांशु जांगिड़ के नेतृत्व में स्पेशल टीम और अन्य टीमों का गठन किया। जिलेभर में नाकाबंदी कराई गई और पुलिस टीमों द्वारा करीब 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। टीम ने आरोपियों के आने व जाने के रास्तों की निगरानी की और संदिग्धों के हुलिए के आधार पर दबिश भी दी गई। दबिश के दौरान ही पुलिस को सूचना मिली कि दो युवक एक मासूम बच्चे के साथ संदिग्ध हालात में देखे गए हैं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक मकान पर दबिश देकर आरोपियों कुणाल और दीपक को पकड़ लिया और उनके चंगुल से अपहृत मासूम को सकुशल दस्तियाब कर लिया।

एसपी राणा ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए है। पकड़े गए दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि इंद्राज नामक व्यक्ति ने पांच लाख रुपए में बच्चे का अपहरण करवाया था और बच्चे को ऊंची कीमत पर अजमेर से बाहर बेचना तय किया था। एसपी राणा ने बताया कि आरोपी मासूम को जिले से बाहर ले जाकर सौदा करने की फिराक में थे, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। मुख्य साजिशकर्ता इंद्राज अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हैं। पुलिस अब इस पूरे मामले को मानव तस्करी के नेटवर्क से जोड़कर जांच कर रही है।

पुलिस द्वारा अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुड़ाने के बाद मासूम बालक को परिजन के सुपुर्द कर दिया। बच्चे को पाकर मां के चेहरे पर खुशी नजर आई। परिजन ने अजमेर पुलिस का आभार जताया। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने टीम को त्वरित कार्रवाई के लिए शाबाशी दी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार शिक्षक की मौत

मालपुरा, (निसं)। जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाइवे के मालपुरा-केकड़ी सड़क मार्ग पर सोमवार को हुये सड़क हादसे में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक चालक शिक्षक की मौत हो गई। शव को मालपुरा जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के तिलांजू गांव निवासी हेमराज (34) पुत्र छीतर सेन जो कि राउमावि हरपुरा केकड़ी में लेवल द्वितीय पद पर पदस्थापित था। वर्ष 2018 में राजकीय सेवा में चयनित शिक्षक बना हेमराज सेन रोजाना मोटरसाइकिल से अपडाउन करता था। लम्बे समय से प्रशासनिक अधिकारियों व राजनेताओं के चक्कर लगाकर स्थानान्तरण का प्रयास भी कर रहा था। सोमवार को विद्यालय से छुट्टी के बाद मोटरसाइकिल से अपने गांव आते समय प्रतापपुरा इंदोली के पास अज्ञात वाहन से मोटरसाइकिल की भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक चालक शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे राहगीरों की सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस की सहायता से मालपुरा जिला अस्पताल में उपचार के लिये भर्ति करवाया। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर उसे मृत घोषित किया। सूचना पर पहुंची लाम्बाहरिसिंह थाना पुलिस को परिजनों ने बताया कि पिता की मौत के बाद हेमराज ही अपने परिवार का लालन-पालन कर रहा था। मृतक के तीन संतान है। हेमराज की मौत से परिवार में कोहराम मच गया तथा गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर बाइक को टक्कर मारकर फरार हुये वाहन की तलाश शुरू की।

शिक्षक का फाइल फोटो

- जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाइवे के मालपुरा-केकड़ी सड़क मार्ग पर हादसा हुआ
- पुलिस ने मामला दर्ज कर बाइक को टक्कर मारकर फरार हुये वाहन की तलाश शुरू की

1116 किलो मिलावटी पनीर नष्ट करवाया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के खाद्य विभाग और पुलिस की डीएसटी टीम ने सोमवार को चार जगहों पर 1116 किलो मिलावटी पनीर और 50 किलो मावा नष्ट किया है। यह मिलावटी पनीर नवानिया स्थित रामेश्वर एग्रो मिल्क प्रोडक्ट पर बनाया गया था और शहर में छोटी-छोटी दुकानों और डेयरियों पर सप्लाई किया जा रहा था।

सीएमएचओ डॉ. अशोक आदित्य ने बताया कि देहली गेट स्थित नाकोडा एजेंसी एवं नाकोडा जनरल स्टोर पर नकदी पनीर व मावा आने की सूचना मिली। इस खाद्य सुरक्षा अधिकारी मय पुलिस टीम मौके पर पहुंचे। टीम जब वहां पहुंची तो एक टेम्पो से 32 किलो पनीरना को एजेंसी को और 34 किलो पनीर नाकोडा जनरल स्टोर पर सप्लाई किया जा रहा था। बाजार भाव से सौ रुपए से भी ज्यादा कम दामों में दिये जाने पर संदेह हुआ तो पूछताछ की गई। जांच के लिए सैंपल लेकर प्रयोगशाला भिजवाया गया। प्रयोगशाला में पनीर सब स्टेंडर्ड का पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक गुप्ता और जगदीश प्रसाद सैनी ने नाकोडा जनरल स्टोर और नाकोडा एजेंसी से एक एक सैंपल और सप्लाई वाली गाडी से तीन सैंपल लिए।

उन्होंने बताया कि बाजार में पनीर की किमत 300 रूपए किलों में मिल रहा है और इस ऑटो के माध्यम से 200 रूपए किलो में ही सप्लाई किया जा रहा है। इस पर पुलिस टीम और खाद्य विभाग के फूड सेफ्टी ऑफिसर अशोक कुमार गुप्ता और जगदीश मय टीम ने एक साथ कार्रवाई की। दोनों टीमों ने देहलीगेट पर स्थित नाकोडा ऐजेन्सी और नाकोडा जनरल स्टोर पर दबिश दी जहां पर एक ऑटो से पनीर सप्लाई किया जा रहा था। इस ऑटो में करीब 800 किलो पनीर भरा था जो ड्रमों और आईस बॉक्स में रखा हुआ था। खाद्य विभाग की टीम ने मौके पर ही पनीर के सैम्पल लेकर जांच के लिए लैब भेजा तो दूध व फैट के साथ-साथ अन्य फैट भी पाया गया। इस पर दोनों ही टीमों ने इस ऑटो से 800 किलो और नाकोडा ऐजेन्सी से 34 किलो पनीर और नाकोडा जनरल स्टोर से 32 किलो पनीर कुल 866 किलो जब्त किया और इस पनीर को ट्रेंचिंग ग्राउण्ड में ले जाकर नष्ट किया गया।

ठेका कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज कराया

उदयपुर, (निसं)। हाइवे पर सुविधा के अभाव में निर्माण कार्य करने से हुए हादसे को लेकर पीड़ित ने लापरवाह ठेकेदार के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित गोगुन्दा निवासी पंकज वैष्णव पुत्र बंशीदास वैष्णव ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भारत सरकार, ठेकेदार व ठेकाकर्मी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बातया कि 9 फरवरी को मैं बाइक पर पत्नी व भतीजे को लेकर उदयपुर से गोगुन्दा जा रहा था। जहां बीच रास्ते ईसवाल हाईवे पर ढलान में बाइक फिसलने से हम घायल हो गए। हाइवे पर रोड़ निर्माण कार्य चल रहा था। इसके लिए प्राधिकरण के ठेकेदार कंपनी कर्मचारियों द्वारा रोड़ पर निर्माण सामग्री बिखेर रखी थी और न ही निर्माण कार्य चलने के लिए आवश्यक संकेतक बोर्ड मौके पर कहीं लगाए गए थे। इसी लापरवाही के चलते बाइक फिसल गई थी। हादसे में घायल होने के साथ ही बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

महिलाओं ने एक किलो चांदी के आभूषण चुराये

अजमेर, (कासं)। आदर्शनगर थाना क्षेत्र के बड़लिया चौराहा स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान से दो महिलाओं ने एक किलो चांदी के आभूषण पर हाथ साफ लिया और फरार हो गई। दुकानदार को सीसीटीवी फुटेज में चोरी का पता चला। दुकानदार श्याम सुंदर वर्मा ने आदर्शनगर थाने में दो अज्ञात महिलाओं के खिलाफ गहने चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

दर्ज शिकायत में वर्मा ने बताया कि 26 अप्रैल को शाम 5:30 से 6:30 बजे के बीच उनकी दुकान पर दो महिलाएं आईं और आभूषण देखने लगी। कुछ ही मिनटों बाद दो और महिलाएं भी दुकान में दाखिल हुई। दुकान में अकेले मौजूद श्याम सुंदर को महिलाओं ने बातचीत में उलझाए रखा और इसी दौरान शोकेस में रखी चांदी की दो डाली जिनका वजन 751 ग्राम और 250 ग्राम था जिन्हें शातिराना अंदाज में चुरा लिया। श्यामसुंदर को चोरी का पता तब चला जब वे रात में दुकान बंद कर रहे थे, सीसीटीवी फुटेज में महिलाएं शोकेस से कुछ निकालते हुए दिखाई दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज किया है।

पीड़ित दुकानदार ने मामले की जानकारी दी।

छात्राओं ने फैकल्टी पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया

कोटा, (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय में छात्राओं ने एक फैकल्टी पर छेड़छाड़ और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़ी संख्या में छात्र और छात्राएं कुलपति सचिवालय पहुंचे थे जहां पर उन्होंने प्रदर्शन किया। इनमें फर्स्ट ईयर और सेकंड ईयर के साथ-साथ सीनियर स्टूडेंट भी थे। यह सभी स्टूडेंट कुलपति सचिवालय पहुंच गए। जहां पर एक घंटे प्रोटेस्ट किया। इस दौरान कुलपति ने इन छात्रों से बातचीत की। साथ ही महिला उत्पीड़न कमेटी को मामला भेज दिया है। विरोध करने पहुंची छात्राओं का आरोप है कि एक फैकल्टी ने उनके साथ गलत व्यवहार किया है। इन छात्राओं में तीन फर्स्ट ईयर और एक सेकंड ईयर की हैं। हालांकि विश्वविद्यालय ने एक ही शिकायत मिलने की बात कही है।

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एसके सिंह ने बताया कि सेकंड ईयर में पढ़ रही एक लड़की की शिकायत हमें मिली है। उसके साथ कुछ बच्चे भी कुलपति सचिवालय आ गए थे। बालिका की शिकायत को हमने महिला उत्पीड़न कमेटी में भेजा है। इस 7 सदस्य कमेटी से तत्काल रिपोर्ट भी मांगी है। सभी बच्चों को आश्वस्त किया है कि किसी के साथ कोई गलत हरकत यूनिवर्सिटी में नहीं होने दी जाएगी। सभी पढ़ने आए स्टूडेंट हमारी जिम्मेदारी हैं जिसके बाद बच्चे चले भी गए थे। जिन फैकल्टी पर आरोप लगाए गए हैं, उनका कहना है कि उनका इस तरह के कृत्य से कोई लेना-देना नहीं है। प्रदर्शन और शिकायत करने वाली छात्राओं के संबंध में भी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि वो कार्डियक पेशेंट हैं और बीपी की दवाई चल रही है। किसने शिकायत की यह भी जानकारी नहीं है।

महिला कोचिंग टीचर ने झील में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया

चौपाटी क्षेत्र में गश्त कर रहे पुलिसकर्मी ने समय रहते महिला टीचर को बचा लिया

अजमेर, (कासं)। एक महिला कोचिंग टीचर ने सोमवार को आनासागर झील में छलांग लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। चौपाटी क्षेत्र में गश्त कर रहे पुलिसकर्मी की सतर्कता से समय रहते महिला टीचर को बचा लिया गया। टीचर को पुलिस ने जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। महिला टीचर ने आरोप लगाते हुए कहा कि उस पर केस वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार महिला टीचर अपनी स्कूटी लेकर पुरानी चौपाटी क्षेत्र पहुंची थी। यहां पहुंचने पर उसने झील में छलांग लगा दी। पानी में डूबता देख चौपाटी पर गश्त कर रहे कॉन्स्टेबल संदीप की नजर उस पर पड़ी। संदीप ने बिना देर किए झील में छलांग लगाई और महिला को सुरक्षित बाहर निकाला। तुरंत ही उसे इलाज के लिए जेएलएन अस्पताल पहुंचाया।

- महिला टीचर ने आरोप लगाते हुए कहा कि उस पर केस वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है

पीड़ित कोचिंग टीचर ने बताया कि कुछ समय पूर्व देवेंद्र नामक युवक ने उसके साथ दुराचार किया था। देवेंद्र जीसी-1 स्थित पोस्ट ऑफिस में काम करता है। इस संबंध में पुलिस में मामला भी दर्ज कराया गया था, लेकिन अब तक उसे न्याय नहीं मिल सका। महिला ने आरोप लगाया कि उसके देवेंद्र के पिता मुकदमा वापस लेने के लिए उस पर लगातार दबाव बना रहे हैं और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी करते हैं। महिला टीचर ने बताया कि वह निजी कोचिंग सेंटर पर नीट के छात्रों को पढ़ाती है। पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गौतम टाक ने तीसरी बार पदभार संभाला

मेड़ता सिटी, (निसं)। एक बार फिर मेड़ता नगरपालिका में फेरबदल हुआ। गौतम टाक ने तीसरी बार नगरपालिका अध्यक्ष पद पर ज्वाइन किया। मेड़ता नगरपालिका में अध्यक्ष गौतम टाक डी एल बी से निलिबित चल रहे थे, जिसमें न्यायपालिका से राहत मिली और फिर तीसरी बार पुन: एक बार नगरपालिका में अध्यक्ष पद पर ज्वाइन किया। पूर्व में टाक का 2 बार निलंबन हुआ, पर न्यायपालिका ने स्टे देकर राहत प्रदान की। पालिका अध्यक्ष गौतम टाक ने ज्वाइन करते समय प्रेसवार्ता कर बताया कि भाजपा राज में हमेशा से ही निलंबन का दौर चलता रहता है। मैं पूर्व में भी पालिका अध्यक्ष रहा उस समय भी मुझे निलंबित कर दिया गया, पर मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है। इसलिए न्यायपालिका की शरण में गए और हमें स्टे देकर राहत दी। गौतम टाक के पुन: अध्यक्ष पर पूर्व नागौर जिलाध्यक्ष जगदीश नारायण शर्मा, पूर्व विधायक रामचंद्र जारोड़ा व अधिशाषी अधिकारी प्रकाश डूडी ने अध्यक्ष पद पर ज्वाइन करवाया।

भारत-पाकिस्तान की तनातनी के बाद मां-बेटी बिछड़ी

श्रीगंगानगर, (निसं)। पहलगाम में 22 अप्रैल हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ी तनातनी के चलते एक मां अपनी बेटी से बिछड़ गई। भारत सरकार के 48 घंटे के अंदर पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के आदेश के बाद डेढ़ साल की बेटी को अपनी मां को छोड़ना पड़ा। अब यह डेढ़ साल की बेटी अपने पिता के पास पाकिस्तान में रहेगी।

श्रीगंगानगर के जैतसर कस्बे के 3एलसी निवासी भौर रश्मि को अब अपनी पाकिस्तानी बेटी को वापस पाकिस्तान भेजना पड़ेगा।

भौर रश्मि की शादी करीब तीन साल पहले पाकिस्तान के उमरकोट निवासी धनपत सोढ़ा के साथ हुई थी, जिसके बाद पाकिस्तान में उसकी बच्ची आदर्शिनी का जन्म हुआ। भौर रश्मि अपनी डेढ़ वर्षीय बच्ची के साथ तीन अप्रैल को भारत आ गई थी। तब तक भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्तों में इतनी दरार नहीं थी, लेकिन 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के रिश्तों के बीच आई दरार के बाद अब मां-बेटी को अलग-अलग देश में रहना पड़ेगा, क्योंकि बच्ची के पाकिस्तान में जन्म होने के कारण वह पाकिस्तानी नागरिक है। वहीं बच्ची की मां भौर रश्मि के पास भारतीय नागरिकता है। ऐसे में भारत सरकार के आदेशों के चलते 48 घंटे के भीतर पुन: अपने वतन लौटने के आदेश जारी होने के बाद अब बच्ची को वापस पाकिस्तान जाना पड़ेगा।

करौली में सिंथेटिक मावा पकड़ा

करौली, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित शहर में ऊंची-ऊंची नामी मिठाई की दुकानों पर सिंथेटिक मावे से निर्मित मिठाईयां खुलेआम बेची जा रही है। जिसका जीता जागता उदाहरण बुधवार को धौलपुर वाली रोडवेज बस में दो कट्टा सिंथेटिक मावे की सप्लाई करौली शहर के मिठाई विक्रेताओं के यहां आई, जिसमें से एक कट्टे को तो दुकानदार लेकर भाग गया। बस स्टैंड पर खड़े लोगों की पहल पर एक कट्टे को छोड़कर भाग गया जिसको पुलिसने जब्त किया।

सोमवार को एक रोडवेज की बस में दो कट्टा सिंथेटिक मावा करौली आया, जिन्हें लेने शहर के नामी मिठाई प्रतिष्ठान का कार्मिक बस स्टैंड पहुंचा जैसे ही कार्मिक सिंथेटिक मावे के एक कट्टे को लेकर जा रहा था वैसे ही बस स्टैंड पर खड़े व्यक्ति ने शोर मचा दिया और चिकित्सा विभाग के सीएमएचओ डॉक्टर दिनेश चंद मीणा जिला प्रशासन के उप जिला कलेक्टर को मोबाइल पर सूचना दी। सूचना के उपरांत भी मौके पर कोई नहीं पहुंचा अंत में उस व्यक्ति ने पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम को सूचना दी। जिस सूचना पर अनुज शुभम ने पुलिस की सिग्मा टीम के कांस्टेबल राजू को मौके पर भेजा जहां पुलिसकर्मी ने पहुंचकर एक कट्टा सिंथेटिक मावे को जप्त कर लिया और स्वास्थ्य विभाग के फूड इंस्पेक्टर के आने का काफी इंतजार किया लेकिन मौके पर नहीं आने पर पुलिसकर्मी ने एक टेंपो से कट्टे को कोतवाली थाने पहुंचाया।

पंजाब से लड़की को भगाकर बीकानेर लाया था, फिर हत्या की

छत्तरगढ़ में दोनों किराए पर रह रहे थे, झगड़े के बाद प्रेमिका का गला दबाया, आरोपी गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। छत्तरगढ़ में महिला की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया कि युवती पंजाब के एक गांव की रहने वाली थी। हत्या करने वाला युवक ही उसे भगाकर बीकानेर लाया था। दोनों पहले से शादीशुदा थे और प्रेम विवाह के चक्कर में अपने-अपने जीवनसाथी को छोड़कर आए थे। दोनों नए सिरे से जीवन का सफर शुरू करना चाहते थे, लेकिन दो-ढाई महीने में ही मनमुटाव हो गया। मामला इतना बढ़ा कि युवक ने युवती की गला दबाकर हत्या कर दी।

- दोनों शादीशुदा थे और प्रेम विवाह के चक्कर में अपने-अपने जीवनसाथी को छोड़कर आए थे
- दोनों नए सिरे से जीवन का सफर शुरू करना चाहते थे, लेकिन दो-ढाई महीने में ही मनमुटाव हो गया, मामला इतना बढ़ा कि युवक ने युवती की गला दबाकर हत्या कर दी

जानकारी के अनुसार पंजाब के गिदड़बाहा क्षेत्र में रहने वाली काजो महज (19) और गौरा सिंह (21) दोनों का प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों अपने जीवनसाथी को छोड़कर दो-ढाई महीने पहले ही छत्तरगढ़ के पास चक दो जीबी में आकर रहने लगे थे। यहां युवक का परिचय एक महिला से था, जिसे वो मौसी बोलता है। मौसी ने ही उसे किराए पर घर दिलाया था। एक कच्चे मकान में दोनों रहने लगे थे। साथ रहने के कुछ समय बाद ही दोनों का विवाद शुरू हो गया था। प्रथमदृष्ट्या पुलिस को लगता है कि युवक को युवती के चरित्र पर शक होने लगा था। इसी बात पर दोनों में झगड़ा होने लगा था। विवाद में युवक ने युवती का गला दबाकर मार डाला। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी तो युवती के शव पर कपड़ा डला हुआ था। उसके पैर ऊपर की तरफ मुड़े हुए थे। मानो वो अंतिम समय तक बचने के लिए पैर पटक रही थी। शरीर पर चोट के निशान नहीं थे, लेकिन हत्या गला दबाकर करने के सबूत मिले। पुलिस ने चुन्नी भी बरामद की है, जिससे गला दबाया गया। आरोपी मौके से भाग गया था। पुलिस ने उसकी तलाश की। नहर किनारे बनी कच्ची सड़क के रास्ते दौड़ता नजर आया। पुलिस ने उसे रोककर पकड़ा। युवती के परिजन मौके पर पहुंचे। थानाधिकारी भजनलाल ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला शक के आधार पर की गई हत्या का प्रतीत हो रहा है। आरोपी गौरा सिंह से अभी पूछताछ की जा रही है। परिजन गरीब परिवार से है। उसके भाई को पुलिस ने अपने स्तर पर पंजाब से छत्तरगढ़ बुलाया है। खाजूवाला के सीओ अमरजीत सिंह ने बताया कि हत्या के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया गया है। अभी ये पता किया जा रहा है कि किस कारण से हत्या की गई। दोनों पति-पत्नी के रूप में ही छत्तरगढ़ में निवास कर रहे थे, जबकि दोनों ही संभवत: पहले से शादीशुदा थे। आपसी प्रेम के चलते सहमति से यहां पति-पत्नी के रूप में रह रहे थे।

लूट की दो वारदातों का खुलासा, लूटा गया माल बरामद

सांभरझील, (निसं)। किशनगढ़ रेनवाल पुलिस ने लूट की दो बड़ी वारदातों का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा उनसे लूटा गया माल भी बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 13 अप्रैल को विकाश थिरानिया निवासी मलिकपुर ने दर्ज रिपोर्ट में बताया था कि रात्रि को बासडी से मैं मेरे घर मलिकपुर मोटरसाइकिल से जा रहा था तो पीछे से एक स्वीफ्ट गाड़ी में सवार बदमाशों ने मुझे रास्ता पूछने के बहाने रूकवा लिया तथा मेरे आंखों पर पट्टी बांधकर मुझे गाड़ी में पटककर ले गये और मेरे साथ मारपीट कर दो मोबाइल व कान के चांदी के कुण्डल लूट लिए तथा घरवालों से फोन-पे से रूपये मंगवाने हेतु मेरे साथ मारपीट की और मलिकपुर से आगे मुझे पचार की तरफ पटक कर चले गये।

- गैंग के सरगना सहित 3 बापर्दा गिरफ्तार, 4 विधि से संघर्षरत बालकों को निरुद्ध किया

इसी प्रकार जितेन्द्र यादव निवासी बासडी खुर्द ने 22 अप्रैल को दर्ज रिपोर्ट में बताया था कि मैं मोटरसाइकिल से देवलिया करणसर से मेरे घर मलिकपुर जा रहा था तो बासड़ी नदी में एक स्वीफ्ट गाड़ी मेरे आगे लगाकर चार नकाबपोश व्यक्तियों ने मेरे साथ मारपीट कर गाड़ी में डाल लिया तथा मेरे नगद रूपये, चांदी की चेन, एक मोबाइल फोन, एक हाथ घड़ी, आधार कार्ड लूट लिए तथा घरवालों से फोन पे से 500 रूपये डलवा लिए व 50 हजार रूपयों की ओर मांग की, फिर बदमाश शराब पीकर गाडी में सो गये तो मैं मौका देखकर गाड़ी से भाग आया। लूट की घटना को गंभीरता से लेते हुए थानाधिकारी रेनवाल देवेन्द्र चावला के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम लूट की घटना कारित करने वाले गैंग के सरगना सहित सभी व घटना में शामिल 4 विधि से संघर्षरत बालकों को भी निरुद्ध किया गया है। आरोपियों की निशानदेही से लूट की वारदात में प्रयुक्त वाहन स्वीफ्ट डिजायर कार को जप्त किया जाकर घटना में पीड़ितों से लूटा गया सामान बरामद किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी वीरेन्द्र शेषमा पुत्र ओमप्रकाश जाट, सीताराम धायल पुत्र गोपाल लाल धायल, कालूराम बुरडक उर्फ कार्तिक पुत्र शिवराम बुरडक है।

पुलिस ने लूटा गया माल बरामद कर आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

भारत से बॉलिंग में स्नेह राणा ने 3 विकेट लिए। दीप्ति शर्मा और एन चरणी को 2-2 विकेट मिले। बैटिंग में प्रतिका रावल ने 50 रन बनाए, वे प्लेयर ऑफ द मैच भी रहीं। स्मृति मंधाना ने 43 और हरलीन देओल ने 48 रन बनाए। श्रीलंका से इकलौता विकेट इनोका रणवीरा ने लिया।

भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल ने मैच में 50 रन बनाए

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जसप्रीत बुमराह

जसप्रीत बुमराह मुंबई के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर बने। सूर्यकुमार ने अपने 4 हजार रन पूरे किए। प्रिंस यादव की स्विंगिंग यॉर्कर पर विल जैक्स बोल्ड हुए। दूसरे ओवर की पहली बॉल पर फील्डर एडेन मार्करम ने रायन रिकेलटन को रनआउट करने का मौका गंवा दिया। प्रिंस यादव की बॉल पर रिकेलटन ने पॉइंट पर शॉट खेला। यहां रिकेलटन रन लेने के लिए भागे, नॉन स्ट्राइक एंड पर रोहित ने भी शुरुआत की, लेकिन फिर रिकेलटन को वापस भेज दिया। फील्डर मार्करम ने बॉल उठाई और थ्रो किया, लेकिन डायरेक्ट हिट नहीं हुआ और रिकेलटन बच गए।

क्या आप जानते हैं ?... राजस्थान रॉयल्स इंडियन प्रीमियर लीग की पहली विजेता टीम है जिन्होंने2008 इंडियन प्रीमियर लीग में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉर्न की कप्तानी में जीता था।

जयपुर में आज दिखा राजस्थान रॉयल्स का जलवा, दर्शक झूमें।

वैभव के शतक से जीता राजस्थान, गुजरात को 8 विकेट से हराया

// सेंचुरी लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर बने सूर्यवंशी, राजस्थान ने 16वें ओवर में टारगेट हासिल किया //

जयपुर, 28 अप्रैल। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के शतक की मदद से राजस्थान रॉयल्स को में लगातार 5 हार के बाद जीत मिली। टीम ने गुजरात टाइटंस को 8 विकेट से हराया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान ने बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 4 विकेट खोकर 209 रन बनाए। राजस्थान ने 2 विकेट के नुकसान पर 16वें ओवर में ही टारगेट हासिल कर लिया।

गुजरात से शुभमन गिल ने 84 और जोस बटलर ने 50 रन बनाए। राजस्थान से वैभव ने 101 और यशस्वी जायसवाल ने 70 रन बनाए। रियान पराग 32 रन बनाकर नॉटआउट रहे। महीश तीक्षणा को 2 विकेट मिले। वैभव और टी-20 में फिफ्टी और सेंचुरी लगाने वाले सबसे युवा प्लेयर बने। उन्होंने 35 गेंद पर शतक लगाया, यह में किसी भारतीय खिलाड़ी का सबसे कम गेंदों पर शतक है।

16वें ओवर की पांचवीं गेंद पर राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने वॉशिंगटन सुंदर के खिलाफ छक्का लगाया। इसी के साथ उन्होंने टीम को जीत दिला दी। रियान 32 रन बनाकर यशस्वी जायसवाल के साथ नॉटआउट रहे। यशस्वी ने 70 रन बनाए।13वें ओवर में राजस्थान ने दूसरा विकेट भी गंवा दिया। ओवर की तीसरी बॉल राशिद खान ने फुलर लेंथ फेंकी। गेंद नीतीश के पैड्स पर लगी। गुजरात ने की अपील की और अंपायर ने आउट का फैसला दे दिया। राणा ने 4 रन बनाए।12वें ओवर में राजस्थान रॉयल्स ने पहला विकेट गंवाया। ओवर की पांचवीं बॉल प्रसिद्ध कृष्णा ने यॉर्कर फेंकी। वैभव सूर्यवंशी ने रूम बनाकर शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन बोल्ड हो गए। वे 101 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 7 चौके और 11 छक्के लगाए। यशस्वी जायसवाल ने 12वें ओवर में फिफ्टी पूरी कर ली। ओवर की पहली गेंद पर उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा के खिलाफ चौका लगाया और 31 गेंद पर हाफ सेंचुरी पूरी कर ली। इसी ओवर में उन्होंने वैभव सूर्यवंशी के साथ 150 रन की पार्टनरशिप भी पूरी कर ली। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने 11वें ओवर में राशिद खान के खिलाफ छक्का लगाया और 35 गेंद पर अपना शतक पूरा कर लिया। वे इतिहास में सेंचुरी लगाने वाले सबसे युवा प्लेयर बने। उन्होंने 18वें सीजन में सबसे कम गेंदों पर फिफ्टी भी लगाई। वे सबसे कम गेंदों पर शतक लगाने वाले भारतीय भी बने। उन्होंने प्रियांश आर्या का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 39 गेंदें ली थीं। ओवरऑल वैभव ने दूसरा सबसे तेज शतक लगाया। उनसे आगे क्रिस गेल हैं, जिन्होंने 30 गेंद पर शतक लगा रखा है।

पूर्णिमा पैंथर्स यंग इंडियन्स बॉक्स क्रिकेट लीग के 9वें संस्करण के विजेता बने

सीआईआई-वाईआई बॉक्स क्रिकेट लीग के नौवें संस्करण का कल देर रात समापन

जयपुर, 28 अप्रैल। सीआईआई-यंग इंडियन्स जयपुर चैप्टर ने कल रात पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर में सीआईआई-वाईआई बॉक्स क्रिकेट लीग के नौवें संस्करण के फाइनल मैच का आयोजन किया। तीन दिवसीय बॉक्स क्रिकेट लीग रात्री में फ्लड लाइट्स के बीच 3 क्रिकेट कोर्ट पर खेली गयी। 26 कॉर्पोरेट टीमों के 208 खिलाड़ियों ने लीग के चैंपियन बनने के लिए रात्रिकालीन मैचो में तीन दिनों तक भाग लिया।

सीआईआई-वाईआई बॉक्स क्रिकेट लीग का फाइनल कल रात को त्रिमूर्ति कॉलोनाइजर्स एंड बिल्डर्स प्रा लि की टीम त्रिमूर्ति लायन्स और पूर्णिमा विश्वविद्यालय की टीम पूर्णिमा पैंथर्स के बीच मिल्की फ्लड लाइट्स के बीच खेला गया। पूर्णिमा पैंथर्स ने टॉस जीत कर पहले फिल्डिंग का फैसला किया। त्रिमूर्ति लायन्स ने बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवर में 40 रन का लक्ष्य रखा। त्रिमूर्ति लायन्स की ओर से हर्षित ने 14 रन बनाये। पूर्णिमा पैंथर्स ने स्कोर का पीछा करते हुए 2 विकेट खो कर 40 रन का लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की।

पूर्णिमा पैंथर्स की ओर से रितुराज ने 16 रन की पारी खेली और अभिषेक ने सर्वाधिक 3 विकेट लिये। विजेता को फाइनल मैच जीतने के लिए रोलींग ट्रॉफी दी गई, विजेता को ट्रॉफी की रिप्लिका भी प्रदान की गई। उप विजेता को रनरअप ट्रॉफी दी गई। नितिन गुप्ता निदेषक एवं राज्य की प्रमुख, सीआईआई - राजस्थान ने बताया कि कॉर्पोरेट्स को एक टीम के रूप में काम करने, कभी हार न मानने की भावना विकसीत करने, एक इकाई की तरह खेलने और इच्छित परिणाम प्राप्त करने के लिए एक-दुसरे के साथ अच्छा समन्वय रखने को प्रेरित करने के उद्देष्य से, सीआईआई - यंग इंडियन्स द्वारा बॉक्स क्रिकेट लीग के नौवें संस्करण का आयोजन किया गया।

उन्होंने बताया कि लीग में प्रतिभागी सभी टीमों को लीग में भाग लेने के लिए यादगार के तौर पर मोमेन्टों भी प्रदान किए गए। मोहित जाजू, चेयर, सीआईआई-यंग इंडियंस जयपुर चैप्टर ने पूर्णिमा पैंथर्स और त्रिमूर्ति लायन्स को क्रमष: विजेता और उपविजेता ट्रॉफी प्रदान की। सीआईआई - वाईआई के मेम्बर्स और छात्र एवं छात्रऐं भी लीग के समापन और ट्राफी वितरण समारोह में उपस्थित थे।

27वीं नवीन-नफीस इनामी राशिस लीग
कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

केंडलविक की जीत में मेहुल सिंह और दक्ष कासलीवाल चमके

जयपुर, 28 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं न्यू न्यू-नफीस मेमोरी क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सोनी क्रिकेट स्टेडियम कालवाड रोड पर दक्ष कासलीवाल 50 रन (32 बॉल, 7 सीए 1 छक्का), की अर्धशतकीय पारी, शा कुग्र प्लाजा 48 रन (27 बॉल, 3 सीए 3 सेस) और मेहुल सिंह 34 रन पर 4 विकेट की बॉल-ई के मैच खेले गए। पढाई की बातें।

इंस्टिट्यूट केंडलविंक क्रिकेट अकादमी ने पहले प्रदर्शन ओ करते हुए दक्ष कासलीवाल 50 रन (33 गेंद, 2 झटके, 2 आंकड़े) ने पहले विकेट पर 94 रन बनाए थे। प्रक्षेपित करें। सोनी अकादमी की ओर से यश चौधरी 25 रन पर 2 विकेट और जयकिशन, ललित शेरावत हर 1-1 विकेट लेकर सफल रहे।

प्रतियोगिता का अगला मंच रविवार को खेला जाएगा। सोनी क्रिकेट अकादमी की ओर से जवाबी पारी में ललित शेरावत 63 रन (34 गेंद, 4 गेंद, 6 गेंद), परीक्षित शर्मा 25 रन और अली हसन 10 रन को खत्म करने के लिए कोई और बल्लेबाज नहीं थे। 146 रन बचे हुए। मैन ऑफ द मैच मेहुल सिंह 4 ओवर 34 रन 4 विकेट केंडलविक क्रिकेट अकादमी रहे।

पांचवीं राजस्थान पुरुष फुटबाल लीग

सनराइज फुटबाल क्लब ने राजस्थान राइजिंग फुटबाल क्लब को 16-0 से रौंदा

जयपुर, 28 अप्रैल। रॉयल फुटबॉल क्लब ग्राउंड व चौगान स्टेडियम जयपुर में मैच खेले गए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के दिन 3 मैच खेले गए जिसमें 110 में से मैचों अभी तक 47 मैच खेले जा चुके है।

आज रॉयल फुटबाल क्लब के मैदान में खेले गए मैच

प्रथम मैच : रॉयल फुटबाल क्लब और ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच 4/1 से ब्रदर्स यूनाइटेड ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मैच जीत लिया। पहले हॉफ में ब्रदर्स यूनाइटेड क्लब 2/0 से आगे था करण ने 12 मिनट व इंद्रजीत ने 25 मिनट में गोल किया लेकिन दूसरे हॉफ में रॉयल फुटबाल क्लब ने वापसी की कोशिश करते हुए 1 गोल सौरभ ने 72 मिनट में किया लेकिन ब्रदर्स ने मैच के आखरी मिनटों में 2 गोल करके मैच का रुख ही बदल दिया रिषभ गुप्ता 95 मिनट व सिमइलम ने 97 मिनट पर गोल किया ।

दूसरा मैच : सनराइज फुटबाल क्लब ओर राजस्थान राइजिंग के बीच खेला गया एक तरफे मुकाबले में सनराइज ने मैच 16/0 से जीत लिया। मुकेश कुमार 8 गोल किए सागर मंडल 3 गोल, हसनुर्जमान ने 2 गोल, जीत ने 1 ओर भीम सिंह ने 1 गोल किया ओर 1 गोल राजस्थान राइजिंग की तरफ से आत्मघाती गोल कृष्णा ने किया।

तीसरा मैच : ए एस एल फुटबॉल क्लब और जेरथी के बीच खेला गया मैच के दूसरे ही मिनट में ए स ल के योगेश द्वारा किए गोल से बढ़त हासिल की और 40 मिनट में युवराज एक और गोल कर के 2/0 की बढ़त हासिल कर ली पहले आप तक ए एस एल बढ़त बनाई रखी । दूसरे हाफ मे जेरथी फुटबाल क्लब सीकर शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार चार गोल किये मैच फारस ने पहला गोल 49 मिनट में दूसरा गोल अमन कुमार सिंह के द्वारा 69 मिनट में किया गया वही तीसरा गोल रोहित ने जो 80 मिनट में किया चौथा गोल फारस ने 86 मिनट में किया।इस प्रकार 4/2 से जेरथी क्लब ने मैच जीता।आगामी फुटबाल लीग के मैच 30 अप्रैल को में खेले जाएंगे

कॉर्पोरेट का विश्व कप सीजन 2 और जयपुर कॉर्पोरेट प्रीमियर लीग सीजन 4 का ग्रांड फिनाले संपन्न

जयपुर, 28 अप्रैल 2025 । बहुप्रतीक्षित कॉर्पोरेट का विश्व कप - सीजन 2 और जयपुर कॉर्पोरेट प्रीमियर लीग सीजन 4 के फाइनल 27 अप्रैल को पीएस स्पोर्ट्स एरिना, मुहाना मंडी, जयपुर में सफलतापूर्वक आयोजित किए गया। दोनों फाइनल बड़े रोमांचक रहे, जिससे सभी प्रतिभागियों और दर्शकों के लिए एक अविस्मर्णीय माहौल बन गया। एचडीएफसी बैंक ने ड्यूश बैंक को हराकर कॉर्पोरेट का विश्व कप सीजन दो को जीता; मैन ऑफ द मैच, जसमीत; फाइटर ऑफ द मैच, वैभव माथुर; मैन ऑफ द टूर्नामेंट, रवींद्र जांगिड़; सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, विष्णु; सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, रवींद्र जांगिड़; सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक, निशांत शर्मा रहे और फेयर प्ले अवार्ड, टीपी हरिकेंस को दिया गया।

इसी कड़ी में जयपुर कॉरपोरेट प्रीमियर लीग - सीजन 4 के फाइनल में, प्लैटिनम कप एंटरप्रेन्योर्स ने बिगिगल्स को हराकर जीता, मैन ऑफ द मैच राहुल नायक और फाइटर ऑफ द मैच रविंद्र जांगिड़ रहे। गोल्ड कप में, द ब्लैकइगल्स ने द वारियर्स को हराकर जीता, मैन ऑफ द मैच कमल भारद्वाज और फाइटर ऑफ द मैच गिर्राज रहे। सिल्वर कप में, द चार्टर्ड इलेवन ने अल्फा वारियर्स को हराकर जीता, मैन ऑफ द मैच देवेंद्र ढाका और फाइटर ऑफ द मैच शशांक महर्षि रहे। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी गिर्राज, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, कुशल अग्रवाल, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जयंत गुप्ता, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक अभिषेक अग्रवाल और वृंदा क्रिकेट क्लब को फेयर प्ले अवार्ड दिया गया। फाइनल के अवसर पर मुख्य अतिथि राजस्थान के प्रधान महालेखा परीक्षक सतीश गर्ग थे, साथ ही ड्यूश बैंक के निदेशक मोहम्मद रिजवान और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर श्री पंकज सिंह विशिष्ट अतिथि थे। जयपुर कॉरपोरेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीसीए) के संस्थापकों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागी टीमों, कॉर्पोरेट सदस्यों और प्रतिष्ठित अतिथियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

// अन्डर 19 नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग //

लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी ने बाजी मारी

जयपुर, 28 अप्रैल। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 17वी राज्य स्तरीय अंडर-19 नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग के नेशनल क्रिकेट ग्राउंड में आज खेले गए पहले मैच में लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी ने आर. आर. एकेडमी सीकर को 6 विकेट से हराकर जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए आर. आर. एकेडमी सीकर ने कबीर खंडेलवाल 75, ऋषभ शर्मा 31, रौनक कुमावत 20 रनों के सहयोग से 48 ओवर में 177 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य एकेडमी की ओर से ओशनिक ग्रोवर 2, कुशाग्र ओझा 3, रितेश , प्रियांशु , शुभंकर त्यागी ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए लक्ष्य एकेडमी ने ओशनिक ग्रोवर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 90 रन बनाए और शतक से चूक गए। मिल सिंगोदिया 38, कुशाग्र ओझा 26 नाबाद रनों के सहयोग से 23 ओवर में 4 विकेट पर 180 रन बनाकर जीत दर्ज की। आर. आर. एकेडमी की ओर से विराट , यशवंत यादव , रौनक , मनीष ने 1-1 विकेट लिए। आज मैच के मैन ऑफ़ द मैच ओशनिक ग्रोवर रहे।

मिनर्वा क्रिकेट क्लब ने राजीव क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 28 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल सी के मैच में मिनर्वा क्रिकेट क्लब ने राजीव क्रिकेट क्लब को 92 रनों से हराया। जी आर ग्राउंड पर मिनर्वा क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गौरव साल्वी के शतक 128 रन, (92 गेंद, 7 चौके व 4 छक्के), आदित्य जांगिड़ के 40 रन, आकाश मलिक के 24 रन व रिषभ के 26 रन से 45 ओवर में 9 विकेट पर 270 रन बनाए। राजीव क्रिकेट क्लब के लिए अभिषेक के 23 पर 2, गौरव दुबे ने 56 पर 2, दक्ष जैन, अभिषेक राठौर व सार्थक चावला ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में राजीव क्रिकेट क्लब की टीम

जोयनील साधनानी के 39, सार्थक चावला के 32 रन, गणेश शर्मा के 32 रन, अभिषेक के 17 रन व अनिरुद्ध के 16 रनों से 40.1 ओवर में 178 रन बनाकर आउट हो गई। मिनर्वा क्रिकेट क्लब के लिए दिव्य राज ने 33 पर 3, गौरव साल्वी ने 9 पर 3, पार्थ शर्मा ने 34 पर 2 व तुषार चौधरी ने 4 पर 2 विकेट लिए।

मैच में जी आर ग्राउंड पर मिनर्वा क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गौरव साल्वी के शतक 128 रन, (92 गेंद, 7 चौके व 4 छक्के), आदित्य जांगिड़ के 40 रन, आकाश मलिक के 24 रन व रिषभ के 26 रन से 45 ओवर में 9 विकेट पर 270 रन बनाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नागरिक उड्डयन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। उन्होंने झुंझुनूं, आबू रोड और डूंगरपुर हवाई पट्टी के विस्तार के लिए निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रदेश में हवाई सुविधाओं की समीक्षा की

कोटा ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट, झुँझुनूँ, आबू रोड, डूँगरपुर हवाई पट्टी विस्तार के निर्देश दिये

- **मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में जयपुर एयरपोर्ट की क्षमता 50 लाख से बढ़ाकर 70 लाख यात्री प्रतिवर्ष करने का कार्य तेज गति से करने के निर्देश दिये।**
- **हरियाणा से सालासर और खाटूश्याम जी हवाई सुविधा के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।**

जयपुर, 28 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हवाई सुविधाओं का विस्तार करने के लिए राज्य सरकार ने दूरगामी निर्णय लिए हैं। इससे पर्यटन, शिक्षा एवं व्यापारिक गतिविधियों में इज़ाफा होगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अपेक्षित गति मिलेगी। मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नागरिक उड्डयन विभाग की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक हवाई सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्रम में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट महत्वपूर्ण साबित होगा। इस एयरपोर्ट के विकास के लिए राज्य सरकार एवं भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के मध्य एमओयू हो चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की ईएचवी लाइन शिफ्टिंग और आरआरवीपीएनएल की लाइन शिफ्टिंग के कार्य में तेजी लाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट पर बनने जा रहे स्टेट टर्मिनल पर विश्व स्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएं और टर्मिनल की बिल्डिंग के स्थापत्य में जयपुर की विरासत की झलक मिले तथा आधुनिक सुविधाएं भी विकसित हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल की क्षमता 50 लाख से बढ़ाकर 70 लाख यात्री प्रतिवर्ष की जा रही है।

शर्मा ने प्रदेश में हवाई पट्टियों के उन्नयन और विस्तार की समीक्षा की। उन्होंने झुंझुनूं, आबू रोड और डूंगरपुर हवाई पट्टी के विस्तार के लिए निर्देश दिए। साथ ही, प्रतापगढ़ और हमीरगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइज़ेशन (एफटीओ) के कार्यों में भी गति लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा से सालासर और खाटूश्यामजी के लिए हवाई सुविधा और एयर एंबुलेंस सुविधा के विस्तार के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एयर एंबुलेंस की सुविधा से दूरस्थ स्थानों के लिए आपातकालीन चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

बैठक में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

'हमने ''टू नेशन थ्योरी'' को 1947 में ही दरिया में बहा दिया था'

अब्दुल्लाह ने पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष पर कटाक्ष किया, ''टू नेशन थ्योरी'' को पुनः उठाने पर

- **फारुख अब्दुल्लाह ने कहा कि वे पहले सदा पाकिस्तान से वार्ता करने के पक्ष में रहते थे, पर, अब वे केवल यह चाहते हैं कि केन्द्रीय सरकार ऐसी सख्त कार्यवाही करे, पाकिस्तान के खिलाफ कि पहलगाम जैसी हरकतें दुबारा कभी न हों।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रेल। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्लाह ने बेहद कठोर बयान जारी किया और इस्लामाबाद को फटकारते हुए कहा कि कश्मीरियों ने 1947 में ही द्विराष्ट्र सिद्धांत को दरिया में बहा दिया था और कह दिया था कि कश्मीर पाकिस्तान के साथ नहीं जाएगा।

नैशनल कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन ने कहा कि, वे हमेशा पाकिस्तान के साथ वार्ता के पक्ष में रहते थे पर अब चाहते हैं कि केन्द्र सरकार पाकिस्तान पर कड़ी कार्यवाही करे ताकि ऐसे हमले दोबारा न हों।

न्यूज़ एजेंसी के अनुसार अब्दुल्लाह ने कहा कि, मैं हमेशा पाकिस्तान के साथ वार्ता की बात करता था पर हम उन लोगों को क्या जवाब देंगे जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है? क्या हम न्याय कर रहे हैं? बालकोट नही, आज देश ऐसा एक्शन चाहता है ताकि ऐसे हमले दोबारा न हों।''

द्विराष्ट्र सिद्धांत की बात करते हुए डॉ. अब्दुल्लाह ने पाकिस्तान को एक कड़ा संदेश दिया और कहा जम्मू कश्मीर के लोगों ने 1947 में दो राष्ट्र वाले सिद्धांत को ठुकरा दिया था और आज भी वो इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं।

अब्दुल्लाह ने कहा, ''हमें खेद है कि हमारा पड़ौसी यह नहीं समझता है कि उसने इंसानियत का कत्ल कर दिया है। अगर उन्हें ऐसा लगता है कि ऐसा करने से हम पाकिस्तान के साथ चले जाएंगे तो हमें यह गलतफहमी दूर कर देनी चाहिए। हम 1947 में उनके साथ नहीं गए थे तो अब क्यूं जाएंगे? हमने उस समय ही दो राष्ट्र वाले सिद्धांत को दरिया में बहा दिया था और आज भी हम इस सिद्धांत को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। हिन्दू, मुस्लिम, सिख, इसाई हम सब एक हैं। हम उन्हें करारा जवाब देंगे।''

पहलगाम हमले के बाद आया फारुख अब्दुल्लाह का यह बयान पाक सेनाध्यक्ष जनरल असीम मूनीर के बयान से जोड़कर देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने दो राष्ट्र के सिद्धांत का जिक्र किया था।

इस्लामाबाद में ओवरसीज़ पाकिस्तानियों के सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए 16 अप्रेल को जनरल मूनीर ने कहा था कि भारत के खिलाफ संघर्ष में पाकिस्तान हमेशा कश्मीर के लोगों के साथ खड़ा रहेगा।''

उन्होंने कहा, ''यह हमारे गले की नस था और रहेगा, हम इसे नहीं भूलेंगे।''

उसी भाषण में उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने कहा लोग अपने बच्चों को पाकिस्तान की कहानियां सुनाएं ताकि वे यह न भूलें कि वे हिन्दुओं से अलग है।

उन्होंने पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना के दो राष्ट्र सिद्धांत का हवाला देते हुए कहा, आप लोग अपने बच्चों को पाकिस्तान की कहानी सुनाएं ताकि वे यह न भूलें कि हमारे पूर्वज सोचते थे कि हम हिंदुओं से हर प्रकार से अलग हैं।

'संसद का विशेष सत्र...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि वे इन देशों में अपने रिपोर्टर भेजें, जहाँ मोदी पाकिस्तान को भला-बुरा कह सकते हैं। संसद सत्र बुलाये जाने की माँग पर, सरकार से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

रोचक बात यह है कि कांग्रेस के अन्दर कार्यकर्ताओं और नेताओं का एक वर्ग, उस तौर-तरीके की आलोचना कर रहा है, जिस तरीके से पार्टी नेतृत्व ने मोदी सरकार को व्यापक समर्थन दिया है, किन्तु गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग नहीं की, जो कश्मीर, आन्तरिक सुरक्षा गुप्तचर विभाग के कर्ता-धर्ता हैं। पहलगाम में सुरक्षा तथा खुफिया विफलता के कारणों को लेकर सवाल क्यों नहीं किये जा रहे हैं।

एक कांग्रेस नेता ने तो यहाँ तक कह दिया कि कहीं यह नैशनल हैरल्ड केस तथा रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ केसों का परिणाम तो नहीं है। हो सकता है कि कांग्रेस अब संसद के विशेष सत्र की माँग करके, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की आलोचनापूर्ण प्रतिक्रिया का डैमेज-कन्ट्रोल कर रही हो।

एन.सी.ई.आर.टी. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाग में छोड़े गये अध्याय भाग-2 में शामिल होंगे अथवा नहीं।

मुगल आदि राजवंशों के संदर्भ हटाये जाने की अनेक क्षेत्रों में आलोचना हुई है।

आलोचकों में विपक्षी दल भी शामिल हैं।

विपक्षी दलों ने एनसीईआरटी पर एक विशेष राजनैतिक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया है।

एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने गत वर्ष पाठ्य पुस्तकों से 2002 के गुजरात दंगों से सम्बंधित जानकारी हटाये जाने का बचाव किया था।

उन्होंने कहा था कि ऐसा इसलिये किया गया है ताकि हिंसा तथा संघर्ष के संदर्भों से बचा जा सके तथा ''सकारात्मक नागरिक'' निर्माण में मदद मिले।

इसके अतिरिक्त, नई पाठ्य पुस्तक में प्राचीन भारतीय पांडित्य एवं विद्वत्ता, जैसे कौटिल्य का अर्थशास्त्र, पाणिनि का व्याकरण, आर्य भट्ट का खगोल विज्ञान तथा गुप्त साम्राज्य का वैज्ञानिक योगदान- के संदर्भ सविस्तार दिये गये हैं।

पाठ्य पुस्तक में, वर्ण-जाति व्यवस्था को शुरुआती सामाजिक ढ़ाँचे के रुप में प्रस्तुत किया गया है, जो कालान्तर में, और विशेषरुप से ब्रिटिश शासनकाल में, कठोर हो गई तथा असमानताएं पैदा हो गईं।

भाजपा अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया टली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बने हालात को देखते हुए यह फैसला किया गया है

- **अभी यह पता नहीं है कि चुनाव प्रक्रिया फिर से कब शुरु होगी।**

नयी दिल्ली, 28 अप्रैल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को कुछ समय के लिए टालने का फैसला किया है।

पार्टी के सूत्रों के अनुसार, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद बने हालात को देखते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव एक बार फिर टाल दिया गया है। पार्टी ने जगत प्रकाश नड्डा को कुछ समय के लिए अध्यक्ष बनाये रखने का भी फैसला किया है। अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कब तक के लिए टाले गये हैं, इसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

पहले बताया गया था कि भाजपा का नया अध्यक्ष अप्रैल के अंत तक या मई की शुरुआत में चुन लिया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पार्टी नेतृत्व ने संगठनात्मक चुनाव को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है। पार्टी महसूस करती है कि इस समय संगठन की स्थिरता और सरकार की नीति को मज़बूती से आगे बढ़ाना ज़रूरी है। ऐसे में पार्टी के आंतरिक चुनाव को फिलहाल प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। नए अध्यक्ष पद के चुनाव की तारीख की घोषणा बाद में होगी।

उल्लेखनीय है कि भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तब तक नहीं हो सकता, जब तक आधे से ज्यादा राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे न हो जाएं। अभी तक 14 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुने गए हैं और बाकी राज्यों में प्रक्रिया चल रही है। नड्डा का कार्यकाल पहले ही बढ़ाया जा चुका है, और वह फिलहाल अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। नड्डा को वर्ष 2019 में भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। इसके बाद जनवरी 2020 में वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे।

देश के स्वाभिमान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कमज़ोर कर रही है। इसका डटकर मुकाबला करना है।

उन्होंने कहा कि जब मुंबई में आतंकी हमला हुआ था तब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रेस कांफ्रेंस करने मुंबई पहुंच गए थे। संसद पर हमला हुआ तो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष सोनिया गांधी ने अटल बिहारी वाजपेयी को कहा था कि हम आपके साथ हैं। पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दीजिए। जयपुर में भाजपा के एक विधायक ने माहौल बिगड़ने का काम किया। पायलट ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आव्हान किया कि, कांग्रेस का कार्यकर्ता पूरी मेहनत और एकजुटता से काम करेगा तो साढ़े तीन साल के बाद राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी।

सभा को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी संबोधित किया, उनहोंने कहा कि पहलगाम में पाकिस्तान की शह पर आतंकी हमला हुआ। इसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम है, लेकिन हम पूछना चाहते हैं कि केवल बातें ही होंगी या काम होगा? पहलगाम में चूक कहां हुई?

सुप्रीम कोर्ट ने ओटीटी चैनल पर अश्लील सामग्री के प्रसारण के खिलाफ नोटिस जारी किया

ये नोटिस केन्द्र सरकार नेटफ्लिक्स, एमेजॉन प्राइम, ऑल्ट बालाजी तथा कुछ अन्य चैनल्स को दिए गए हैं

- **सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला जनहित याचिकाओं पर विचार करते हुए दिया। यह याचिका पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहुरकर, संजीव नेवार, सुदेष्णा भट्टाचार्य, शताब्दी पांडे, स्वाति गोयल ने दायर की थी।**

नयी दिल्ली, 28 अप्रैल। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को ओटीटी प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री को लेकर नियमन की मांग वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर विचार करने पर सहमति जताई और कहा कि इस मुद्दे ने 'गंभीर चिंताएं' पैदा की हैं।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने केंद्र सरकार और नेटफ्लिक्स, एमेजॉन प्राइम, ऑल्टबालाजी, उल्लू डिजिटल तथा मुबी सहित प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ-साथ सोशल मीडिया जगत की दिग्गज कंपनी एक्स कॉर्प, गूगल, मेटा इंक और एप्पल को नोटिस जारी किया। इस मामले को अन्य समान लंबित याचिकाओं के साथ भी टैग किया गया था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने इस बात पर जोर दिया कि याचिका प्रतिकूल नहीं थी, बल्कि सोशल मीडिया तथा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री के अनियंत्रित प्रसार के बारे में 'वास्तविक चिंता' जताई गई थी।

न्यायालय के प्रश्न का उत्तर देते हुए, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने स्वीकार किया कि वे याचिकाकर्ताओं द्वारा उजागर की गई कुछ चिंताओं से सहमत हैं। प्रस्तुत कार्यक्रमों की सूची की समीक्षा करने के बाद, उन्होंने पाया कि नियमित शो में भी अश्लील सामग्री प्रसारित की गयी थी और कुछ कार्यक्रमों को इतना विकृत बताया कि दो सम्मानित व्यक्ति भी एक साथ बैठकर उन्हें नहीं देख सकते।

न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, यह याचिका ओटीटी प्लेटफार्मों और सोशल मीडिया पर विभिन्न आपत्तिजनक अश्लील और अभद्र सामग्री के प्रदर्शन के संबंध में एक महत्वपूर्ण चिंता पैदा करती है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा है कि सामग्री विकृति की सीमा तक जाती है। उन्होंने कहा कि कुछ और विनियमन विचाराधीन हैं।

जनहित याचिका पत्रकार एवं पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहुरकर, संजीव नेवार, सुदेशना भट्टाचार्य मुखर्जी, शताब्दी पांडे और स्वाति गोयल द्वारा दायर की गई थी।

तहव्वुर राणा की हिरासत अवधि बढ़ी

नयी दिल्ली, 28 अप्रैल। दिल्ली में पटियाला हाउस कोर्ट की एक विशेष अदालत ने सोमवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अर्जी पर मुंबई में आतंकवादी हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा की हिरासत की अवधि 12 दिन के लिए बढ़ा दी।

मुंबई में 26 नवंबर के भयावह आतंकवादी हमलों की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार राणा को इससे पहले अदालत ने 18 दिन की रिमांड पर

- **26 नवम्बर को गिरफ्तार राणा की 18 दिन की हिरासत पूरी होने पर उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने फिर से उसे 12 दिन की हिरासत में भेज दिया।**

एनआईए को सौंपा था।

राणा को भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत अदालत की अनुमति से इसी माह विशेष विमान से नयी दिल्ली लाया गया था। एनआईए ने नयी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते ही उसे 10 अप्रैल को हिरासत में ले लिया था।

उसी शाम उसे दिल्ली की विशेष अदालत में पेश कर जांच एजेंसी ने उससे पूछताछ के लिए 18 दिन की रिमांड पर ले लिया था। रिमांड की अवधि पूरी होने पर आज उसे अदालत में पेश किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करे। वहीं, हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 14 फरवरी, 2024 को मामले का निस्तारण करते हुए हाईकोर्ट प्रशासन को कहा था कि वह प्रख्यात विधिवेत्ताओं और प्रोफेसरों की कमेटी का गठन करे। वहीं, कमेटी को कहा था कि वह अभ्यर्थियों में से किन्हीं बीस का चयन कर उनकी कॉपियों का परीक्षण करे। इस दौरान कमेटी उत्तर की लंबाई और उसे लिखने के लिए दिए गए समय को भी देखे। वहीं, पूर्व में मिले अंक व विशेषज्ञ कमेटी की ओर से दिए अंकों की तुलना करे। इसके बाद कमेटी प्रशासनिक स्तर पर निर्णय ले कि क्या पूर्व में घोषित परिणाम में संशोधन किया जाए या अभ्यर्थियों को बोनस अंक दिये जाने अथवा सभी उत्तर पुस्तिकाओं की पुन:: जांच की जाए। याचिका में कहा गया कि हाईकोर्ट प्रशासन ने इस आदेश की पालना नहीं की। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने हाईकोर्ट प्रशासन से जवाब मांगा है। गौरतलब है कि एडीजे भर्ती-2020 में वकील कोटे के 85 पदों में से सिर्फ चार अभ्यर्थियों को पास किया गया था। वहीं साल 2024 की भर्ती में भी सिर्फ एक अभ्यर्थी को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पद्म सम्मान प्रदान किए

- **राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में 71 व्यक्तियों को पद्म अवॉर्ड दिए गए। इनकी घोषणा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की गई थी।**

नयी दिल्ली, 28 अप्रैल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 71 व्यक्तियों को सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में पद्मश्री पुरस्कारों से सम्मानित किया।

राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार मुर्मु ने पहले चरण के अलंकरण समारोह में 04 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किए। पद्म पुरस्कारों की घोषणा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की गयी थी।

पद्म पुरस्कार विजेता मंगलवार सुबह राष्ट्रीय समर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। पद्म पुरस्कार विजेता राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री संग्रहालय का भ्रमण भी करेंगे। समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और पर्यावरण एव वन मंत्री भूपेन्द्र यादव तथा अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भारत और फ्रांस के बीच 26 राफेल मरीन लडाकू विमानों की खरीद पर मुहर

नयी दिल्ली, 28 अप्रैल। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में चल रहे तनाव के बीच भारत और फ्रांस की सरकारों ने सोमवार को यहां फ्रांस के साथ 63 हजार करोड़ रूपये की लागत से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों की खरीद के सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किये।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस के रक्षा मंत्री सेबास्टियन लेकोर्नु ने इस सौदे पर हस्ताक्षर किये।

पाकिस्तान के 16 यू ट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध

नयी दिल्ली, 28 अप्रैल। सरकार ने भारत, भारतीय सेना और सुरक्षा एजेन्सियों के बारे में भड़काऊ, झूठे, भ्रामक और सांप्रदायिकत सद्भावना को बिगाड़ने वाली सनसनीखेज सामग्री का प्रसारण करने वाले पाकिस्तान के 16 यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

सरकारी सूत्रों ने सोमवार को बताया कि यह प्रतिबंध केन्द्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिश पर तत्काल प्रभाव से लगाया गया है। जिन यूट्यूब चैनलों प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें डॉन न्यूज, समा टीवी , ऐरे न्यूज और जियो न्यूज प्रमुख हैं। ये चैनल पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच उपजी तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर भ्रामक और सनसनीखेज सामग्री का प्रसारण कर रहे हैं।

सरकार ने इसके अलावा इरशाद भट्टी, बी ओ एल न्यूज, रफ्तार, द पाकिस्तान रेफरेन्स, समा स्पोर्टस् ,जीएनएन, उजैर क्रिकेट , उमर चीमा एक्सक्लुसीव , असमा सिराजी और मुनीब जैसे यू ट्यूयूट चैनलों पर प्रतिबंध लगाया है।

'आप व्यर्थ के जोशीले, भड़काऊ भाषण देने से...

- **अतः भारत भी पाकिस्तान पर ''स्विफ्ट'' धड़ाधड़ ''वॉर'' करने के पक्ष में है, जिससे पाकिस्तान जवाबी कार्यवाही कर ही नहीं पाये। भारत को अपने ही दम पर पाकिस्तान के साथ लड़ाई के लिये तैयार रहना चाहिए और लम्बे युद्ध के रास्ते नहीं जाना चाहिए।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह स्पष्ट है कि उसकी सहानुभूति किस ओर है।

चीन ने पाकिस्तान में बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) के निर्माण में बड़ी मात्रा में निवेश किया है। अगर गंभीर युद्ध की स्थिति आती है, तो उन सारे बुनियादी ढांचों, जो चीन के पैसों से बने हैं और जिनकी लागत अब तक पाकिस्तान ने चुकाई नहीं है, को नुकसान से बचाना चीन की प्राथमिकता होगी।

इसके अलावा, विवादित क्षेत्र कश्मीर में भी चीन की गहरी दिलचस्पी है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर उसकी मुख्य ट्रांसपोर्ट लाइनें गुज़रती हैं। इस क्षेत्र में किसी भी बड़े संघर्ष से ये संरचनाएं और चीनी हित निश्चित रूप से प्रभावित होंगे। आखिरकार, इन्हीं क्षेत्रों से चीन, अरब सागर पर स्थित अपनी नई बंदरगाह सुविधाओं तक डायरैक्ट रूट बनाना चाहता है।

इस स्थिति में भारत को अनेक मोर्चों और स्तरों पर अकेले लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। अमेरिका को इस बात की ज्यादा चिंता नहीं है कि भारत और पाकिस्तान के साथ क्या होता है, जब तक कि उसके टैरिफ युद्ध के परिणाम उसके लिए संतोषजनक रहते हैं। लेकिन डॉनल्ड ट्रंप का दुर्भाग्य है कि टैरिफ युद्ध के परिणाम अमेरिका के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो रहे हैं। ट्रंप अब अपने द्वारा बनाए गए घरेलू संकटों में इस कदर उलझ गए हैं कि उनके पास दक्षिण एशिया की चिंता करने का समय नहीं है।

अगर किसी देश ने भारत के पक्ष में निर्णायक और सकारात्मक संकेत दिए हैं, तो वह रूस है। लेकिन रूस की भी अपनी समस्याएं हैं। यूक्रेन का संकट सुलझने का नाम नहीं ले रहा है और अब रूस पर ही हमले तेज हो रहे हैं। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि रूस 8 से 10 मई तक एकतरफा युद्धविराम की बात कर रहा है।

रूस ने यूक्रेन से प्रत्यक्ष बातचीत के भी कुछ आश्वासन दिए हैं। यह पहली बार है कि रूस ने ऐसा किसा है। अगर रूस यूक्रेन के संकट से कुछ हद तक मुक्त होता, तो भारत के लिए एक उपयोगी सहयोगी साबित हो सकता था।

वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय रणनीतिक परिदृश्य की इस जटिलता में, भारत को अपनी दंडात्मक रणनीति अत्यंत बुद्धिमानी से चलानी होगी।

अगर कोई सैन्य कार्रवाई करनी है, तो भारत को इसके परिणाम और संभावित समय सीमा को लेकर पूरी तरह सुनिश्चित होना होगा। यह एक संक्षिप्त, लेकिन बेहद तीव्र और दबावकारी हमला होना चाहिए, जिससे पाकिस्तान के पास प्रतिक्रिया देने का समय ही न बचे।

इस समय ऐसी योजना बनाना अनुचित नहीं है। पाकिस्तान युद्ध लड़ने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि युद्ध के लिए विशाल आर्थिक संसाधनों की ज़रूरत होती है। एक दिवालिया देश युद्ध का खर्च नहीं उठा सकता। उसके पास हथियारों के लिए पैसे भी नहीं हैं। पाकिस्तान इस समय फंड के लिए चारों तरफ हाथ फैला रहा है।

पाकिस्तानी सेना की स्थिति शायद अब तक की सबसे कमज़ोर है, उसकी प्रतिष्ठा, सीनियर सैन्य अधिकारियों के साथ जो हुआ, और सेना की आंतरिक राजनीति के कारण बुरी तरह धूमिल हो गई है। सेना, वायुसेना और नौसेना के सीनियर मोस्ट लोगों ने स्वयं को सुविधाजनक सेवा विस्तार (सर्विस एक्स्टेंशन) दे रखे हैं। सत्ता के उच्चतम स्तर पर इस तरह की चिपक कर रहने की प्रवृत्ति ने निश्चित ही कई अधिक योग्य जूनियर अधिकारियों को निराश किया है, जो उच्च पदों पर आने की आशा लगाए हुए थे।

परस्पर जुड़ी घटनाओं और सितारों का इस तरह का क्रम भारत द्वारा की जाने वाली कार्रवाई के लिए अनुकूल है। परंतु सवाल यह है कि क्या भारत इस समय इतनी बड़ी, तेज और दबदबा कायम करने वाली पहल के लिए वास्तव में तैयार है?

आईपीएल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टिकट ब्लैक करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार करने का हवाला देते हुए कहा कि आरोपियों के पास कई टिकट बरामद हुई हैं, जो वे अधिक राशि में ब्लैक कर रहे थे। जबकि दूसरी ओर, राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष को इसकी जानकारी ही नहीं है कि टिकट किसे बेचे गए हैं। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि आईपीएल को अन्य प्रांतों के दर्शक भी देखते हैं, जो अपना समय और धन खर्च करने के बाद भी टिकट प्राप्त करने में विफल रहे हैं। यह इस बात को दिखाता है कि टिकटों को कालाबाजारी में बेचा गया है। यह गंभीर विषय है और प्रशासन को इस तथ्य की जांच करनी जरूरी है कि मैच के टिकट अवांछित तत्वों को किसने उपलब्ध कराए और इसमें राजस्थान रॉयल्स के पदाधिकारियों की भूमिका तो नहीं है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908